आयोग की पूर्ण पीठ के सामने टीएमसी का दावा-खून से सने हैं सीईसी के हाथ - 12

केंद्र का राजकोषीय घाटा 52.6 प्रतिशत पर सीजीए ने जारी किए आंकड़े - 12

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत संतुलन व जिम्मेदारी की आवाज - 13

भारतीय टीम को अब सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष नवमी 11:15 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 29 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 5, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

भारत की जीडीपी ने भरी रफ्तार, दूसरी तिमाही में 8.2%, डेढ़ साल में सबसे तेज

नई दिल्ली, एजेंसी

- विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से अर्थव्यवस्था को मिली ग्रोथ

देश की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि अनुमान से अधिक रही जिसमें जीएसटी दरों में कटौती से खपत बढ़ने की उम्मीद की अहम भूमिका है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जारी आंकड़ों से पता चलता है कि कारखाना उत्पादन में तेजी और सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन ने कृषि क्षेत्र की सुस्ती को निष्प्रभावी कर दिया। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 5.6 प्रतिशत थी। इस साल की अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी। जुलाई-सितंबर तिमाही की यह वृद्धि दर पिछली छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। इससे पहले उच्चतम वृद्धि 8.4 प्रतिशत थी, जो 2023-24 की जनवरी–मार्च तिमाही में दर्ज की गई थी।

सुधारों को आगे बढ़ाते रहेंगे : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता को बताती है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2% की जीडीपी वृद्धि दर बहुत उत्साहजनक है। यह हमारी वृद्धि-समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है। हमारी सरकार सुधारों को आगे बढ़ाती रहेगी और प्रत्येक के जीवन को आसान बनाने के लिए काम करती रहेगी।

नया भारत रक्षा करने से न पीछे हटता, न हिचकिचाता

उडुपी (कर्नाटक), एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने उडुपी में 14वीं 15वीं शताब्दी के संत-दार्शनिक कनकदास को पुष्पांजलि अर्पित की
- कहा- शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत आवश्यक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पिछली सरकारें आतंकी हमले के बाद प्रतिक्रिया देने में भले ही हिचकिचाती रही हों, लेकिन नया भारत अपने लोगों की रक्षा करने से न तो पीछे हटता है है और न ही हिचकिचाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल मंत्र सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखना है, साथ ही धर्म की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है।

कर्नाटक के उडुपी में लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, पिछली सरकारें आतंकी हमलों के बाद हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती थीं। मोदी यहां लक्ष कंठ गीता पारायण में भाग लेने आए थे, जहां एक लाख लोगों ने श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया। यह कार्यक्रम उडुपी में स्थित श्री कृष्ण मठ ने आयोजित किया था। मोदी ने कहा, गीता हमें शांति और सत्य के लिए प्रयास करने और अत्याचार करने वालों को कुचलने की शिक्षा देती है। हम वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करते हैं और धर्मो रक्षति रक्षितः का जाप भी करते हैं।

कर्नाटक के उडुपी में श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ करते प्रधानमंत्री मोदी व अन्य।

जनता को दिलाए नौ संकल्प

मोदी ने जनता को नौ संकल्प दिलाए जिनमें- जल संरक्षण, देश में एक पेड़ मां के नाम, एक गरीब का जीवन सुधारने का प्रयास और स्वदेशी, पांचवां संकल्प प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, छठा स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, सातवां योग को जीवन का हिस्सा बनाना, आठवां पांडुलिपियों के संरक्षण में सहयोग और नौवां देश के 25 ऐसे स्थानों का दर्शन करना है।

गोवा में भगवान श्रीराम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

पणजी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा है और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का व्यापक जीर्णोद्धार और उज्जैन में महाकाल महालोक का विस्तार देश की 'चेतना' को दर्शाते हैं। श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ के 550 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोहों के तहत गोवा में भगवान राम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करने के बाद मोदी जनसभा को संबोधित किया। गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

ब्रीफ न्यूज

25 लाख के इनामी समेत 10 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में 'पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन'' पहल के अंतर्गत दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) के वरिष्ठ सदस्य चैतू उर्फ श्याम दादा समेत कुल 65 लाख रुपये के इनामी 10 माओवादियों ने शुक्रवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले डीकेएसजेडसी सदस्य चैतू उर्फ श्याम दादा के सिर पर 25 लाख तथा डिविजनल कमेटी सदस्य सरोज उर्फ मल्कू सोढ़ी के सिर पर आठ लाख रुपये का इनाम है।

आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में आजम बरी

रामपुर। पूर्व सांसद और सपा नेता अमर सिंह और उनके परिजनों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आजम खां को कोर्ट से राहत मिली है। शुक्रवार दोपहर बाद आजम खां वीसी के जरिए कोर्ट में पेश हुए। जहां कोर्ट ने उन्हें साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल तैनात रहा। लखनऊ के गोमती नगर थाने में सपा नेता अमर सिंह ने 17 अक्टूबर 2018 में पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम के खिलाफ दर्ज कराए केस में आरोप लगाया था कि आजम ने जौहर विवि में उन्हें, दो बेटियों सहित पूरे परिवार पर आपत्ति जनक टिप्पणी करते हुए बहू-बेटियों को तेजाब से जलाने की धमकी दी थी।

विश्वास वहीं टिकता जहां मन शांत और भावनाएं होती शुद्ध : राष्ट्रपति

लखनऊ में प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विवि में आयोजित कार्यक्रम में बोलीं राष्ट्रपति

- कहा, सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत और भावनाएं शुद्ध होती हैं। सशक्त आत्मा ही विश्व एकता की संकल्पना को साकार करने की आधारशिला है। शुक्रवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के लखनऊ में आयोजित विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान (योग) विषयक राज्य स्तरीय समारोह की शुरुआत करते हुए राष्ट्रपति ने राजयोग के जरिए आध्यात्मिक चेतना के विकास पर बल दिया।

राष्ट्रपति ने इस दौरान अपने विचारों को स्पष्ट करते हुए कहा कि हर मनुष्य चाहता है कि वह दूसरों पर विश्वास करे। लेकिन विश्वास वहीं टिकता है जहां मन शांत, विचार स्वस्थ और भावनाएं शुद्ध हों। उन्होंने कहा कि जब हम कुछ क्षण रुककर स्वयं से संवाद करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि शांति और आनंद किसी बाहरी वस्तु में नहीं, बल्कि हमारे भीतर है। जब आत्मिक चेतना जागृत होती है तो प्रेम, भाईचारा, करुणा और एकता स्वतः जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने ओम शांति के संबोधन से वक्तव्य की शुरुआत की। कहा, भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति ने सदैव वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश विश्व को दिया है। जिसका भाव यह है कि पूरा विश्व एक परिवार है। आज का मनुष्य के पास आगे बढ़ने के अनेक अवसर हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी व संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के दौर में मेडिटेशन जरूरी : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि तनाव और मूल्यहीनता के इस दौर में राजयोग मेडिटेशन व्यक्ति को आत्मदर्शन, आत्म-शुद्धि और आत्म-विकास के मार्ग पर ले जाकर उसे नकारात्मकता, भय और भ्रम से मुक्त करता है। ध्यान की अवस्था में उत्पन्न सकारात्मक ऊर्जा न केवल व्यक्ति के विचारों, भावनाओं और व्यवहार को परिवर्तित करती है, बल्कि वातावरण और समाज पर भी स्थायी प्रभाव छोड़ती है।

भारत राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद मान कर रहा जंग : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम में अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि दुनिया में आज जो आतंकवाद, उपद्रव व अराजकता है, इसके पीछे मन की चंचल वृत्तियां हैं। जहां भी अराजकता देखने को मिलती है, उसके पीछे वह बहुर्मुखी वृत्तियां हैं, जो उसे नकारात्मकता की तरफ लेकर जाती है। जीवन का एक पक्ष सकारात्मकता की तरफ ले जाकर अच्छे कार्य की प्रेरणा देता है तो दूसरा पक्ष नकारात्मकता की तरफ लेकर जाता है। भारत की परंपरा ने राक्षसी वृत्ति को आतंकवाद के रूप में माना है और भौतिक-आध्यात्मिक रूप से उसके खिलाफ लड़ाई भी लड़ रहा है।

मासिक धर्म का सबूत मांगने को लेकर दायर याचिका पर केंद्र व अन्य को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब कहा, यह मानसिकता को दर्शाता है
- याचिका पर अगली सुनवाई 15 दिसंबर को निर्धारित

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा जिसमें आरोप लगाया गया है कि हरियाणा में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में महिला सफाई कर्मचारियों को अपने निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा गया था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने केंद्र तथा अन्य को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, यह मानसिकता को दर्शाता है। कर्नाटक में वे मासिक धर्म के लिए छुट्टी दे रहे हैं। इसे पढ़ने के बाद मैंने सोचा कि क्या वे छुट्टी देने के लिए सबूत मांगेंगे। उन्होंने कहा, यह लोगों की मानसिकता को दर्शाता है। यदि उनकी अनुपस्थिति के कारण कोई भारी काम नहीं किया जा सका तो किसी और को तैनात किया जा सकता था। हमें उम्मीद है कि इस याचिका से कुछ अच्छा होगा। सुनवाई के दौरान 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) के अध्यक्ष और वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा कि यह एक गंभीर आपराधिक मामला है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। याचिका पर अब अगली सुनवाई के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की गयी है।

एमडीयू का है मामला

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) से जुड़े तीन लोगों पर 31 अक्टूबर को यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। महिला सफाई कर्मचारियों से उनके निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है। विश्वविद्यालय ने में कहा था कि उसने दो पर्यवेक्षकों को निलंबित कर दिया है, जिन्हें हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से अनुबंध पर नियुक्त किया था और घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

रिश्वत लेते रेंजर और वन दरोगा पकड़े गए

संवाददाता, निघासन (लखीमपुर)

रेंजर गजेंद्र प्रताप सिंह

- एंटी करप्शन टीम ने 40 हजार रुपये लेते ही दबोचा

अमृत विचारः दक्षिणी वन रेंज में चल रही भ्रष्टाचार की शिकायतों के बीच शुक्रवार को एंटी करप्शन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेंज के वन क्षेत्राधिकारी (रेंजर) और वन दरोगा को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। इस कार्रवाई के बाद टीम दोनों अधिकारियों को अपने साथ जिला मुख्यालय लेकर चली गई।

निघासन क्षेत्र के पिरथीपुरवा गांव निवासी किसान पूरन पुत्र डल्ला ने एंटी करप्शन विभाग को दी शिकायत में बताया कि उसने अपनी जमीन पर लगे शीशम के पेड़ों को काटने के लिए परमिट मांगा था। नियम के अनुसार वन विभाग को पेड़ों का निरीक्षण कर रिपोर्ट लगानी होती है। आरोप है कि काफी समय तक कार्यालय का चक्कर लगाने के बावजूद रिपोर्ट नहीं लगाई गई और रेंजर गजेंद्र बहादुर सिंह तथा वन दारोगा राजेंद्र वर्मा ने इसके बदले 40,000 रुपये की रिश्वत मांगी। शिकायतकर्ता पूरन के अनुसार, रिपोर्ट लगाने और परमिट जारी करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के नाम पर रिश्वत मांगी जा रही थी। कई दिनों तक चक्कर लगाने और रिश्वत मांगने की लगातार दबाव के चलते पूरन ने एंटी करप्शन मुख्यालय से संपर्क किया। शुक्रवार दोपहर इंस्पेक्टर रवि पांडे के नेतृत्व में टीम निघासन पहुंची। टीम ने किसान को बताए अनुसार 40,000 रुपए देकर कार्यालय भेजा। बताया जाता है कि रुपये लेने के बाद वन दारोगा राजेंद्र वर्मा रकम लेकर रेंजर के आवास पहुंचे। एंटी करप्शन टीम ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके तुरंत बाद टीम ने रेंजर गजेन्द्र बहादुर सिंह को भी उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। पूरे दस्तावेजीकरण के बाद एंटी करप्शन टीम दोनों आरोपियों को अपने साथ लेकर चली गई।

एंटी करप्शन टीम पहले से थी तैयार

शुक्रवार दोपहर एंटी करप्शन टीम के निरीक्षक रवि पांडेय अपनी टीम के साथ पहले से दक्षिणी रेंज कार्यालय के बाहर मौजूद थे। टीम ने शिकायतकर्ता से कहा कि वह तय राशि लेकर कार्यालय जाए और जैसे ही पैसे लिए जाएं, टीम संकेत मिलते ही छापा डाल देगी। नियोजित योजना के अनुसार पूरन 40 हजार रुपये लेकर वन दरोगा राजेंद्र वर्मा के पास पहुंचा। जैसे ही दरोगा ने पैसे लिए, एंटी करप्शन टीम अंदर घुस गई और उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

हरिद्वार कुंभ : 3 शाही अमृत स्नान सहित 10 तिथियां घोषित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री धामी बोले- दिव्य-भव्य और सुरक्षित होगा 2027 कुंभ

दो विशेष तिथियां
- 07 अप्रैल – नव संवत्सर (नव वर्ष)
- 15 अप्रैल – श्रीराम नवमी

शाही अमृत स्नान
- 06 मार्च – महाशिवरात्रि
- 08 मार्च – सोमवती अमावस्या
- 14 अप्रैल – मेष संक्रांति

मुख्य पर्व स्नान
- 14 जनवरी – मकर संक्रांति
- 06 फरवरी – मौनी अमावस्या
- 11 फरवरी – बसंत पंचमी
- 20 फरवरी – माघ पूर्णिमा
- 20 अप्रैल – चैत्र पूर्णिमा

अमृत विचारः हरिद्वार में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाला कुंभ दिव्य, भव्य और सुरक्षित होगा। इस ऐतिहासिक महापर्व के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को हरिद्वार में गंगा किनारे सभी 13 अखाड़ों के आचार्यों एवं संतों के साथ बैठक कर सुझावों के साथ ही मार्गदर्शन प्राप्त किया।

बैठक में कुंभ स्नान के साथ ही अमृत स्नान और महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा भी की गई। 14 जनवरी, 2027 को मकर संक्रांति से कुंभ शुरू होगा। पहला शाही स्नान छह मार्च को महाशिवरात्रि पर, तीसरा 14 अप्रैल चैत्र पूर्णिमा को होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देवभूमि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया है। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सरकार कुंभ 2027 को भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रकाश का निधन

- 81 वर्ष के दिग्गज कांग्रेस नेता को दिल का दौरा पड़ा

कानपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय कोयला राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार देर शाम दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं।

कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री जायसवाल 1989 में कांग्रेस से कानपुर के महापौर बने थे। तब सभासद मेयर का चुनाव करते थे। 1999, 2004, 2009 में वे कांग्रेस से कानपुर के सांसद रहे। 2014 के लोकसभा के चुनाव में भाजपा के डॉ. मुरली मनोहर जोशी से वे हार गए थे। 2019 में उन्हें भाजपा के सत्यदेव पचौरी ने हराया था। 4 दिसंबर 2000 को सलमान खुर्शीद के स्थान पर उन्हें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। वे 2002 तक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहे। मई 2004 में मनमोहन सिंह सरकार में उन्हें केंद्रीय गृहराज्य मंत्री बनाया गया था। 2009 में उन्हें कोयला राज्यमंत्री का पदभार दिया गया। 2014 तक वे इस पद पर रहे।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर से दो दिन की भारत यात्रा पर

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति पुतिन प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्षिक शिखर वार्ता के लिए चार दिसंबर से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं। इस शिखर वार्ता से द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण परिणाम मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पुतिन का स्वागत करेंगी।

खगोल चिज्ञान

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की घोषणा, निरंतर निगरानी में क्षुद्रग्रह, भविष्य में कुछ बन सकते हैं पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा

क्षुद्रग्रहों के रूप में 40 हजार खतरे मंडरा रहे पृथ्वी के पास

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः खगोलविदों ने पृथ्वी के चारों ओर मंडराते 40 हजार से अधिक क्षुद्रग्रहों की खोज कर ली है। बड़े स्तर पर पृथ्वी के नजदीक घूम रहे ये क्षुद्रग्रह धरती के लिए बड़ा खतरा हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने अभी तक खोजे गए इन पिंडों की घोषणा करते हुए कहा कि इनसे निकट भविष्य में तो नहीं लेकिन भविष्य में कुछ क्षुद्रग्रह पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

क्षुद्रग्रहों की अनदेखी कतई नहीं की जा सकती है। अतीत में दिए इनके घावों को भुलाया नहीं जा सकता है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक, वर्तमान में नासा समेत दुनिया की कई दूरबीनों से इनकी निरंतर निगरानी की जा रही है। क्षुद्रग्रह अंतरिक्ष की चट्टानें हैं, जिनका आकार कुछ मीटर से लेकर कई किलोमीटर तक होता हैं।

इनकी कक्षाएं कुछ ऐसी होती हैं, जो उन्हें पृथ्वी के नजदीक ले लाती हैं और पृथ्वी से टकराने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। पृथ्वी के निकट घूमते इन क्षुद्रग्रहों की उत्पत्ति पृथ्वी के जन्म के साथ ही हुई है जिनकी उम्र भी पृथ्वी के बराबर यानी चार अरब साल मानी जाती है। ये सौर मंडल के निर्माण से बचा हुआ चट्टानी अवशेष है जिनमें अधिकांश मंगल और बृहस्पति के बीच सूर्य की परिक्रमा करते हैं। निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह उन्हें कहा जाता है, जिसकी कक्षा पृथ्वी की कक्षा के करीब 45 मिलियन किमी के भीतर लाती है। ये दूरी बेहद खतरनाक मानी जाती है, जिसके चलते इनके पृथ्वी से टकराने का खतरा बढ़ जाता है।

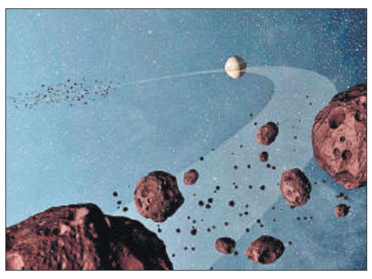

अंतरिक्ष में विचरते क्षुद्रग्रहों की तस्वीर।

1898 में पहले क्षुद्रग्रह 'इरोस' की खोज

खगोलविदों ने वर्ष 1898 में पहले क्षुद्रग्रह इरोस की खोज की थी। इनकी भयावहता की गंभीरता को समझते हुए खगोल वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के चारों ओर नजर रखनी शुरू की। समय के साथ तकनीक व आधुनिक दूरबीनों की सुविधाएं बढ़ने से इनकी खोज वर्ष 1990 में अधिक होने लगी। करीब तीन दशक में सर्वाधिक 10 हजार से ज्यादा क्षुद्रग्रहों को खोजा गया और अभी तक 40 हजार से अधिक क्षुद्रग्रहों को खोजा जा सका है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव के अनुसार, इसमें दोराय नहीं कि पृथ्वी के पास घूमते क्षुद्रग्रहों की संख्या हजारों में जा पहुंची है, जो धरती के लिए बड़े खतरे हैं। इन पर सतत निगरानी रखे जाने की जरूरत है।

डबल इंजन की सरकार में बदलती विकास की तस्वीर, समाज का चेहरा बना अमृत विचार

भाजपा की डबल इंजन की सरकार में विकास की तस्वीर बदल रही है। हर क्षेत्र में हो रहे विकास से भाजपा लोगों का भरोसा बन चुकी है। लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। देश ही नहीं दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत का लोहा मनवाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास को नई दिशा दी है। लोगों की हर मूलभूत सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बिजली, सड़क, पानी आदि हर क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। छोटे शहरों को बड़े शहरों से जोड़ने काम हुआ है। जिससे व्यापार आसान हो गया। दुरुस्त हुई सड़कों से किसानों राह आसान हुई है। स्थानीय जनप्रतिनिधि के हर प्रस्ताव को लेकर तेजी से काम चलता है। शिक्षा को लेकर भी परिवर्तन नजर आता है। भाजपा की विकास यात्रा में अमृत विचार समाचार पत्र समाज का चेहरा बना है।

नवोदय विधालय में पढ़ रहे बच्चे, मिनी स्टेडियम में संवार रहे स्वास्थ्य

विधानसभा बिसौली के बच्चे आवासीय शिक्षा के लिए बाहर जाते थे। उन्हें बहुत परेशानी होती थी। उनकी यह समस्या दूर करने के लिए विकास खंड आसफपुर के गांव सीकरी में 90 करोड़ रुपये की लागत से नवोदय विद्यालय का निर्माण कराया गया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से 15 किमी के छह मार्गों का निर्माण 2689.80 लाख रुपये की लागत से कराया गया। बगरैन में पांच करोड़ की लागत से मिनी स्टेडियम बना। नगर पंचायत मुड़िया को आदर्श नगर पंचायत का दर्जा दिलाया। पांच साल में विधायक निधि से 325.0468 लाख रुपये से 64 सीसी मार्गों का निर्माण कराया गया। 106.77 लाख रुपये से 8 खड़ंजे बनवाए गए। मुख्यमंत्री संवर्धन विकास योजना के अंतर्गत विकास खंड वजीरगंज के गांव पेपल स्थित प्राचीन शिव मदिर के जीर्णोद्धार के लिए 50 लाख रुपये स्वी त कराए। जूनियर हाईस्कूल ढिलवारी, मदनजुड़ी, बसई, शाह, बीघा नगला को कक्षा कक्ष के लिए 46.15 लाख रुपये अनुदान दिया। 16 गांवों में बारात घ का निर्माण 150.04 लाख रुपये से हुआ। वाहनों के इंतजार के दौरान लोगों को सुरक्षित रखने के लिए 65.140 लाख रुपये से 20 यात्री शेड बनवाए गए। सेहत के क्षेत्र में योगदान दिया। कोविड के समय एक करोड़ रुपये के आधुनिक व जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए गए। राहगीरों का पथ सुगम करने को 163.40 लाख रुपये 60 हाई मास्ट लाइटें लगवाई। विधानसभा बिसौली में जिला पंचायत द्वारा 10 करोड़ रुपये सड़कों का निर्माण हुआ। किसानों को अपने पशुओं के इलाज के लिए परेशानी न हो इसके लिए गांव दसौलीगंज में 40 लाख रुपये की लागत से पशु चिकित्सालय बनवाया गया। इसके अलावा 19 लाख रुपये से 19 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया गया। त्वरित विकास योजना 2019-20 में 5 करोड़ रुपये से 9 मार्गों के लेपन कार्य व निर्माण हुए। इसके साथ 3 करोड़ रुपये अन्य विकास कार्य कराए गए। गड्ढा मुक्ति योजना के अंतर्गत 35 मार्गों का मरम्मत कार्य 568.30 लाख रुपये से हुआ। डूडा के माध्यम से नगर क्षेत्र बिसौली, सैदपुर, फैजगंज, मुड़िया में 11 सीसी मार्ग बने। पेजयल की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए 13 नए सरकारी नलकूप बनवाए गए और 14 सरकारी नलकूपों का पुर्ननिर्माण हुआ। आजादी के बाद से विधानसभा में इतने नलकूप नहीं बने उससे दो गुने अपने कार्यकाल में बनवाए गए। प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए भानपुर, फैजगंज बेहटा, परवेज नगर में नए विद्युत उपकेंद्रों की स्थापना हुई। बिसौली नगर, दिसौलीगंज, सैदपुर, आसफपुर के विद्युत उपकेंद्रों की क्षमता वृद्धि कराई।

कुशाग्र सागर
पूर्व विधायक
विधानसभा-बिसौली

सड़क हादसों में जीजा-साले समेत चार लोगों की मौत

कटरा में गर्भवती महिला, सिंधौली में जीजा-साले, तिलहर में दुकानदार की हादसे में गई जान, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जिले में अलग-अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं में जीजा-साले, गर्भवती महिला समेत चार की मौत हो गयी। जबकि तीन लोग घायल हो गए। सिंधौली क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी तो जीजा-साले, मीरानपुर कटरा में कार व एंबुलेंस की टक्कर में गर्भवती महिला और तिलहर अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी तो बाइक सवार की मौत हो गई।

हादसे में बेटे की मौत, मां घायल : तिलहर, अमृत विचारः नवीन मंडी के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे मां-बेटे घायल हो गए। घायलों को सीएचसी पर भेजा गया। जहां डाक्टर ने बेटे को मृत घोषित कर दिया। परिवार वाले इलाज कराके मां को घर ले गए। कांट थाना क्षेत्र के गांव कमलनैनपुर निवासी 27 वर्षीय मुन्ना के मामा शकील बरेली के एक अस्पताल में भर्ती है। वह अपनी मां शबनम को लेकर बाइक से बरेली जाने के लिए निकला था। उन्होंने बाइक तिलहर में रिश्तेदार के यहां खड़ी कर दी थी। मां-बेटे तिलहर से बरेली बस से गए। दोनों लोग शकील को देखने के बाद बरेली से तिलहर बस से आए। गुरुवार की रात आठ बजे मां-बेटे तिलहर से कांट के लिए बाइक से लौट रहे थे। हाईवे पर अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे मां-बेटे घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को सीएचसी पर भेज दिया। जहां डाक्टर ने मुन्ना को मृत घोषित कर दिया। परिवार वाले तिलहर पहुंचे और घायल मां का उपचार कराके घर ले गए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रिंकू

सुशीला

मुन्ना कांट

कटरा में क्षतिग्रस्त कार और एम्बुलेंस।

- तेज रफ्तार बनी काल, लगातार हो रहे हादसों के बाद भी नहीं चेत रहे वाहन चालक, पिछले चार दिनों में कई लोगों की हो चुकी है हादसों में मौत

शोक में डूबे रिंकू के परिजन। ● अमृत विचार

पूड़ी व पनीर की सब्जी धरी रह गयी, फोन से मिली खबर

सिंधौली: मृतक रिंकू के परिवार में उसकी मां सरस्वती और पत्नी सुलोचना तथा दो वर्षीय बेटी दीपांशी है। उसकी पत्नी के मां-बाप और भाई यहां आ रहे थे और काफी खुश थी। साले नितेश ने कई दिन से अपने जीजा को फोन करके कहा था कि परिवार के साथ आएंगे। रिंकू शाम को पनीर लेकर आया और स्वयं सब्जी बनायी। उसने अपनी पत्नी से कहा कि गर्म-गर्म पूड़ी बना ले। उसने पत्नी को फोन करके कहा कि पूड़ी निकाल लो। कुछ देर बाद सुलोचना को अपने पति और भाई के मौत की खबर मिली। परिवार में रोना पीटना मच गया।

घायल मां को नहीं दी बेटे की मौत की सूचना

शाहजहांपुर, अमृत विचार: बेटे मुन्ना की मौत की खबर घायल मां शबनम को नहीं दी गयी। परिवार वालों ने उससे कहा कि अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत ठीक है। शबनम के मामूली चोट होने परिवार वाले उसे घर ले गए थे। वह बार-बार पूछ रही थी कि मुन्ना की तबीयत कैसी है। पोस्टमार्टम के बाद मुन्ना का शव घर पहुंचते ही परिवार में रोना पीटना मच गया। तब मां को जानकारी हुई। दो भाइयों में बड़ा था और कॉस्मेटिक की दुकान करता था। उसकी पत्नी का नाम निशा है। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। उधर मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र में

वाहन से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत

जलालाबाद, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा निवासी 28 वर्षीय आशुतोष पाठक गुरुवार की रात आठ बजे बाइक लेकर घर से निकला था। उवरिया मंदिर के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक घायल हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सीएचसी पर भेज दिया। जहां डाक्टर ने आशुतोष पाठक को मृत घोषित कर दिया। उसकी जेब से एक मोबाइल निकला। उसके परिवार वालों को फोन करके अस्पताल में बुलाया गया। मृतक आशुतोष के मां-बाप की मौत हो चुकी है और परिवार में अन्य रिश्तेदार है। वह परचूनी की दुकान करता था।

कार और एंबुलेंस की टक्कर में गर्भवती महिला की मौत, जेठानी घायल

मीरानपुर कटरा, अमृत विचार : लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर कार और एंबुलेंस की टक्कर हो गयी, जिससे एंबुलेंस में सवार गर्भवती महिला की मौत हो गयी और जेठानी गंभीर रुप से घायल हो गयी। चालक कार छोड़कर भाग गया। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया। मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव गिरधरपुर निवासी नेमवीर सिंह की पत्नी 35 वर्षीय सुशीला देवी को प्रसव पीड़ा हुई। गुरुवार की शाम परिवार वाले उसे लेकर शहर में एक निजी अस्पताल में आए। महिला डॉक्टर ने गर्भवती महिला को देखा और मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। परिवार वाले सुशीला को लेकर मेडिकल कालेज आए। डाक्टर ने बरेली के लिए रेफर कर दिया। परिवार सुशीला को लेकर एंबुलेंस से रात दस बजे बरेली लेकर जा रहे थे। रमापुर दक्षिणी गांव के सामने आगे चल रही कार ने डिवाइडर पर कट किया तो एंबुलेस कार से टकरा गयी। जिससे कार में सवार गर्भवती सुशीला और उसकी जेठानी भगवान श्री गंभीर रुप से घायल हो गए। जबकि देवर उमेश, राजेश तथा चालक के मामूली चोट आयी है। पुलिस ने घायलों को सीएचसी पर भेजा। जहां डाक्टर ने गर्भवती महिला सुशीला को मृत घोषित कर दिया। उसकी जेठानी का इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर पाल ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कराके कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जेठानी भगवानश्री और देवर उमेश व राकेश के सामने सुशीला की जान चली गयी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गर्भ में पल रहे शिशु की भी मौत हो गयी। मृतका के पति नेमवीर खेतीबाड़ी करते है। मृतका का एक बेटा और दो बेटी है। पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया।

वाहन की टक्कर से साले-बहनोई की मौत

सिंधौली, अमृत विचार : गुरुवार की रात में पुवायां रोड पर मूर्छा गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार मार दी, जिससे जीजा, साले और एक बच्ची घायल हो गयी। घायलों को मेडिकल कालेज भेजा गया। जहां डाक्टर ने जीजा-साले को मृत घोषित कर दिया। कस्बा सिंधौली निवासी 26 वर्षीय रिंकू की ससुराल बिहार राज्य के लखीसराए के गांव खवाना में जय महतों के यहां थी। उसके सास-ससुर, सालाऔर साली बिहार से रात साढ़े दस बजे ट्रेन से रेलवे स्टेशन पर उतरे। वह अपने ससुराल वालों को लेने के लिए रेलवे स्टेशन पर आया। उसने सास-ससुर को सिंधौली के लिए टैंपो पर बैठा दिया। रिंकू ने अपनी बाइक पर साले 18 वर्षीय नीतेश और साली 7 वर्षीय साली गुरुदेवी को बाइक पर बैठाया और सिंधौली के लिए चल दिया। पुवायां रोड पर मुर्छा गांव के सामने अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार तीनों लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस और परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। बाइक क्षतिग्रस्त हो गयी। पुलिस ने तीनों घायलों को मेडिकल कालेज भेज दिया। जहां डाक्टर ने रिंकू और साले नितेश को मृत घोषित कर दिया। घायल बच्ची का इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

महिला और युवक ने खाया जहरीला पदार्थ

तिलहर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला घेरचौबा की महिला और मोहल्ला काकड़ में एक युवक ने किसी बात पर जहरीला पदार्थ खा लिया। घेर चौबा में बृहस्पतिवार की रात लक्ष्मी ने लगभग 11:30 बजे जहरीला पदार्थ खा लिया। रात में उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल सीएचसी लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने महिला की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

रेलवे ट्रैक पर अज्ञात युवक की मौत

तिलहर, अमृत विचार : रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर जीआरपी पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। घटना शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे रेलवे स्टेशन से बरेली की ओर जाने वाले पुलबंपा फाटक, स्थित खंभा नंबर 1256 के पास आॅपलाइन ट्रैक पर हुई। करीब 35 वर्षीय युवक नीली जैकेट और सफेद शर्ट पहने हुए था। ट्रेन की चपेट में आते ही उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही जीआरपी चौकी इंचार्ज नरवीर मौके पर पहुंचे और युवक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन पहचान न होने पर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी के अनुसार युवक की पहचान कराए जाने का प्रयास जारी है।

बाइक फिसलने से किशोर घायल

तिलहर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव मंसूरपुर गोटिया निवासी अभिषेक किशोर शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे बाइक से खेत पर जा रहे थे। खेत के पास पहुंचते ही अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसल गई। हादसे में अभिषेक गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गए। परिजनों ने घटना की जानकारी मिलते ही उन्हें तुरंत सीएचसी लेकर पहुंचे।

डीईओ ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

शाहजहांपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी-धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने डीएम कम्पाउंड स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक ब्राह्य निरीक्षण किया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, सुरक्षा बलों की तैनाती और समग्र सुरक्षा व्यवस्था का विस्तार से जायजा लिया। जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए निर्देश दिया कि 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी, अग्नि सुरक्षा उपकरणों की कार्यशीलता और सुरक्षा प्रबंध दुरुस्त रहें। इस दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र समेत संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर छात्र ने दोस्त की पीठ पर गोली मारी, हालत गंभीर

संवाददाता, जलालाबाद

- आरोपी छात्र है नाबालिग, पुलिस कर रही तलाश
- बातचीत के दौरान पीछे से मार दी गोली, बरेली में भर्ती है घायल

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के नवीगंज गांव के पास गंगा एक्सप्रेसवे पर एक छात्र को उसके ही दोस्त ने बुलाकर गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल रजत पुत्र देवेंद्र सिंह का बरेली में इलाज चल रहा है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

कोतवाल राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पिता देवेंद्र सिंह की तहरीर पर आरोपी प्रियांशु पुत्र राजेश निवासी नवीगंज के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को पहले जिला अस्पताल भेजा गया, जहां से हालत न सुधरने पर उसे बरेली रेफर कर दिया गया। घायल रजत के ताऊ हरिचरण के अनुसार, रजत घर पर खाना खा रहा था तभी प्रियांशु ने उसे तीन बार फोन कर एक्सप्रेसवे के निकट बुलाया। रजत के पहुंचते ही प्रियांशु ने पीछे से गोली चला दी, जो उसकी पीठ में लगी। होश में आने पर रजत ने भी बताया कि गोली प्रियांशु ने ही चलाई। घटना के समय रजत के माता-पिता बीमार नानी को देखने के लिए तुर्कीखेड़ा गए हुए थे। सूचना मिलते ही दोनों के होश उड़ गए और वे तत्काल बरेली अस्पताल पहुंचे। घटना के बाद गांव में हड़कंप मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि घायल रजत और आरोपी प्रियांशु दोनों जलालाबाद के एक ही स्कूल के छात्र हैं और नाबालिग। प्रभारी राजीव कुमार तोमर ने बताया कि 17 वर्षीय प्रियांशु पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और उसकी तलाश की जा रही है। बताया जाता है कि किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा है।

शार्ट सर्किट से कमरे में आग लगी

अमृत विचार : जैतीपुर क्षेत्र के गांव करकौर में गुरुवार की रात बिजली के शार्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई। जिससे कमरे में रखा घरेलू सामान जलकर राख हो गया। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। अरविंद कुमार ने बताया छत पर कमरा बना हैं। जिसमें घरेलू सामान सहित चारपाई अनाज आदि रखा था। रात करीब 9 बजे बिजली के शार्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई। बच्चों ने कमरे से धुआं निकलते देखा तो जानकारी दी। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। तब तक कमरे में रखा घरेलू सामान सहित चारपाई अनाज आदि जल कर राख हो गया। घटना की सूचना अभी पुलिस को नहीं दी गई है।

पुलिस ने कब्जे में ली अस्थियां

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- अंतिम संस्कार कर दिया था, पति से झगड़ा होने पर लगाई थी फांसी
- ससुराल वालों ने दी थाना पर सूचना, अस्थियों की होगी जांच

अमृत विचारः मीरानपुर कटरा में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी थी। मृतका के पिता ने शव का बहगुल नदी के घाट पर अंतिम संस्कार दिया था। विवाहिता के ससुराल पक्ष ने थाना पर तहरीर दी। पुलिस ने मृतका के पिता और बोलेरो को कब्जा में ले लिया। पुलिस नदी के किनारे जाकर विवाहिता के अस्थियां को कब्जे में ले लिया है।

मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र के गांव सहमापुर निवासी अजयपाल सिंह ने अपनी बेटी छाया की शादी छह माह पूर्व जैतीपुर थाना क्षेत्र के गांव पलियूरा के राजकुमार के साथ किया था। शादी के बाद छाया अपने पति के साथ पंजाब में ईट भट्टे पर रह रही थी। वह दस दिन पूर्व अपने मायके कटरा आयी थी। गुरुवार की सुबह साढ़े दस बजे छाया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। छाया की मौत होने पर अजयपाल सिंह ने अपने भाई और भतीजे की मदद से बोलेरो से ले जाकर जैतीपुर क्षेत्र के बहगुल नदी पुल मढ़ई घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया था। जैतीपुर के गांव पलियूरा के चंद्रसेन ने थाना कटरा पर सूचना दी। पुलिस मृतका के पिता अजयपाल और बोलेरो को थाना पर ले आयी। पुलिस श्मशान घाट पर गयी और विवाहिता की अस्थियां कब्जे में ले ली। मृतका के पिता अजयपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि जैतीपुर के ग्राम पलियूरा के राजकुमार से प्रेम-प्रसंग के चलते शादी कर दी थी। छाया दस दिन पहले पंजाब से आयी थी। पति से झगड़ा करके आयी थी। उसकी फोन पर पति से झगड़ा हुआ था। उसकी पुत्री ने फांसी लगाकर जान दे दी। उसने ससुराल वालों को बिना बताए बेटी का अंतिम संस्कार कर दिया। प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर ने बताया कि हड्डियों को डीएनए जांच के लिए भेजा जाएगा। ससुराल वालों की तरफ से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात हमलावरों ने ग्राम प्रधान को मारी गोली

संवाददाता, मिर्जापुर

देवेंद्र यादव

- जरियनपुर से अपने गांव बड़ा तारापुर जाते वक्त हमलावरों ने किया हमला

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जरियनपुर के प्रधान और बड़ा तारापुर निवासी देवेंद्रपाल सिंह यादव पर बीती रात अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना रात लगभग 10 बजे उस समय हुई जब वह जरियनपुर से अपने घर लौट रहे थे। गांव से करीब एक किलोमीटर पहले बदायूं-फर्रुखाबाद स्टेट हाईवे पर हुए हमले में हमलावरों ने उनके सिर में गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे गिर पड़े।

सूचना मिलते ही परिजन उन्हें सीएचसी जरियनपुर लेकर पहुंचे, जहां गंभीर हालत देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहां भी स्थिति में सुधार न होने पर परिजन उन्हें बरेली स्थित राममूर्ति अस्पताल ले गए, जहां सघन चिकित्सा कक्ष में उनका उपचार जारी है। घटना को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश और दुख व्याप्त है। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है और सभी संभावित बिंदुओं पर जांच जारी है।

शस्त्र लाइसेंस धारक अपने जमा शस्त्र मुक्त कराएं

शाहजहांपुर, अमृत विचारः जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशों के क्रम में सभी वैध शस्त्र लाइसेंस धारकों को अवगत कराया गया है कि दुर्गा आर्म्स स्टोर-खुटार में निर्वाचन एवं मरम्मत हेतु जमा किए गए शस्त्रों को मुक्त कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। शस्त्रधारकों से कहा गया है कि वे अपने शस्त्रों की रिहाई के लिए कलेक्ट्रेट स्थित शस्त्र अनुभाग में प्रार्थना पत्र के साथ वैध शस्त्र लाइसेंस, आधार कार्ड, पैन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र तथा जमा बंदूक की रसीद प्रस्तुत करें। पटल सहायक के समक्ष पूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराने पर ही नियमानुसार शस्त्र मुक्त किए जाएंगे।

शोहदे ने किया स्टंट, डरीं छात्राएं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- कालेज गेट पर की कलाबाजी, वीडियो इंस्टाग्राम पर डाला, मिशन शक्ति की उड़ी धज्जियां

अमृत विचारः मिशन शक्ति अभियान का मजाक उड़ाने का एक वीडियो वायरल हुआ है। यह वीडियो एक इंटर कालेज के सामने का है। स्कूल जा रही छात्राओं के सामने स्टंट करता दिख रहा है, जिससे छात्राएं घबरा गयी और इधर-उधर भागने लगी। आरोपी युवक ने अपनी वीडियो अपनी इंस्टाग्राम आइडी पर पोस्ट किया। पुलिस की एंटी रोमियों वाहन किसी कालेज और चौराहे पर नहीं दिखायी देता है।

सदर बाजार थाना क्षेत्र में मोहल्ला कटिया टोला में एक इंटर कालेज के सामने का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा का युवक स्कूल की ड्रेस में है। कालेज के सामने छात्राओं के आने का इंतजार कर रहा है। एक डिग्री कालेज की छात्राएं जा रही है। युवक छात्राओं के सामने बड़ी तेजी से आता है और कालाबाजी खाता है।

इस दौरान छात्राएं घबरा गयी और इधर-उधर भागने लगी। दूसरा युवक उसकी कलाबाजी का वीडियो बना रहा है। युवक ने अपनी इंस्टाग्राम पर आईडी पर शेयर किया है। जबकि घटना स्थल से तिराहे पर पुलिस और होमगार्ड की पिकेट डियूटी रहती है और कुछ दूरी पर थाना सदर बाजार है। इस घटना से मिशन शक्ति और महिला सशक्तिकरण के तहत जागरुकता अभियान पर सवाल खड़े कर दिए है। पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वायड की अनुपस्थित पर भी प्रश्नचिन्ह लग गया है। एंटी रोमियों कालेज गेट के आस-पास, चौराहे, शहीद उद्यान, रोडवेज परिसर आदि स्थानों पर नहीं दिखती है। न ही कालेज गेट के बाहर महिला पुलिस कर्मचारियों की डियूटी दिखायी देती है, यह सिर्फ थाना के कागजों पर खानापूरी चल रही है। सीओ सिटी पंकज पंत ने बताया कि यह वीडियो उनके संज्ञान में आया। पुलिस स्टंट करने वाले युवक की पहचान करके तलाश में जुटी है और आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जानकारी जुटा रही है। वीडियो डालने वाले युवक का पता किया जा रहा है।

नाजरीन की मदद को आगे आई सहयोग संस्था

नाजरीन के घर रोजमर्रा का सामान देते सहयोग संस्था के पदाधिकारी।

शाहजहांपुर, अमृत विचार : ककरा मोहल्ले में रहने वाली नाजरीन के घर में भयंकर रूप से आग लग गई थी। जिसमें घर का सारा सामान जलकर राख हो गया था। सहयोग संस्था के पदाधिकारियों नाजरीन के घर पहुंचकर रोजमर्रा का सामान दिया। संस्था की अध्यक्ष रजनी गुप्ता, उपाध्यक्ष अमरदीप खालसा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नुजहत अंजुम, संरक्षक अनिल गुप्ता प्रधान, शाहनवाज खां एडवोकेट के आदि रहे।

लेखपाल की आत्महत्या पर आक्रोश, दिया धरना

संवाददाता, जलालाबाद

जलालाबाद तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन करते लेखपाल। ● अमृत विचार

- परिजनों को 50 लाख सहायता व एक आश्रित को नौकरी देने की मांग
- बिंदकी के एसडीएम पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग, धरना प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

अमृत विचारः फतेहपुर जिले की बिंदकी तहसील में लेखपाल सुधीर कुमार द्वारा कथित प्रताड़ना के बाद आत्महत्या किए जाने की घटना पर लेखपालों में आक्रोश फूट पड़ा।

शुक्रवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के नेतृत्व में लेखपालों ने जलालाबाद तहसील मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

धरना स्थल पर संघ के अध्यक्ष अरविंद कनौजिया ने कहा कि बिंदकी के लेखपाल सुधीर कुमार ने विवाह हेतु छुट्टी ली थी, इसके बावजूद 25 नवंबर को बिंदकी के एसडीएम ने कानूनगो शिवराम को सुधीर के घर भेजकर ड्यूटी ज्वाइन करने का दबाव बनाया। आरोप है कि कानूनगो ने धमकाया और हड़काया कि ड्यूटी न ज्वाइन करने पर निलंबित कर दिया जाएगा। इस दबाव में आकर लेखपाल सुधीर कुमार ने आत्महत्या कर ली, जबकि 26 नवंबर को उनकी शादी होनी थी। अध्यक्ष कनौजिया ने प्रशासन को सौंपे ज्ञापन में मांग की कि इस घटना में मुख्य आरोपी बिंदकी के उपजिलाधिकारी संजय सक्सेना पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की जाए।

मृतक की मां को 50 लाख रुपये आर्थिक सहायता दी जाए तथा परिवार के एक सदस्य को नौकरी प्रदान की जाए। साथ ही एसआईआर प्रक्रिया की समय सीमा बढ़ाने, सामान्य निर्वाचन एवं मतदाता सूची पुनरीक्षण में कार्यरत लेखपालों को प्रोत्साहन स्वरूप एक माह का अतिरिक्त वेतन देने तथा लेखपालों को निर्वाचन कमी घोषित करने की मांगें भी उठाई गईं। धरना प्रदर्शन में रविकांत, दुर्गेश मिश्रा, मोहन शर्मा, स्वस्तिका सहित कई लेखपाल मौजूद रहे।

महिला सुरक्षा केंद्र एवं शिशु गृह का एसपी ने किया शुभारंभ

अमृत विचार : जैतीपुर। थाना में नवनिर्मित महिला सुरक्षा केंद्र एवं शिशु गृह का शुभारंभ शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने फीता काटकर किया। महिला पुलिसकर्मियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिशु गृह में महिला पुलिसकर्मियों के छोटे बच्चों के लिये एक सुरक्षित, सुविधाजनक एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए शिशु गृह की शुरुआत की गई है। थाना परिसर की साफ सफाई आदि व्यवस्थाएं देखकर उन्होंने थाना प्रभारी गौरव त्यागी की सराहना की। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीक्षा भवरें, एसपी सिटी पंकज पंत पुलिस क्षेत्राधिकारी ज्योति यादव थाना प्रभारी गौरव त्यागी, एसआई सूरजपाल पचौरी, रोहिताश कुमार, इतेश तोमर, कांस्टेबल तरुण सिरोही, राहुल यादव आदि मौजूद रहे।

प्लेटफार्म वर्क लिंक के नाम पर दस लाख रुपये की ठगी, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पुवायां

- कंपनी ने मूलधन और कमीशन देने का किया था वादा
- भुगतान करने से किया मना शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचारः लोना ग्रुप कंपनी ने एक व्यक्ति को प्लेटफार्म वर्क लिंक के नाम से दस लाख रुपये की ठगी कर ली है। कंपनी ने आनलाइन रुपये डलवा लिए थे। पीड़ित ने वर्क लोड पूरा होने पर भुगतान मांगा तो कंपनी देने से मना कर दिया। कंपनी के खिलाफ साइबर थाना में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

पुवायां थाना क्षेत्र के गांव बद्रीपुर हदीरा निवासी संदीप कुमार ने साइबर क्राइम थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसके मोबाइल पर एक माह पूर्व टेलीग्राम एप पर लोना ग्रुप कंपनी प्लेटफार्म वर्क का लिंक उपलब्ध कराया गया, जिसमें कंपनी के विभिन्न प्रापर्टी की फोटो होटल, बिल्डिंग आदि को प्रमोद करने को कहा गया था। प्लेटफार्म पर काम करने से पहले रुपये जमा कराते थे। काम के समाप्त होने के पश्चात मूलधन तथा कमीशन दोनों उसके खाते पर आता था। 09 अक्टूबर को प्लेटफार्म पर वर्क करने के लिए 30 हजार रुपये करने को कहा गया। पीड़ित ने 30 हजार रुपये बैंक आफ बड़ौदा के खाते से ऑनलाइन भुगतान कर दिया। भुगतान करने के बाद प्लेटफार्म वर्क प्रारंभ किया। तभी प्लेटफार्म पर निगेटिव धनराशि शो होने लगी। फिर 50299 की धनराशि जमा करने के लिए कहा गया। उन्होंने दो किश्तों में ऑनलाइन धनराशि जमा कर दी। धनराशि जमा करने के बाद प्लेटफार्म पर फिर वर्क किया गया। पहले की तरह इस बार फिर से 145830 तथा 430426 रुपये की निगेटिव धनराशि वर्क प्लेटफार्म पर शो हुई, जिसको पीड़ित ने 145830 धनराशि को बैंक आफ बड़ौदा के खाते में जमा किया तथा 430.426 धनराशि को बैंक के माध्यम से गोलू रावत के फेडरेल बैंक शाखा नियो बैंकिग जुपिटर खाते में जमा किए गए। काम पूरा होने के बाद मूलधन कमीशन विड्रॉल निकालने के लिए कहा गया, जो कुल 13 लाख 26 हजार 956 रुपये की धनराशि थी। फर्म ने 10 लाख रुपये से अधिक बताकर भुगतान को रोक दिया गया। कंपनी ने 10 लाख रुपये धनराशि का भुगतान करने से मना कर दिया। साइबर क्राइम थाना प्रभारी ने बताया कि दस लाख रुपये की धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

नरेश चंद्र त्यागी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आज होगी

शाहजहांपुर। योग विज्ञान संस्थान की जिला इकाई के वरिष्ठ साधक, शिक्षक नरेश चंद्र त्यागी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा 29 नवम्बर को प्रात: 5 : 30 बजे सीतापुर नेत्र चिकित्सालय योग साधना केंद्र पर आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष ने दी है।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा का मौन जुलूस आज निकाला जाएगा

शाहजहांपुर। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान के पदाधिकारी प्रांतीय आह्वान पर 29 नवम्बर को प्रात: 10 : 30 बजे जीआईसी खेल मैदान से कटोरी चम्मच लेकर रूट मार्च करते हुए मौन जुलूस निकालकर कलेक्टेट में प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देंगे। यह जानकारी जिला महामंत्री सत्य प्रकाश तिवारी ने दी है। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स की समस्याओं पर शासन ध्यान नहीं दे रहा है। ये गलत है।

शीतलहर से बचाव के लिए प्रशासन सतर्क

सर्दी बढ़ने का अलर्ट, प्रशासन सक्रिय, शीतलहर से बचाव के लिए विस्तृत एडवाइजरी की जारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

रैन बसेरे का फाइल फोटो। ● अमृत विचार

- वाहन चालकों, रोगियों व किसानों को विशेषज्ञों ने दी सलाह
- रैनबसेरों और अलाव स्थलों पर की गई विशेष व्यवस्था

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच सामान्य से कम तापमान रहने की संभावना जताई है। इसके मद्देनजर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा शीतलहर से बचाव के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। प्रशासन ने जन–समुदाय से इन निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

शीतलहर से पहले रेडियो, टीवी और समाचार पत्रों से मौसम की जानकारी लेने, पर्याप्त गर्म कपड़े पहनने और आपातकालीन सामग्री तैयार रखने की सलाह दी गई है। शीतलहर के दौरान घर से कम बाहर निकलने, कई परतों वाले ढीले और ऊनी कपड़े पहनने, सिर–गर्दन–हाथ–पैर को ढकने, पौष्टिक भोजन और गर्म तरल पदार्थ लेने पर जोर दिया गया है। बुजुर्गों, बच्चों और अकेले रहने वाले लोगों का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है।

बंद कमरे में कोयला या अंगीठी जलाने से मना किया है, क्योंकि इससे जहरीली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का खतरा रहता है। हाइपोथर्मिया की स्थिति में व्यक्ति को गर्म स्थान पर ले जाकर सूखे कपड़े पहनाना, गर्म पेय देना और तुरंत चिकित्सा सहायता लेने की सलाह दी गई है। वहीं शराब पीने, प्रभावित अंग की मालिश करने और लंबे समय तक ठंड में रहने से बचने की सलाह है। उन्होंने बताया कि ठंड से रोगी अधिक बचाव रखें, क्योंकि ठंड का मौसम उनके लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

यातायात नियमों का करें पालन

यातायात के लिए गन्ना–भूसा ढोने वाले वाहनों में ओवरलोडिंग न करने, फॉग लाइट और रेडियम पट्टी लगाने, एंबुलेंस को रास्ता देने, वाहन में प्राथमिक उपचार किट रखने और शॉल–कंबल ओढ़कर वाहन न चलाने की हिदायत दी गई है। दोपहिया वाहन चालकों को अत्यधिक ठंड में केवल आवश्यकता होने पर ही बाहर निकलने और गर्म कपड़े, हेलमेट, दस्ताने एवं चश्मा पहनने की सलाह दी गई है। जिले में लगभग 300 स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। साथ ही कुल 17 रैनबसेरा संचालित हैं, जिनमें करीब 400 लोगों के ठहरने की व्यवस्था है। रजाई, गद्दा, कंबल, बेड, पेयजल, प्रकाश और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

ठंड में पाला से बचाव ऐसे करें

कृषि क्षेत्र में पाला और शीतलहर से बचाव के लिए बोर्डो मिश्रण या कॉपर ऑक्सी क्लोराइड का छिड़काव, हल्की–बार–बार सिंचाई, इंटरक्रॉपिंग, जैविक मल्चिंग और विंड ब्रेक तकनीक का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया गया है। युवा पौधों को प्लास्टिक या पुआल से ढककर सुरक्षित रखने की भी सलाह है। पशुपालन क्षेत्र में रात्रि के समय पशु आवास को ढकने, बेहतर आहार एवं वसायुक्त खुराक देने, ठंडे चारे और पानी से बचने तथा गर्भाधान वाले पशुओं के पास सुरक्षित रूप से अलाव रखने की सलाह दी गई है।

नवीन कक्षाओं के निर्माण के लिए किया गया भूमि पूजन

भूमि पूजन करते प्रबंध समिति पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्हागंज

अमृत विचार : स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में दो कक्ष के लिए भूमि पूजन किया गया। शुक्रवार को विद्यालय प्रांगण में छात्र-छात्राओं की मौजूदगी में विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष बालकृष्ण मिश्रा एवं प्रबंधक दल सिंह यादव ने वैदिक मंत्रों एवं रीति रिवाज के साथ हवन पूजन किया। नारियल फोड़कर विद्यालय में दो नवीन कक्षाओं के निर्माण हेतु शिलान्यास किया। श्री मिश्रा ने कहा कि विद्यालय हित एवं छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय प्रबंध समिति वचनबद्ध है। आज दो कक्षों के निर्माण हेतु शिलान्यास किया गया है। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रतिनिधि रामकृष्ण मिश्रा एवं प्रधानाचार्य डॉक्टर वीरपालसिंह, पूर्व प्रबंधक वीरेंद्र पाल सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

एसएसएलसी ने एसडीएस को हराया

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर,

अजीत कुमार को मैन ऑफ द मैच का खिताब देते आयोजक। ● अमृत विचार

- एसडीएस-11 टीम 10.5 ओवर में मात्र 62 रन बनाकर आलऑउट

अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज में चल रही मुमुक्षु क्रिकेट लीग में सातवें दिन का मैच स्वामी धर्मानंद इंटर कॉलेज की टीम एसडीएस-11 तथा विधि महाविद्यालय की टीम एसएसएलसी-11 के मध्य खेला गया। टॉस जीतकर एसडीएस-11 टीम ने पहले बल्लेबाजी की। एसएसएलसी-11 के गेदबाजों के का सामना एडीएस-11 के बल्लेबाज नहीं कर सके और पूरी टीम 10.5 ओवर में 62 रन बनाकर सिमट गई।

एसएसएलसी-11 की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और 6.2 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 65 रन बनाकर जीत अपने नाम की। बेहतरीन गेंदबाज अजीत कुमार को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। डॉ. संदीप और डॉ. अंकित अवस्थी ने कमेंटरी की।

डॉ. कमलेश की प्रोफेसर पद पर हुई नियुक्ति

डॉ. कमलेश को नियुक्ति पत्र देते प्राचार्य।

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एसएस कॉलेज के वाणिज्य विभाग में कार्यरत डॉ कमलेश गौतम कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति के बाद उच्चीकृत करके प्रोफेसर बना दिए गए हैं। डॉ गौतम ने वर्ष 2011 में उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग से चयनित होकर वाईडी कॉलेज, लखीमपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। वर्ष 2025 में प्रोफेसर पद पर प्रोन्नति पाने के लिए शासन को आवेदन किया। विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर पद प्रदान किए जाने की संस्तुति के बाद महाविद्यालय प्रबंध समिति की ओर से प्राचार्य डॉ आरके आजाद ने डॉ० कमलेश गौतम को प्रोफेसर पद पर नियुक्ति का पत्र प्रदान किया।

भाकिमयू का धरना तीसरे दिन समाप्त

संवाददाता निगोही

ब्लॉक प्रांगण निगोही में धरना स्थल पर किसानों से वार्ता करते एडीओ पंचायत।

अमृत विचार : भारतीय किसान मजदूर यूनियन राष्ट्रवादी के तहसील उपाध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा के नेतृत्व में किसानों के पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ब्लॉक प्रांगण निगोही में चलाया जा रहा धरना आज तीसरे दिन समाप्त हो गया।

संगठन के पदाधिकारी पिछले तीन दिनों से महिला के साथ छेड़छाड़ व मारपीट करने की रिपोर्ट बीएनएस में दर्ज करने समेत आवारा गौवंश को पकड़कर गौशालाओं में भिजवाने, गन्ना भुगतान दिलाने, यूरिया खाद उपलब्ध कराने आदि समस्याओं को लेकर धरना दे रहे थे। आज धरना स्थल पर पहुंच कर एडीओ पंचायत निगोही ने आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मैकूलाल यादव, जिलाध्यक्ष दिनेश सिंह यादव,जिला प्रभारी रमाकांत यादव, तहसील अध्यक्ष प्रमोद कुमार वर्मा, राम नरेश वरिष्ठ किसान नेता, तहसील अध्यक्ष सिया राम शर्मा, प्रेमपाल ,चमन, पुष्पेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये नि:शुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

मतदाता गणना प्रपत्र समय से जमा करें बीएलओ

गणना प्रपत्र एकत्र करते बीएलओ।

- 4 दिसंबर अंतिम तिथि, विलंब पर नाम ड्राफ्ट सूची से छूट सकता है

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान चल रहा है, जिसके तहत बूथ लेवल अधिकारी मतदाताओं से भरे हुए गणना प्रपत्र एकत्र कर उनके डिजिटाइजेशन का कार्य कर रहे हैं। डीईओ ने बताया कि गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर निर्धारित है और अब बहुत कम समय शेष है, इसलिए सभी मतदाता अपना प्रपत्र संबंधित बीएलओ को समय से जमा करें। जिलाधिकारी ने कहा कि अंतिम तिथि तक ही जमा किए गए प्रपत्रों के आधार पर मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट रोल में शामिल होंगे। निर्धारित समय तक प्रपत्र न लौटाने वाले मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट सूची में शामिल नहीं हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि समय से प्रपत्र जमा करें।

खेल प्रतियोगिता में छिकड़ापुर का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता, तिलहर

विजेता खिलाड़ियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

गुब्बारा उड़ाकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ करते अतिथि।

- बच्चों ने दिखाया हुनर, अतिथियों ने किया पुरस्कृत
- न्याय पंचायत लखोहा बना ओवर आल चैंपियन

अमृत विचार : 39 वी ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता दि रेनेसां एकेडमी तिलहर में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी एसपी बमनिया, विशिष्ट अतिथि जिला युवा क्षेत्रीय कल्याण अधिकारी शुभम सिंह, प्रभारी डाइट प्राचार्य बी. एल. मौर्य ने खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ आकाश में रंगीन गुब्बारे उडाकर किया। नोडल शिक्षक संकुल न्याय पंचायत लखोहा अमर बहादुर ने स्वागत गान किया।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में ओवर आल चैंपियन न्याय पंचायत लखोहा एवं कंपोजिट विद्यालय छिकडापुर रहा। पूरे ब्लॉक में सबसे अधिक मैडल जीतने वाला कंपोजिट विद्यालय छिकडापुर के बच्चों का प्रदर्शन शानदार रहा। प्राथमिक स्तर पर विजेता बालक वर्ग इस प्रकार रहे। प्रतियोगिता में दौड़ प्रतियोगिता, लंबीकूद, ऊंची कूद और कबड्डी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छिकड़ापुर, उस्मानपुर, नवादा, लालपुर, लखोहा, मोहनपुर, समेत कई गांवों के स्कूलों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य दि रेनेसां एकेडमी तिलहर, संगीता, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक बृज मोहन सिंह यादव, समस्त एपीआरसी समस्त शिक्षक संकुल व अध्यापक उपस्थित रहे।

हाई टी विद डीएम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

कार्यक्रम में सम्मानित होते बीएलओ।

- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को दिया गया प्रशस्ति पत्र

अमृत विचार: जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित करने हेतु अपने आवास पर 'बीएलओ संग हाई टी विद डीएम' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में उन बीएलओ को बुलाया गया जिन्होंने शत-प्रतिशत कार्य पूरा किया है।

डीएम आवास पर आयोजित 'सेल्फी विद टी' कार्यक्रम के दौरान सभी चयनित बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि 30 नवंबर तक 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ में से 20 का चयन एक दिसंबर को लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

उड़ान एक उम्मीद संस्था ने टीबी मरीजों को बांटी पोषण पोटली

शाहजहांपुर, अमृत विचार: उड़ान एक उम्मीद संस्था ने विहास डेवलपमेंट सोसाइटी के साथ मिलकर अपने गोद लिए हुए 20 टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की। संस्था ने यह अभियान पिछले वर्ष शुरू किया था। प्रारंभ में भावलखेड़ा सामुदायिक केंद्र पहुंचकर 10 मरीजों को गोद लिया गया था। मरीजों को दवाई सरकार द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है, जबकि पोषण पोटली संस्था की ओर से दी जाती है। छह माह की अवधि पूरी होने के बाद संस्था द्वारा दूसरे 10 मरीजों को गोद लिया गया और इसी क्रम में पोषण पोटली वितरण का कार्य निरंतर जारी है।

रीना जिलाध्यक्ष, नीलम बनीं महामंत्री

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

मनोनीत महिला पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत करते जिलाध्यक्ष।

अमृत विचार : उप्र उद्योग व्यापार संगठन की महिला इकाई का गठन किया गया। जिसमें रीना शर्मा को जिलाध्यक्ष, नीलम हांडा को जिला महामंत्री, शालू अरोडा को जिला प्रभारी, शमीला को जिला कोषाध्यक्ष, पूजा मिश्रा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। संगठन की गठन मुहिम के तहत संगठन के जिलाध्यक्ष जसविन्दर सिंह की अगुवाई में जिला महामंत्री अनूप राना, जिला प्रभारी सईद खां, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जहीर खां आदि की उपस्थिति में जिला महिला इकाई का गठन किया गया। कचहरी रोड स्थित कार्यालय पर हुई बैठक में जसविन्दर सिंह ने बताया कि रीना शर्मा दूसरा संगठन छोडकर हमारे संगठन में 35 महिलाओं के साथ शामिल हुई और सदस्यता ग्रहण की। नवमनोनीत महिला पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। महिला पदाधिकारियों ने कहा कि वह संगठन में अन्य महिलाओं को शामिल कराकर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगी। इस अवसर पर कवलजीत बन्टी, मुकेश श्रीवास्तव, राजू कुमरा, आबिद, अभिषेक राठौर, काशिफ, त्रिलोक सिंह, शिवराज सिंह, राजीव सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में लगे रक्तदान शिविर में प्रमाण पत्रों के साथ मौजूद रक्तदाता। ● अमृत विचार

- एचडीएफसी बैंक के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने किया रक्तदान
- मुख्य अतिथि डॉ. केवी थिम्बाराजू ने किया शुभारंभ, रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में 28 नवंबर को एक भव्य रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर रोहिलखंड हॉस्पिटल, एचडीएफसी बैंक–टाउन हॉल शाखा और मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में हुआ, जिसमें बैंक कर्मचारियों, चिकित्सकों, छात्रों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मेडिकल कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. केवी थिम्बाराजू तथा एचडीएफसी बैंक–टाउन हॉल तिलहर के ब्रांच मैनेजर श्याम एस. शुक्ला द्वारा फीता काटकर किया गया। आयोजन का संयोजन उप–चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह, ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. अश्विनी कुमार और प्रशासनिक अधिकारी ललित चौहान ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. थिम्बाराजू ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है और यह किसी भी जरूरतमंद के जीवन को बचाने का माध्यम बनता है। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पंडित श्यामा राव पवार ने कहा कि रक्तदान शिविर समाज और चिकित्सा संस्थान के बीच एक मजबूत कड़ी का काम करते हैं। इसी क्रम में उप–चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने रक्तदान को मानव सेवा का सर्वोच्च कार्य बताया। शिविर की विशेषता यह रही कि एचडीएफसी बैंक के कई कर्मचारियों ने आगे बढ़कर रक्तदान किया और युवाओं को भी प्रेरित किया। एमबीबीएस एवं नर्सिंग छात्र–छात्राओं सहित अनेक युवाओं ने भी बड़ी संख्या में रक्तदान कर समाजसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. थिम्बाराजू ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, बैंक प्रतिनिधियों, स्टाफ और छात्रों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान को जीवन की नियमित आदत बनाना समाज के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. राजा चटर्जी, प्रशासनिक अधिकारी ललित कुमार चौहान, डिप्टी नर्सिंग सुपरिटेंडेंट पुंजिका शुक्ला, क्वालिटी ऑफिसर डॉ. शिवानी गुप्ता, एचडीएफसी बैंक से स्वाती सक्सेना, सुधीर उपाध्याय, आशीष तिवारी, ऐश्वर्य अवस्थी, दीपांशु मिश्रा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और डॉक्टर मौजूद रहे। ब्लड बैंक टीम, नर्सिंग स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने शिविर को सफल बनाया।

हवा में डीएम के निर्देश, मंडी पर बिचौलियों की हुकूमत

गुरुवार को धान बेचने को लेकर मंडी में हुआ था विवाद, शुक्रवार को एसडीएम ने जानी हकीकत

संवाददाता, बंडा

- जांच को पहुंची एसडीएम ने देखी अव्यवस्थाएं, दिए एफआईआर कराने के निर्देश
- धान बेचने को कतारों में कई दिनों से लग रहे किसान, अधिकारी और जनप्रतिनिधि बने अंजान

अमृत विचार : बंडा उपमंडी में डीएम के आदेश हवा हवाई हो गए हैं। ये वजह है कि यहां बिचौलियों का राज कायम है। स्थिति ये है कि यहां धान लेकर कई दिन से किसान कतारों में लगे हैं, लेकिन उनकी तौल नहीं हो पा रही है। जबकि बिचौलियों की ट्रालियां धड़ाधड़ मंडी में प्रवेश कर रही हैं और उनकी तौल भी हो रही है। मंडी गेट पर किसान अपना धान लेकर कई दिनों से खड़े हैं। शुक्रवार को जानकारी होने पर एसडीएम चित्रा निर्वाल मंडी पहुंची और उन्होंने बिचौलियों को चिन्हित कर रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

धान बेचने के लिए मंडी पहुंचे किसानों ने कहा कि यहां बिचौलियों के सामने अधिकारियों के आदेश भी हवा हो रहे हैं। बात जब जिले के आलाधिकारियों तक पहुंची तो उन्होंने शुक्रवार को एसडीएम चित्रा निर्वाल को मंडी भेजा। जांच को पहुंची एसडीएम ने मंडी सचिव को निर्देशित किया कि यदि कोई बिचौलिया धान बेचने आता है तो उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराएं और किसानों के धान की तौल कराएं।

एसडीएम ने कहा कि बाहर से आईं ट्रालियों को दस्तावेज देखकर मंडी के अंदर प्रवेश करने दें। किसानों ने कहा कि यदि उनकी समस्याओं पर ध्यान न दिया तो आंदोलन होगा।

बंडा उपमंडी में निरीक्षण करतीं एसडीएम चित्रा निर्वाल। • अमृत विचार

कई दिन से लाइन में लगे हैं किसान, कोई नहीं दे रहा ध्यान

बंडा उप मंडी में धान की बिक्री करने लाए सैदापुर के भगवानदीन, बरगदा के राजीव सिंह और पवन सिंह सहित कई किसानों ने बताया कि उनकी ट्रालियां कई दिनों से लाइन में खड़ी हैं, लेकिन बिचौलियों की ट्रालियां अंदर जा रही हैं। किसानों ने इसे खुली मनमानी बताया। कहा कि किसानों को परेशान किया जा रहा है। इसकी जानकारी जिले के उच्चाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को भी है, लेकिन किसानों के हित की बात आने पर सब चुप हो जाते हैं। किसानों ने मांग की है कि उनके धान की तौल की जाए। यहां गांव सैदापुर निवासी भगवानदीन ने बताया कि चार दिन से मंडी गेट पर ट्राली खड़ी है और करीब 40 क्विंटल धान है लेकिन बिचौलियों के धान की तौल करवाई जा रही है और उनकी ट्रालियां भी मंडी के अंदर जा रही हैं ।

मंडी सचिव ने कहा कि नहीं आते हैं बिचौलिये

मंडी सचिव सर्वेश शुक्ला ने बताया कि धान बेचने के लिए बिचौलियो नहीं आ रहे हैं। मंडी के अंदर एसडीएम के निर्देश पर ही ट्रालियों को प्रवेश दिया जा रहा है। उन पर लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं। उन्होंने बताया कि मंडी में बिचौलिये धान बेचने के लिए नहीं आते हैं। उधर एसडीएम ने बिचौलियों पर कार्रवाई के निर्देश सचिव को दिए हैं। एसडीएम चित्रा निर्वाल ने कहा कि बिचौलियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मेरा 200 क्विंटल धान है और 22 नवंबर से लाइन में लगे हैं, लेकिन अब तक मेरी ट्राली मंडी के अंदर नहीं पहुंच पाई है। किसानों को दिक्कत है।

– **राजीव सिंह,** निवासी ग्राम बरगदा

मेरा करीब 50 क्विंटल धान है और मंडी गेट के बाहर ट्रॉली खड़ी है। व्यवस्थाओं के नाम पर मंडी में सिर्फ दिखावा है।

– **रमेश कुमार,** निवासी ग्राम पड़री किशनपुर

न्यूज ब्रीफ

आरसीएल कंपनी का सामान चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पलिया शाहजहांपुर हरदोई लखनऊ (पीएसएचएल) मार्ग का निर्माण कर रही कार्यदायी संस्था आरसीएल का गांव दनियापुर के पास रखा 40 हजार रुपये का सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। ठेकेदार की ओर से तहरीर पुलिस को दी गई है। लखीमपुर खीरी निवासी ठेकेदार मनोज कुमार ने बताया गांव दनियापुर के पास चैनिज नंबर 106 पर खन्नौत नदी के किनारे निर्माण सामग्री रखी हुई है। अज्ञात व्यक्तियों ने यहां से शटरिंग के करीब 40 हजार रुपये के 30 हुक चोरी कर लिए। इसके अलावा आए दिन चोरी की छिटपुट घटनाएं होती रहती हैं। जिसके चलते निर्माण कार्य प्रभावित होता है। इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

आरोपियों को फांसी दिलाने की मांग

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नई बस्ती तिलहर के समाजसेवियों और सभासदों ने लालकिले में हुए बम विस्फोट के आरोपियों को फांसी की सजा दिलाए जाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन पर वार्ड 22 नई बस्ती के सभासद सुमित गुप्ता, उमरपुर के सभासद संदीप रस्तोगी, एडवोकेट पदर सिंह, समाजसेवी कौशल कुमार गुप्ता और तिलहर के अन्य कई निवासियों के हस्ताक्षर किए गए हैं। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने मांग की है कि दोषियों को फांसी की सजा देकर न्याय सुनिश्चित किया जाए।

रामपुर में बदायूं के युवक की मौत

रामपुर, अमृत विचार : टांडा में हुए सड़क हादसे में बदायूं निवासी युवक की मौत हो गई। जबकि उसका साला घायल हो गया। दोनों एसआईआर फार्म भरने आए थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के हवाले कर दिया है। जिला बदायूं के अशफपुर फकबली निवासी राकेश (45) की शादी कुछ साल पहले टांडा में हुई थी। उसके बाद जीजा-साले दोनों दिल्ली में रेडी लगाकर सामान बेचते थे। गुरुवार को जीजा साले दोनों एसआईआर का फॉर्म भरने के लिए आए थे। राकेश फॉर्म भरने के बाद गुरुवार शाम को साले के साथ ससुराल जा रहे थे कि अनवा गांव के पास ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे राकेश की मौत हो गई। मौत के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के हवाले कर दिया।

आज से होगा विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन

शाहजहांपुर। जिला युवा कल्याण अधिकारी के अनुसार विधायक खेल स्पर्धा वर्ष 2025–26 का आयोजन 29 व 30 नवंबर को हॉकी क्लब मैदान में होगा। 29 नवंबर को दोपहर 12 बजे वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना स्पर्धा का शुभारंभ करेंगे। शाहजहांपुर विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ी युवा पोर्टल पर पंजीकरण कर प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकते हैं, जबकि पहले से पंजीकृत खिलाड़ियों को पुनः पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। पहले दिन एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, जूडो और कुश्ती की स्पर्धाएँ, जबकि दूसरे दिन कबड्डी, फुटबॉल, भारत्तोलन और बैडमिंटन की प्रतियोगिताएँ महिला, पुरुष, सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग में संपन्न कराई जाएंगी। अधिकारी ने खिलाड़ियों से अधिक भागीदारी की अपील की है।

आधार संशोधन को लेकर उमड़ी भीड़, पुलिस ने संभाला मोर्चा

संवाददाता, सहसवान

अमृत विचार : बाजार विल्सन गंज स्थित पोस्ट ऑफिस (डाकघर) में शुक्रवार को आधार कार्ड संशोधन और अपडेट कराने का काम लोगों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया।आधार संबंधी कार्य के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग पोस्ट ऑफिस के बाहर जमा हो गए, जिसके कारण अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने लोगों को लाइन में लगा कर शांत किया।

आधार कार्ड में नाम, पता, जन्मतिथि या अन्य विवरण अपडेट कराने आए लोगों का आरोप है कि भारी भीड़ के कारण उनका काम नहीं हो पा रहा है। कतार में लगने के बावजूद घंटों तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे वे परेशान हैं। कई लोग तो कई दिनों से चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनका नंबर नहीं आ पा रहा है।

स्थिति संभालने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया। धक्का-मुक्की की स्थिति को देखते हुए, पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा । पोस्ट ऑफिस परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। डाकघर में आधार संशोधन के लिए सीमित काउंटर और कर्मचारी होने के कारण भीड़ को संभालना मुश्किल हो रहा है। कई डाकघरों में टोकन सिस्टम लागू किया गया है, जिसके तहत प्रतिदिन केवल सीमित संख्या में ही आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। इससे बाकी लोगों को मायूस होकर अगले दिन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। प्रशासन को इस समस्या पर ध्यान देने और आधार संशोधन की प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए उचित कदम उठाने की आवश्यकता है, सहसवान में मात्र एक ही जगह पोस्ट ऑफिस में आधार कार्ड बनाने संशोधन करने का कार्य चल रहा है जबकि सहसवान जिले की सबसे बड़ी विधानसभा होने के बाद भी मात्र एक ही जगह काम हो रहा है जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आधार संशोधन कराने को उमड़ी भीड़। • अमृत विचार

वक्फ संपत्ति का पंजीकरण कराना अनिवार्य

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 5 दिसंबर तक पंजीकरण न कराने पर लगेगा जुर्माना
- जिले की 2586 वक्फ़ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन जरूरी

अमृत विचार : वक्फ संपत्तियों का रिकार्ड रखने के लिए केंद्र सरकार की ओर से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 5 दिसंबर है। इस तिथि तक पंजीकरण न कराने पर जुर्माना लगाया जाएगा। इस संबंध में सज्जादा नशीन इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने नगर के मुतवल्लियों और इमामों के साथ बैठक कर उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण की अनिवार्यता पर विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जिले में कुल 2586 वक्फ संपत्तियां दर्ज हैं, जिनमें मस्जिद, कर्बला, इमामबाड़ा, ईदगाह, दरगाह, कब्रिस्तान, मदरसा तथा वक्फ़ बराए गुरबा मसाकीन आदि शामिल हैं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, साबिर कलियर सहित कई प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए भी संपत्तियां वक्फ बोर्ड में दर्ज हैं, लेकिन अधिकांश स्थानों पर असल मुतवल्ली को यह जानकारी ही नहीं है कि संपत्ति उन्हीं के नाम पर है। कई मामलों में मुतवल्ली का निधन हो चुका है और बोर्ड के रिकॉर्ड में उनका नाम ही जारी है, जिससे उम्मीद पोर्टल पर अद्यतन पंजीकरण चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। इकबाल हुसैन ने अपील की कि जनपद के सभी मुतवल्ली- विशेषकर कब्रिस्तान, मस्जिद, कर्बला, इमामबाड़ा, ईदगाह और दरगाह से जुड़े जिम्मेदार समय सीमा से पहले उम्मीद पोर्टल पर अपनी संपत्तियों का पंजीकरण अवश्य कराएं। उन्होंने बताया कि जानकारी और सहायता हेतु कई हेल्प सेंटर स्थापित किए गए हैं कोरोकुईया में हाफिज़ इब्ने अली, तिलहर में इमरान अख्तर एडवोकेट और सैय्यद मतलूब अली, तथा मदरसा नूरुल हुदा बिजलीपूरा में भी सहायता केंद्र संचालित है। उन्होंने कहा कि समय पर पंजीकरण न कराने पर सरकार द्वारा जुर्माना लगाया जाएगा, इसलिए सभी लोग निर्धारित तिथि के भीतर कार्य पूरा करें। बैठक में सुहेल मियां, आसिफ़ फरीदी, फिरोज़ खान, याद अली, शरीफ कुरैशी, इनमुर्रहमान, मतलूब अली, इज़हार बेग, हसन बेग सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां। • अमृत विचार

रैली निकालकर किया जागरूक

संवाददाता, सहसवान

अमृत विचार : एक दिसंबर" से शुरू हो रही बिजली बिल राहत योजना को लेकर शुक्रवार को विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारियों ने कस्बे में प्रचार रैली निकाली। एसडीओ विपिन कुमार गुप्ता ने प्रचार रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शुक्रवार को विद्युत वितरण खंड परिसर से एसडीओ विपिन कुमार गुप्त ने विभिन्न टीम को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि इस योजना में विद्युत बकायेदारों को ब्याज में 100 प्रतिशत और मूल बिल में 25 फीसदी की छूट दी जा रही है। उन्होंने स्वयं लोगों से संपर्क करते हुए कहा 1 दिसंबर से शुरू हो रही विद्युत बिल समाधान योजना अब तक की सबसे बेहतर योजना है। यह पहला मौका है जब मूल बिल में छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस बार विद्युत चोरी के मामले में जुर्माना राशि में 50 प्रतिशत छूट की व्यवस्था है। इस मौके पर जेई हरिशंकर, मुबारक अली, अजीम हुसैन, सुनील बाबू, ललित गौतम, फैजान, शिवेंद्र, चांद मियां, महेंद्र पाल, अमित कुमार, राकेश, जियाउर रहमान, जितेंद्र यादव, छोटेलाल, मुनेंद्र पाल, मोहम्मद तारिक, संजय, छेद प्रकाश, गौतम समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

प्रचार रैली निकालते विद्युत कर्मचारी। • अमृत विचार

आईएएस अफसर पर कार्रवाई की मांग

बदायूं, अमृत विचार : अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की बैठक नई तहसील कॉलोनी बिसौली में आचार्य ब्रह्मेन्द्र मिश्र शास्त्री की अध्यक्षता में हुई। संचालन राजकुमार शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि मुख्य वक्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष कवि माधव मिश्र ने कहा कि आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के विवादास्पद बयान के लिए भारत सरकार से बर्खास्तगी की मांग करते हैं। सरकारी नौकरी के कारण आईएएस अधिकारी ने नियम का उल्लंघन किया है। पीयूष पराशरी, प्रवेश पाठक ने विचार रखे। इस मौके पर शर्मा, ओमवीर शर्मा, अरविन्द शर्मा ने विचार व्यक्त किए। बैठक में टिंकू शर्मा, आदि रहे।

निर्देश | डीएम का आदेश, चीनी मिलों के साथ बरती जाए सख्ती

ओवरलोडिंग वाहनों पर कार्रवाई के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : कोहरे में गन्ना ढुलाई करने वाले वाहनों पर रिफ्लेक्टर व लाल कपड़ा लगा होना अनिवार्य है। यदि गन्ना लदे वाहनों पर रिफ्लेक्टर नहीं होगा तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही गन्ना लदे वाहनों के ओवरलोडिंग होने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में गन्ना विभाग व चीनी मिल के अधिकारियों की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में गन्ना विभाग को निर्देशित किया गया कि कोहरे के समय गन्ना लदे वाहन अक्सर दुर्घटना का कारण बनते हैं, इसलिए गन्ना ढुलाई करने वाले वालों में रिफ्लेक्टर व लाल कपड़ा बंधा होना अनिवार्य है। जिससे किसी तरह हादसे की आशंका न रहे। निर्देशित किया गया कि गन्ना ढोने वाले वाहनों को एक मानक के अनुसार ही गन्ना लोड करना होगा। यदि कहीं ओवरलोडिंग की शिकायत मिलती है तो त्वरित कार्रवाई की जाएगी। बैठक में परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वाहन चेकिंग करते समय ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करें।

यातायात निरीक्षक एवं गन्ना खरीद करने वाली सभी चीनी मिलों के समस्त ट्रांसपोर्टरों को यातायात नियमों का पालन कराने को निर्देशित किया गया। जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बताया कि जिले में विभिन्न चीनी मिलों द्वारा संचालित क्रय केंद्रों पर गन्ना ढुलाई करने वाले 178 वाहनों में से 131 वाहनों पर रिफ्लेक्टर, टेप, पट्टी लगाई जा चुकी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारा सभी वाहनों पर निर्धारित मानक के अनुरूप रिफ्लेक्टर टेप लगाने व लाल कपड़े को वाहन के पीछे लगाने के निर्देश दिए गए। बैठक में सभी चीनी मिलों के अधिकारियों प्रतिनिधियों को चीनी मिलों में रिफ्लेक्टर व टैप रखने तथा किसी भी स्थिति में ओवरलोडिंग न करने देने के निर्देश दिए गए। एडीएम प्रशासन अरुण कुमार द्वारा चीनी मिल बिसौली को पिछले गन्ना पेराई सत्र का गन्ना मूल्य भुगतान जल्द कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक करते अधिकारी। • अमृत विचार

घटतौली की शिकायत पर होगी कार्रवाई

जिला गन्ना अधिकारी अशर्फी लाल ने बताया कि वह नियमित सभी गन्ना क्रय केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। कहीं भी घटतौली नहीं करने दी जा रही है। किसानों से साफ कहा गया है कि किसी तरह की गन्ना उतराई व अन्य किसी तरह का चार्ज किसी क्रय केंद्र पर न दें। यदि इस तरह की कहीं से भी शिकायत मिलेगी तो क्रय केंद्र प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसकी जानकारी सभी क्रय केंद्र संचालकों को दी जा चुकी है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 29 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ट्रक की टक्कर से महिला की मौत

बदायूं, अमृत विचार : मूसाझाग थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई जबकि उनका भतीजा घायल हो गया। गांव जगुआसेई निवासी कुसुमा (28) पत्नी रूम सिंह भतीजे मनोज के साथ बाइक से बैंक जा रही थी। रास्ते में गांव भैरो नगला के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। कुसुमा सड़क पर दूर जा गिरीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने कुसुमा को मृत घोषित कर दिया। मनोज को भर्ती किया गया है।

बैलगाड़ी की टक्कर से बाइक सवार की मौत

बदायूं, अमृत विचार : बदायूं - संभल सीमा पर थाना जरीफनगर क्षेत्र में बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर बाइक और बैलगाड़ी की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार शेखूपुरा निवासी लोकश की मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी नन्हीं व दो साल का बेटा घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि युवक का हेलमेट टूट गया। पुलिस घायलों को दहगवां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया जबकि मृतक की पत्नी व बेटे को भर्ती किया गया है। महिला और उसके बच्चे की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि वह तीनों सिकंदराबाद से लौट रहे थे।

दहेज हत्या में पति समेत तीन को भेजा जेल

बिल्सी, अमृत विचार : बिल्सी कोतवाली क्षेत्र के गांव फकीराबाद में 22 नवंबर को एक महिला की मौत हो गई थी। महिला के पिता की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। शुक्रवार को पुलिस ने पति समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार जेल भेजा है। सीओ संजीव कुमार सिंह ने बताया कि बरेली जिले के थाना भमौरा क्षेत्र के ग्राम रम्पुरा बुजुर्ग निवासी महेश साहू ने अपनी पुत्री शिखा की मौत के बाद फकीराबाद निवासी दामाद पुष्पेंद्र साहू समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। शुक्रवार को पुलिस ने बिल्सी नगर के बदायूं बस स्टैंड के पास पति पुष्पेंद्र, सास जसोदा और ससुर ब्रजेश साहू को गिरफ्तार कर लिया। जिन्हे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया।

रोडवेज को नहीं मिल रही शादी की बुकिंग

परिवहन निगम ने बस बुकिंग के लिए कम किया समय, रुपये किए निर्धारित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: शादी समारोह का सीजन चल रहा है। परिवहन विभाग ने अपनी आय में वृद्धि करने के लिए रोडवेज बसों की बुकिंग करने के लिए समय की बाध्यता को समाप्त कर दिया है। साथ ही किराया भी निर्धारित कर दिया है। लेकिन प्रचार प्रसार के अभाव में रोडवेज बसों की बुकिंग नहीं हो रही हैं। रोडवेज निगम के अधिकारियों का कहना है कि चुनाव प्रचार प्रसार या फिर पुलिस बल को लाने ले जाने के लिए रोडवेज बसों की बुकिंग तो होती है। लेकिन शादी समारोह या फिर पिकनिक के लिए पिछले कई सालों से एक भी बुकिंग नहीं मिली।

90 के दशक से पूर्व लग्जरी गाड़ियां नहीं थीं। निजी बसें भी गिनी चुनी होती थी। इसके चलते लोग लोग शादी समारोह, पिकनिक आदि पर ले जाने के लिए लोग रोडवेज की बुकिंग किया करते थे। शादी समारोह आदि पर रोडवेज बसों की बुकिंग होने के चलते परिवहन

- कई साल से रोडवेज परिवहन विभाग की एक भी बस नहीं हो सकी है बुक

निगम द्वारा किराया निर्धारित कर रखा है। अगर किसी को शादी समारोह या फिर पिकनिक आदि पर रोडवेज बस को ले जाने के लिए एक माह पहले बुकिंग करानी होती थी। बुकिंग में अधिक समय लग जाने की वजह से लोग रोडवेज बसों की बुकिंग कराने से दूरी बनाने लगे। लंबे समय से शादी समारोह या फिर पिकनिक पर ले जाने के लिए एक भी रोडवेज की बस बुकिंग नहीं हुई है। ऐसी स्थिति होने पर परिवहन निगम की ओर से इस प्रक्रिया में बदलाव किया है। परिवहन निगम ने 400 किलोमीटर और 24 घंटे तक के लिए रोडवेज बस की बुकिंग का किराया लगभग 27,808 रुपये निर्धारित कर दिया है। यह किराया निजी बसों की तुलना में यह किराया काफी कम है। बस बुक करवाने के लिए संबंधित डिपो के एआरएम कार्यालय में आवेदन देना होगा। शादी के लिए बस चाहिए तो आवेदन के साथ विवाह कार्ड भी अनिवार्य रूप से लगाना होगा। दूरी चाहे कम हो या अधिक किराया न्यूनतम 400 किलोमीटर के आधार पर ही लिया जाएगा। यदि बस 400 किलोमीटर से अधिक चलती है, तो किराया उसी के अनुरूप बढ़ जाएगा। लेकिन प्रचार प्रसार के अभाव में कोई भी व्यक्ति रोडवेज बसों की बुकिंग नहीं करा रहा है।

किराया अधिक होने से नहीं होती बुकिंग

इन दिनों शादियों का सीजन है। निजी वाहनों की तरह बरात या पिकनिक के लिए रोडवेज बसों को भी बुकिंग कर सकते हैं। इसके लिए परिवहन निगम की ओर से किराया भी निर्धारित है। परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि चुनाव के लिए बसों को बतौर बुकिंग भेजा जाता है। पिछले कई साल से शादी- विवाह, पिकनिक या निजी कार्यक्रम के लिए रोडवेज बसों की बुकिंग नहीं हुई है। परिवहन निगम द्वारा चार किलोमीटर तक का किराया निर्धारित कर रखा है। इससे अधिक दूरी तक बस संचालन होने के कारण किराया अधिक हो जाता है। इस कारण लोग रोडवेज बसों की बुकिंग नहीं कराते।

> परिवहन निगम ने रोडवेज बसों की बुकिंग के लिए समय की बाध्यता समाप्त कर दी है। किराया भी काफी कम कर दिया है। चार सौ किलोमीटर तक का किराया करीब 28 हजार रुपये है। लेकिन कम दूरी तक ही आजकल शादी समारोह के लिए लोग निजी बसों को ही बुक कराते हैं। पिछले कई सालों से किसी भी व्यक्ति ने निजी तौर पर बस बुकिंग नहीं की है।
>
> **-राजेश पाठक**, एआरएम

स्पोर्ट्स मीट के फाइनल डे में बच्चों ने दिखाया दमखम

बिल्सी, अमृत विचार : बदायूं रोड स्थित फ्यूचर लीडर्स स्कूल के प्राइमरी विंग में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का अंतिम दिवस जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि किशन शर्मा, राजन मेंहदीरत्ता और डॉ. राजीव कुमार सिंह ने रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। 200 मीटर हर्डल रेस में बच्चों ने बेहतरीन संतुलन और गति का प्रदर्शन कर दर्शकों की वाहवाही लूटी। रस्साकशी प्रतियोगिता में टीमों ने जोरदार मुकाबले से मैदान में रोमांच भर दिया।

हर्डल रेस में हर्षित, शहजिल, संध्या, संजय, केशव, मनीष, संगीता और मुस्कान विजेता रहे। अतिथियों ने कहा कि खेल बच्चों के आत्मविश्वास और सर्वांगीण विकास का आधार हैं। विद्यालय डायरेक्टर वीपी सिंह और एमडी राहुल कुमार सिंह ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि ऐसे आयोजन प्रतियोगी भावना और सीख को मजबूत करते हैं। प्रधानाचार्य और खेल शिक्षक दीपक शर्मा ने बच्चों की ऊर्जा और प्रदर्शन की सराहना की। इस मौके पर सीके शर्मा, परमेंद्र सिंह, केशव शर्मा, राखी गुप्तान सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

सपा नेता ने एसआईआर के प्रति किया जागरूक

लोगों को एसआईआर प्रक्रिया से जागरूक करते सपा नेता। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र गांव वैन में शुक्रवार को वरिष्ठ सपा नेता सर्वेश यादव ने अपने आवास पर एक शिविर लगाकर गांव के लोगों को एसआईआर प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया। उन्होंने ग्रामीणों के गणना प्रपत्रों की स्वयं जांच की और कई लोगों के प्रपत्र मौके पर ही भरवाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा भेजे गए गणना प्रपत्र मतदाता पहचान सूची के अध्ययन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए जिन भी परिवारों के घर प्रपत्र पहुंच गए हैं, वे उन्हें शीघ्रता से भरकर अपने-अपने बीएलओ के पास जमा कर दे, ताकि उनका नाम मतदाता पात्रता सूची में निश्चित रूप से शामिल हो सके। उन्होंने बताया कि पार्टी के मुखिया ने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिए है। सभी मतदाताओं के गणना प्रपत्र समय से जमा न होने पर कई बार मतदाता सूची से छूट जाते हैं, जिससे मतदान के समय उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस अभियान को गंभीरता से लें और अपने परिवार के सभी सदस्यों का विवरण सही-सही भरकर जमा करें।

- अपने प्रपत्र भरकर बीएलओ के पास शीघ्र जमा करें

पोस्टर स्पर्धा में अंशिका और खुशनुमा प्रथम

प्रतियोगिता के बाद पोस्टर दिखाती छात्राएं। ● अमृत विचार

बदायूं, अमृत विचार : राजकीय महिला महाविद्यालय में गृह विज्ञान प्रभारी डॉ. भावना सिंह के निर्देशन में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक सही पोषण, देश रोशन रखा गया था। छात्राओं में सुंदर व आकर्षक पोस्टर बनाकर संदेश दिया। पोस्टर के माध्यम से छात्राओं ने सही पोषण के महत्व को दर्शाते हुए अपने आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को सम्मिलित करने का संदेश दिया।

- पोस्टर के माध्यम से छात्राओं ने सही पोषण के महत्व को दर्शाया

प्रतियोगिता में मुस्कान, फारिया सलीम, शाजिया अख्तर, नेहा सहित 38 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंशिका व खुशनुमा ने संयुक्त रूप से पहला, तैबा ने दूसरा और सुमैरा रहमान ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल के रूप में अर्चना पांडेय, डॉ. बृजेश कुमार, डॉ. ऋषभ भारद्वाज रहे।

जिले के सभी ब्लॉक क्षेत्रों में चलेगा पोलियो अभियान

बदायूं, अमृत विचार : शासन के निर्देश पर एक दिसंबर से पल्स पोलियो अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान सभी 15 ब्लॉक क्षेत्रों में एक साथ शुरू होगा, जिससे किसी गांव का एक भी बच्चा न छूटे। दूर दराज के गांवों में ईंट भट्ठों पर काम करने वाले मजदूरों के परिवारों तक स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंचेगी।

पोलियो अभियान शुरू करने को इस बार शासन स्तर से नई गाइडलाइन तैयार की गई है जिसके तहत जिले के सभी गांवों तक एक साथ स्वास्थ्य विभाग की टीमें पहुंचेगी। मुख्य रूप से ईंट भट्ठों पर काम करने वाले मजदूरों के परिवारों तक टीम का पहुंचना जरूरी होगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सभी 15 टीमों की निगरानी की जाएगी जिससे कहीं पर भी किसी स्तर पर लापरवाही सामने न आए। पल्स पोलियो अभियान के लिए सीएमओ कार्यालय में बैठक कर रणनीति तैयार की गई है।

बाल विवाह के नुकसान बताए

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बाल विवाह मुक्त देश व प्रदेश बनाने के संकल्प के साथ काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान स्कूलों कॉलेजों में जागरुकता अभियान चला रहा है। छात्राओं महिलाओं को बाल विवाह से होने वाले नुकसान हानि से अवगत करा रहा है।

बाल विवाह प्रथा को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से उत्साहित संस्थान का कहना है कि जनपद को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया जा रहा है। स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि बच्चों के खिलाफ सदियों पुराने अपराध का अंत किया जा सके। शुक्रवार को शहर के एक विद्यालय में बाल विवाह के खिलाफ अभियान चलाकर छात्राओं को जागरूक किया गया। संस्था सचिव मीना सिंह ने कहा कि बाल विवाह एक अपराध है। सभी को इसके खिलाफ एकजुट होना होगा। गंगा सिंह ने कहा कि अभियान प्रतिदिन स्कूलों कॉलेजों में चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बाल हिंसा और अन्य बाल अपराधों की जानकारी दी गयी।

कॉलेज में बाल विवाह के खिलाफ जागरुकता रैली निकालते बच्चे। ● अमृत विचार

- बाल विवाह मुक्त देश व प्रदेश बनाने को काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान चला रहा अभियान

बीमा कंपनी को रुपये देने का दिया आदेश

बदायूं, अमृत विचार : मोहल्ला जवाहरपुरी निवासी विमलेश ने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बीमा कंपनी के खिलाफ शिकायत की थी। उसने बाइक का दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी से बीमा कराया था, जो 31 जुलाई 2017 से 30 जुलाई 2018 तक वैध था। बाइक 16 अगस्त 2017 को जिला अस्पताल से चोरी हो गई। दो दिन बाद उनके पति ने रिपोर्ट दर्ज कराई। बीमा कंपनी को सूचना दी। बीमा अभिकर्ता को वाहन के कागजात उपलब्ध कराकर क्लेम मांगा जो नहीं दिया गया। जिसके चलते उन्हें 50 हजार रुपये की आर्थिक क्षति और 25 हजार रुपये की मानसिक क्षति हुई है।लोक अदालत के अध्यक्ष इश्तियाक अली, सदस्य स्वदेश कुमारी व राकेश कुमार रस्तोगी ने दोनों पक्षों को सुना। कंपनी को आदेशित किया है कि वह दो महीने के भीतर बीमा की धनराशि दें।

पावर प्ले पैंथर टीम ने जीता मैच

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित जीएस हीरो जूनियर प्रीमियर लीग चल रहा है। शहर के एसके फील्ड पर आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में सब जूनियर टीमों के बीच मैच खेला गया। जिसमें पावर प्ले पैंथर की टीम ने जीत दर्ज की। टीम के खिलाड़ी आशुतोष ने सबसे अधिक 76 रन बनाए। जिसमें उनके दस चौके भी शामिल रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट में पावर प्ले पैंथर और जूनियर हंटर टीम के बीच मैच खेला। जूनियर हंटर के कप्तान समर्थ प्रताप सिंह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने 30 ओवर में 155 रन बनाए। टीम के खिलाड़ी 38 रन समर्थ प्रताप, 21 रन विदित और आयुष ने 11 रन का योगदान दिया। पावर प्ले पैंथर के गेंदबाजों में आयुष कुमार ने तीन विकेट, आशुतोष शर्मा और सार्थक को दो दो विकेट मिले। रिंकू सिंह व देव गुप्ता को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए पावर प्ले पैंथर के बल्लेबाजों ने अच्छी बल्लेबाजी करते छह विकेट के नुकसान पर 156 बनाकर चार विकेट से मैच जीता। टीम के खिलाड़ी आशुतोश शर्मा ने नाबाद 76 रन बनाए। जिसमें 10 चौके शामिल रहे। यथार्थ वैश्य 23 रन, आयुष कुमार ने 10 रन बनाए। प्ले ऑफ द मैच का पुरस्कार आशुतोष शर्मा दिया गया। इस दौरान संगठन अध्यक्ष दीपक सक्सेना, रविंद्र मोहन, अमरीश गोयल, शिवकुमार, सौरभ शर्मा, ओमवीर यादव आदि उपस्थित रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट में बल्लेबाज को गेंदबाजी करता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- आशुतोष ने बनाए 10 चौकों की मदद से 76 रन

अजय और पूनम ने जीती 200 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा विधानसभा शेखूपुर में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। खेलकूद प्रतियोगिताएं स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुई। दो सौ मीटर की दौड़ में अजय और पूनम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वॉलीबॉल में कथरा की टीम प्रथम स्थान पर रही। विजेता खिलाड़ियों को पूर्व शेखूपुर विधायक धर्मेन्द्र शाक्य ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

बालक-बालिकाओं की सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम में शुक्रवार को हुआ। खेलकूद प्रतियोगिता को मुख्य अतिथि रहे पूर्व शेखूपुर विधायक धर्मेंद्र शाक्य द्वारा 200 मीटर जूनियर वर्ग की दौड़ प्रतियोगिता को हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक ने कहा कि खिलाड़ियों को अपने जीवन में खेल के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने सरकार द्वारा खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी में प्राथमिकता देने की जानकारी दी गई।

वालीबॉल में जूनियर व सब जूनियर बालक वर्ग में कथरा टीम प्रथम स्थान पर रही। सीनियर बालिका लंबी कूद में प्रथम स्थान छाया, कुश्ती 45 किग्रा में प्रथम स्थान कोमल, जूनियर 400 मी दौड़ पुरुष प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सूर्य, जूनियर 400 मी महिला में सुधा प्रथम स्थान, जूनियर बालिका लंबी कूद में प्रथम स्थान पर पायल रहीं। सब जूनियर बालिका लंबी कूद में सागोपी प्रथम स्थान, गोला फेंक सब जूनियर बालक वर्ग विशाल प्रथम स्थान पर रहे। 200 मिटर जूनियर महिला वर्ग में पूनम स्थान पर रहीं।

जूनियर में अजय को प्रथम स्थान मिला। 200 मी सीनियर महिला प्रथम स्थान पर खुशबू, 800 मीटर जूनियर महिला वर्ग प्रीति, 800 मीटर जूनियर आशुतोष प्रथम, 800 मी सीनियर में छाया प्रथम, जूनियर बालिका वर्ग 100 मी में पूनम प्रथम, 100 मीटर सूरज प्रथम स्थान पर रहे। प्रतियोगिताओं में विजयी खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल एवं प्रमाण पत्र तथा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जिला युवा कल्याण अधिकारी हरि प्रेम, राहुल चौबे, कांति प्रसाद, रंजीत, अनुज, नरेंद्र एवं हिम्मत सिंह आदि उपस्थित रहे।

विजेता खिलाड़ी को प्रशस्ति पत्र देते पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य। ● अमृत विचार

- पूर्व विधायक ने बांटे खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र

लंबी कूद में प्रतिभाग करतीं खिलाड़ी। ● अमृत विचार

जंबूरी में जिले के स्काउट-गाइड ने मारी बाजी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : लखनऊ की वृंदावन कॉलोनी में चल रहे 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी कार्यक्रम का भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हो गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मार्च पास्ट के दौरान स्काउट गाइड ने सलामी दी। बदायूं के स्काउट गाइड ने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया और श्रीलंका, नेपाल, मालदीव, सऊदी अरब आदि देशों के स्काउट गाइड से मुलाकात की। उनकी सभ्यता और संस्कृति से भी परिचित हुए।

राष्ट्रपति ने स्काउट गाइड के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बाढ़, भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं में स्काउट की सेवा सराहनीय रहती है। टीम भावना और मेहनत करने की प्रेरणा मिलती है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा विकसित भारत युवाओं द्वारा ही आकार ले रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ ने कहा कि युवा शक्ति-राष्ट्र शक्ति है। उन्होंने कहा कि अनुशासन जीवन की पहली आधारशिला है। युवा ही राष्ट्र को बुलंदी तक पहुंचाने की सामर्थ्य रखते हैं।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भारत स्काउट और गाइड के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल जैन, राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डा.केके खंडेलवाल, प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ.महेंद्र सिंह, प्रादेशिक मुख्य आयुक्त डा. प्रभात कुमार ने जिले के स्काउट गाइड के कार्यों की सराहना की।

पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जिले के स्काउट गाइड ने कई देशों के स्काउट गाइड से मुलाकात कर सभ्यता और संस्कृति को जाना। जंबूरी में होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर योगा, नशा मुक्ति, इंडियन स्काउट गाइड फेलोशिप की ओर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

डीटीसी सत्यपाल गुप्ता के नेतृत्व में स्काउट ने प्रदर्शनी, फूड प्लाजा, स्किल ओ रामा, गेट, टावर और गैजेट्स में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर सर्वश्रेष्ठ स्थान पाया।

शिविर का सब कैंप चीफ अकबर अली, उत्तराखंड के डिप्टी सब कैंप चीफ कमलेश कुमार सती, नेशनल सिक्योरिटी इंचार्ज मुहम्मद असरार, सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर नेहा कटियार ने शिविर का निरीक्षण किया। इस मौके पर यूनिट लीडर कुंवरसेन, कैलाश चंद्र, चंद्र मोहन, आशुतोष शर्मा, श्रेष्ठ जीत उमेश चंद्र, आशुतोष आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय ध्वज के साथ खड़े स्काउट गाइड। ● अमृत विचार

छह साल की बच्ची कुएं में गिरी, मौत

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव मोहम्मदगंज में शुक्रवार सुबह खेलते समय छह साल की बच्ची कुएं में जा गिर गई, जिसस उसकी। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। गांव निवासी पन्नालाल दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं। पत्नी खुशबू दो बेटियों नित्या और आरुषि के साथ गांव में रहती हैं। शुक्रवार को नित्या (6) घर के पास ग्राम सभा की जमीन पर बने कुआं के पास बच्चों के साथ खेल रही थी। पैर फिसलने से वह कुंए में गिर गई। सूचना पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। दो घंटे की मशक्कत के बाद बच्ची को कुआं से बाहर निकालकर उसे सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।

मृतका नित्या।

ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी करने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मध्य प्रदेश के एक आईएएस अधिकारी द्वारा ब्राह्मण समाज के विरुद्ध दिए गए बयान को लेकर आज अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर उक्त अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

मध्य प्रदेश के एक आईएएस अधिकारी द्वारा ब्राह्मण समाज के खिलाफ अपमानजनक बयान दिया है जिसको लेकर देश भर के ब्राह्मण समाज में आक्रोश है। इसी वयान के खिलाफ शुक्रवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार मिश्रा, राष्ट्रीय संरक्षक पूर्व उप पुलिस महानिरीक्षक जुगुल किशोर तिवारी बुन्देला के आवाहन पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह को पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।ब्राह्मण एकता परिषद, यूपी अवध प्रान्त के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम अवतार मिश्रा ने कहा कि एक जिम्मेदार व्यक्ति को ऐसा वक्तव्य नहीं देना था। यह केवल अनुचित ही नहीं बल्कि समाज के समस्त वर्गों में परस्पर वैमनस्यता एवं टकराव पैदा करने वाला हे। इसलिए उनके विरुद्ध समुचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया जाना चाहिए। जिला अध्यक्ष अमन पाठक ने कहा कि आई ए.एस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा अपने भाषण जो कहा गया वह अत्यंत कष्ट दायक और समाज में दूषित वातावरण पैदा करने वाला था ।

पत्र देने वालों में एकांश शर्मा, शिव कांत शर्मा, अमन शर्मा, अंकित मिश्रा, विराट दुवे, अजय शर्मा, सुमित मिश्रा, गौतम मिश्रा, सचिन शंखधार, राजुल शर्मा, गौतम शर्मा, सौरभ शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसएसपी को प्रार्थना पत्र देते ब्राह्मण समाज के लोग। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

किराना की दुकान में आग से नुकसान

उसहैत, अमृत विचार : कस्बा उसहैत के वार्ड 8 में नखासा रोड पर इरशाद फारूकी पुत्र अंसार की किराना की दुकान है। गुरुवार रात शॉर्ट सर्किट से दुकान में आग लग गई। लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। इरशाद ने बताया कि गुरुवार रात बल्ब के तार से चिंगारी निकली और पॉलीथिन के ऊपर गिर गई। जिससे दुकान के सामान में आग लग गई। आसपास के लोगों ने समरसेबल से पानी डालकर आग पर काबू पाया। तब तक पूरा सामान जल गया था। शुक्रवार को राजस्व विभाग की टीम ने मौका मुआयना करके क्षति का आंकलन किया। नगर पंचायत चेयरमैन नवाब हसन ने तहसील प्रशासन से मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

सिपाही का ऑडियो वायरल, निलंबित

बदायूं, अमृत विचार : लापरवाही करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ एसएसपी की कार्रवाई जारी है। कुछ दिन पहले डिपो पुलिस चौकी के सिपाही के बाद शुक्रवार को ऑडियो वायरल होने पर पुलिस लाइन में तैनात सिपाही रोहित तोमर को निलंबित किया गया है। सिपाही का ऑडियो सोशल साइट्स पर वायरल हुआ था। सीओ लाइन और प्रतिसार निरीक्षक की आख्या पर सिपाही के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सीओ लाइन मामले की जांच करेंगे।

छत पर जाकर नाबालिग से छेड़छाड़

विजय नगला, अमृत विचार : बिनावर थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया कि 25 नवंबर की रात उसके मोहल्ले में मंडप का कार्यक्रम चल रहा था। जिसमें डीजे बजाया जा रहा था। उसकी नाबालिग बेटी छत से कार्यक्रम देख रही थी। रात में एक युवक दीवार के सहारे छत पर चढ़ आया और उसकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर वह धमकाता हुआ भाग गया। तहरीर देने के बाद भी पुलिस ने आरोपी पर कार्रवाई नहीं की है। वह थाने के चक्कर लगातार लगा रहा है।

विषाक्त पदार्थ खाने वाले युवक की मौत

बदायूं, अमृत विचार : थाना बिनावर क्षेत्र के गांव मोहम्मद नगर निवासी विवेकानंद पुत्र राज बहादुर ने दो दिन पहले किसी कारण से विषाक्त पदार्थ खा लिया। परिजनों ने उन्हें बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान शुक्रवार शाम उनकी मौत हो गई। परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस को सूचना नहीं दी गई है।

पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, दो साथी फरार

तलाशी के लिए रोकने पर आरोपियों ने पुलिस पर की थी फायरिंग

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : मुठभेड़ के बाद बिनावर पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीट को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी थी। उसके पास से तमंचा, कारतूस और गोकशी में प्रयुक्त उपकरण बरामद हुए हैं। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके फरार साथियों की तलाश की जा रही है।

गुरुवार रात बिनावर पुलिस क्षेत्र में गश्त कर रही थी। गांव मोहम्मदपुर बिहार के कट स्थित रेलवे क्रासिंग के पास तीन संदिग्ध लोग होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची। जहां झाड़ी में तीन लोग नजर आए। पुलिस ने उन्हें रुकने के लिए कहा तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

अस्पताल में भर्ती हिस्ट्रीशीटर।

- हिस्ट्रीशीटर पर दो बार गैंगस्टर की कार्रवाई हो चुकी है

जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। एक बदमाश के पैर में गोली लगी। वह नीचे गिर गया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। उसके पास से एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस व उपकरण बरामद हुए। उसने अपना नाम गांव सिकरोड़ी निवासी आसिफ पुत्र पप्पू कुरैशी बताया। वह हिस्ट्रीशीटर है। वहीं अंधेरे का फायदा उठाकर दो लोग भाग निकले। उसने अपने साथियों के नाम गांव निजामपुर पस्तोर निवासी मेहरबान उर्फ लुक्का मैनुद्दीन और दूसरे का गांव अहिरवारा निवासी जावेद पुत्र शराफत बताया।

सूचना मिलने पर सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार उस पर गोवध निवारण अधिनियम के अंतर्गत चार मामले पहले से दर्ज हैं। दो बार गैंगस्टर की कार्रवाई हो चुकी है।

पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर गोवध करता है और गोमांस बेच लेता है। वह लोग गोकशी की फिराक में थे कि पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष राजेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक शेर पाल सिंह, मनोज आदि रहे।

लखनपुर में निमोनिया से नौ माह के बच्चे की मौत

बदायूं, अमृत विचार : सर्दी का मौसम शुरू होते ही छोटे बच्चे निमोनिया की चपेट में आ रहे हैं। निमोनिया के चलते एक नौ माह के बच्चे की मौत हो गई, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।ब्लॉक जगत के ग्राम लखनपुर निवासी योगेंद्र सिंह के नौ साल के पुत्र को कई दिन से बुखार था। परिजन गांव के ही एक झोलाछाप से उसका इलाज करा रहे थे। नौ साल के दक्ष की हालत गुरुवार रात को बिगड़ गई। वह निमोनिया की चपेट में आ गया, जिसके बाद परिजन दक्ष को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. मोहम्मद असलम ने कहा अब बुखार नहीं है। यदि निमोनिया से बच्चे की मौत हुई है तो ठंड से निमोनिया हो सकती है। इसकी जानकारी की जाएगी।

लगातार गिरते तापमान के चलते ठंड का प्रकोप शुरू हो गया है। पिछले एक सप्ताह से तापमान लगातार गिर रहा है सर्दी के प्रकोप के चलते छोटे बच्चों को निमोनिया की समस्या पैदा हो गई है।

महिला की सुरक्षा संबंधी दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत आसिम सिद्दीकी मेमोरियल डिग्री कॉलेज में नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन के लिए समर्पित कार्यक्रम हुए। छात्र-छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर और योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम व गीत प्रस्तुत किए। सड़क सुरक्षा संबंधी रैली निकाली गई।

एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह और एडीएम प्रशासन अरुण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वेट लिफ्टिंग में विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कव्वाली कलाकार दानिश ने शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान नारी शक्ति, सड़क सुरक्षा, जल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, पक्षी संरक्षण और पौधारोपण पर विशेष जागरूकता गतिविधियां हुईं। छात्राओं को मिशन शक्ति के पांचवें चरण के उद्देश्य के बारे में बताया। इसके अलावा पुलिस सहायता केंद्र, शक्ति मोबाइल, महिला हेल्प डेस्क, महिला बीट अधिकारी,

पक्षियों के लिए दाना रखते एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह।

महिला साइबर सेल, पुलिस परामर्श केंद्र, पिंक बूथ की जानकारी दी। एडीएम प्रशासन ने शासन की योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन, राष्ट्रीय पोषण मिशन, ग्रामीण आजीविका मिशन, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, आदि की जानकारी दी।

एसएसपी ने हेल्पलाइन नंबर पुलिस सहायता के लिए 112, एम्बुलेंस सेवा 108, वीमेन पावर लाइन 1816, साइबर नंबर 1930, चाइल्ड लाइन के 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आदि के बारे में जागरूक किया। अधिकारियों ने छात्राओं की बनाई रंगोली का प्रदर्शन किया। पक्षियों के लिए दाना डाला। जॉन कैरल यूनिवर्सिटी के

- रैली निकालकर सड़क सुरक्षा को लेकर किया जागरूक, छात्र-छात्राओं को दी जानकारी

प्रोफेसर डॉ. सिमरन कहई और यास्मीन सैयद ने महिला सुरक्षा व शिक्षा संबंधित विचार व्यक्त किए। एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. वैभव शर्मा, एडीएम न्यायिक कल्पना जायसवाल, एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया, सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय, सीओ उझानी डॉ. देवेंद्र कुमार और विभिन्न थानों के प्रभारी निरीक्षक आदि उपस्थित रहे। कॉलेज अध्यक्ष नवेद अली सैयद, मैनेजर जहैब अली सैयद, डायरेक्टर वसीक अहमद खान ने आभार व्यक्त किया।

ब्राह्मण समाज पर टिप्पणी से आक्रोश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मध्य प्रदेश में अजाक्स सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति की गयी अभद्र टिप्पणी के विरोध में ब्राह्मण समाज ने भगवान परशुराम ब्राह्मण धर्मशाला में बैठक कर रोष जताया और एसएसपी से कार्यवाही करने की मांग की।

शुक्रवार को आयोजित बैठक में अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रांतीय मंत्री अजय मिश्रा एवं मंडल संरक्षक कौशल आनंद उर्फ ललन पांडेय ने संतोष कुमार वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज के खिलाफ कथित असंवैधानिक एवं भड़काऊ बयान पर कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि उन पर आपराधिक अभियोजन लगाया जाए।

जिलाध्यक्ष अश्वनी भारद्वाज ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कारण बताओं नोटिस जारी तो किया गया है परंतु अभी तक कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की।

- एसएसपी को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग

उक्त अधिकारी का पूर्व में भी विवादों और जेल जाने का इतिहास रहा है, सभा के पदाधिकारियों ने पैदल मार्च करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसएसपी डॉक्टर बृजेश कुमार सिंह से संतोष वर्मा पर एफआईआर दर्ज करने हेतु मांग की। ब्राह्मण समाज के लोगों ने स्पष्ट कहा यदि संतोष वर्मा पर कठोर कार्रवाई नहीं होती तो ब्राह्मण समाज सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होगा।

इस मौके पर नत्थूलाल पाराशरी, वरिष्ठ समाजसेवी रजनी मिश्रा, भाजपा मंडल महामंत्री पंकज शर्मा, अमित पांडेय, पंडित गिरीश शर्मा, अमन मयंक शर्मा, अजय शर्मा, रामावतार मिश्रा, शिवाकांत शर्मा, अमन पाठक, गोविंद द्विवेदी, विराट दुबे, आशुतोष शर्मा, एकांश शर्मा, कैलाश चंद मिश्रा, विजय बाबू शर्मा अंकित पाठक, आलोक शर्मा, अमर दीक्षित, राम शर्मा आदि मौजूद रहे।

आपत्तिजनक टिप्पणी के आरोपी ने मांगी माफी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : एक युवक ने सोशल साइट्स पर हिंदुओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। पुलिस पर आर्थिक समझौता करके युवक को छोड़ने का आरोप लगाते हुए हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की थी।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। वह हाथ जोड़कर माफी मांगता हुआ नजर आया। कहा कि अब वह कभी इस तरह की रील नहीं बनाएगा।सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के कस्बा शेखूपुर के वार्ड पांच निवासी इश्हाक मोहम्मद उर्फ नन्हें पुत्र इस्माइल अंसारी ने धार्मिक टिप्पणी करते हुए रील बनाई थी। जिसमें देवी देवताओं, हिंदू धर्म को अपमानित करते हुए अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया। सोशल साइट्स पर वायरल की। अन्य लोगों से भी रील शेयर करने को बोला था। वीडियो सामने आते हिंदू संगठनों के लोग आक्रोशित हो गए। आरोप लगाया कि शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा था

- हिंदू धर्म को लेकर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

लेकिन साठगांठ करके छोड़ दिया। जिसके चलते मुनीष पाठक, संतोष साहू, अमन जोशी, धर्मेंद्र साहू, विशाल गोस्वामी, पिंटू साहू आदि ने शेखूपुर पुलिस चौकी पर विरोध प्रदर्शन किया।

जिसके बाद शेखूपुर निवासी निखिल कुमार की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। आरोपी को गिरफ्तार करके कोर्ट के सामने पेश किया गया।

माफी मांगता आरोपी। • अमृत विचार

एटा के युवक का था गंगा में मिला शव

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली उझानी क्षेत्र में कछला स्थित गंगा में 21 नवंबर को युवक का शव मिला था। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार कर दिया था। मृतक की पहचान जिला एटा के थाना अवागढ़ क्षेत्र के गांव नगला निवासी लायक सिंह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार लायक सिंह 20 को लापता हो गए थे। जिसके बाद अवागढ़ थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। कछला पुलिस की ओर से जारी फोटो देखने के बाद परिजनों ने कपड़े और जूते से पहचान की।

समिति के सभापति ने इंडस्ट्री अधिकारियों के साथ की बैठक

विधायक राजीव कुमार सिंह अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए। • अमृत विचार

संवाददाता, दातागंज

अमृत विचार : लखनऊ विधानसभा स्थित कार्यालय में प्रतिनिहित विधायन समिति के सभापति राजीव सिंह उर्फ बब्बू भैया और समिति सदस्यों ने इंडस्ट्री विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में सचिव आईएएस प्रांजल यादव, आईएएस विजय किरन आनंद, आईएएस प्रेरणा व अन्य अधिकारी के साथ विधायन समिति के सदस्य विधायक रामवीर सिंह, मानवेंद्र प्रताप रानू, गणेश सिंह, अखिलेश यादव, संदीप सिंह राही समेत अन्य उपस्थित रहे।

पार्सल वाहन और बस की भिड़ंत

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : बरेली-मथुरा राजमार्ग पर डबल डेकर प्राइवेट बस और पार्सल वाहन की आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। दोनों वाहनों के चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राजमार्ग पर जाम की स्थिति हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को बरेली के निजी अस्पताल के लिए भेजा। क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को राजमार्ग से हटवाकर वाहनों का आवागमन दुरुस्त कराया।

थाना बिनावर क्षेत्र के गांव खुनक स्थित मंदिर के पास राजमार्ग किनारे पेड़ों का कटान चल रहा है। जिसकी वजह से

क्षत्रिग्रस्त पार्सल वाहन। • अमृत विचार

एक साइड का आवागमन बंद कर दिया गया है। दोनों ओर के वाहन एक ही साइड से गुजर रहे हैं। शुक्रवार सुबह लगभग पांच बजे बरेली की ओर से आ रही एक कंपनी का पार्सल वाहन संभल जा रहा था और एक डबल डेकर बस सवारियां लेकर बदायूं से

- बरेली-मथुरा राजमार्ग पर गांव खंदक के पास शुक्रवार सुबह हुआ हादसा

बरेली की ओर जा रही थी। रास्ता बंद होने की वजह से दोनों वाहन एक ही साइड में आ गए। इसी दौरान दोनों वाहनों की आमने-सामने से भिड़ंत हो गई। तेज आवाज होने पर राजमार्ग पर काम कर रहे श्रमिक मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। घायलों को वाहनों से बाहर निकाला। पार्सल वाहन चालक बरेली के फरीदपुर के नवादा निवासी विकास पुत्र सूरजपाल और बस चालक को जिला अस्पताल भेजा। हालत गंभीर होने पर दोनों को बरेली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दुकान से सोने की चेन लेकर भागा युवक

बदायूं, अमृत विचार : ग्राहक बनकर सर्राफा की दुकान पर आया एक युवक सोने की तीन चेन लेकर भाग गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। व्यापारी की तहरीर पर पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी है।

शहर में हलवाई चौक पर जुगल किशोर, प्रहलादी लाल सर्राफ की दुकान है। शुक्रवार सुबह दुकान पर ग्राहक बनकर युवक आया। वह काले रंग की जैकेट पहना था। उसने व्यापारी से सोने की एक से डेढ़ तोले की चेन दिखाने को कहा। व्यापारी ने उसे चेन दिखाना शुरू किया। चेन की कई डिजाइन उसे दिखाईं। इस दौरान दुकान पर एक पुरुष व दो महिला ग्राहक भी थीं। व्यापारी उसे चेन दिखाने में व्यस्त हो गए। इसी दौरान युवक ने सोने की चेन रखी ट्रे से तीन चेन उठाईं और दुकान से भाग गया।

व्यापारी ने शोर मचाया तो पास में बैठा ग्राहक युवक को पकड़ने के लिए उसके पीछे भागा लेकिन वह बाजार की भीड़ में खो गया। व्यापारी ने पुलिस को सीसीटीवी कैमरे की फुटेज दी है।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
N.H.-30, बंथरा, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश
Radiation Oncology Department
Cancer Facilities (कैंसर उपचार एवं सुविधाएं)
कैंसर की सटीक जाँच (Accurate Diagnosis)
नवीनतम तकनीक द्वारा कैंसर की प्रारंभिक एवं सटीक पहचान की सुविधा
- बायोप्सी
- रेडियो इमेजिंग (CT, MRI)
- ब्लड मार्कर जाँच
कीमोथेरेपी (Chemotherapy)
- सभी प्रकार के कैंसर की कीमोथेरेपी द्वारा उपचार की पूर्ण व्यवस्था
कैंसर की पूर्ण देखभाल (Comprehensive Cancer Care)
- कैंसर रोगियों के लिए पोषण, काउंसलिंग एवं पुर्नवास सहायता
- व्यक्तिगत (Individualised) उपचार योजना
रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट परामर्श उपलब्ध
- कैंसर के हर चरण के लिए सही मार्गदर्शन व उपचार योजना उपलब्ध।
(प्रतिदिन ओ.पी.डी. कमरा नं. 171 में प्रातः 9:00 से सायं 4:00 बजे तक)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 7521001988, 7521001989

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
विशाल चिकित्सा शिविर
हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी. विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग
यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से प्रारंभ
समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं
रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 50/- रुपये
डॉक्टर द्वारा परामर्श मुफ्त
भर्ती एवं पलंग मुफ्त
मुफ्त सामान्य ऑपरेशन (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
नार्मल व सिजेरियन डिलीवरी मुफ्त (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त
भर्ती मरीजों की सामान्य जांचें मुफ्त
भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउंड मुफ्त
भर्ती मरीजों का एमआरआई ब्रेन- रु. 2000/- एमआरआई स्पाईन- रु. 3000/- सीटी हेड- रु. 800/-
भर्ती मरीजों की दवाईयां भारी छूट पर
70 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों के लिए मुफ्त आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं मुफ्त उपचार की सुविधा।
(आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए निःशुल्क कार्ड एवं निःशुल्क चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध)
परिवार स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा मात्र 200 रुपए में 1 वर्ष के लिए उपलब्ध।
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
NH-30, बन्थरा, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242307
मो.नं : 05842-297260, 05842-297360, 7521001988, 7521001989

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र की एल आई सी पालिसी संख्या 253211044 में नाम शिवांश शुक्ला दर्ज है। जबकि उसका नाम बदलकर विदित शुक्ला किया गया है। जन्म प्रमाण पत्र में भी विदित शुक्ला ही दर्ज है। अजीत शुक्ला पुत्र श्री राकेश बाबू शुक्ला निवासी 101, महमूदपुर, बरेली (उ.प्र.)

RAM MURARI PUBLIC SCHOOL
Meeranpur Katra, Shahjahanpur
PGT Teachers Required
- Physics
- Mathematics
- English
School Counsellor
Send your CV on
ashokkagrawalmanu@gmail.com

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा 13 दिसम्बर को

बदायूं, अमृत विचार : जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य भगत सिंह ने बताया कि जवाहर नवोदय की परीक्षा 13 दिसंबर को होगी। परीक्षा के लिए 12 कॉलेजों को केंद्र बनाया है। परीक्षा प्रात : 11 :30 बजे से 01 :30 बजे अपराह्न तक आयोजित की जाएगी। विद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले बच्चों का प्रवेश पत्र ऑनलाइन वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। जिसे डाउनलोड किया जा सकता है। परीक्षा में बैठने वाले बच्चे प्रवेश पत्र जवाहर नवोदय विद्यालय सीकरी से भी प्राप्त कर सकते हैं।

शादी के बंधन में बंधे जोड़ों को मिलेंगे 60 हजार रुपये

समाज कल्याण विभाग ने तैयार की पत्रावली, डीएम की स्वीकृति के बाद बैंक खाते में भेजी जाएगी शगुन की राशि

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: समाज कल्याण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गुरुवार को 317 जोड़ों की शादी कराई गई। एक दूसरे के साथ सात फेरे लेने वाले जोड़ों को शगुन की राशि मिलने का इंतजार है। लेकिन इसके लिए उन्हें अधिक समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। विभाग द्वारा पत्रावली तैयार कर ली है। डीएम की स्वीकृति के बाद धनराशि जल्द ही बैंक खाते में भेजी जाएगी।

समाज कल्याण विभाग को इस वित्तीय वर्ष में 784 गरीब परिवार की बेटियों की शादी कराने का लक्ष्य मिला है। प्रथम चरण के दौरान गुरुवार को शहर के इस्लामियां इंटर कॉलेज मैदान पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान 317 जोड़ों की शादी कराई गई थी। इनमें 27 मुस्लिम जोड़ों का निकाह कराया गया था। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना पर पहले 51 हजार रुपये खर्च करने का प्रावधान था। जिसमें 35 हजार रुपए शगुन में दिए जाते थे। तथा शेष धनराशि कार्यक्रम पर खर्च होती थी। लेकिन फर्जीवाड़ा होने की वजह से शासन ने नियम सख्त कर दिए हैं। जब तक शादी करने आए जोड़ो की बायोमेट्रिक उपस्थिति न हो जाए तब तक जोड़े की शादी नहीं कराई जा सकती और न ही उन्हें शगुन की धनराशि बैंक खाते में भेजी जाएगी। साथ ही शासन की ओर से धनराशि में भी बढ़ोत्तरी की है। अब एक लाख रुपये एक जोड़ें की शादी पर खर्च होने हैं। जिसमें 60 हजार रुपए शगुन के तहत कन्या के बैंक खाते में भेजे जाने हैं। यह धनराशि बायोमेट्रिक कराने वाले जोड़े के खाते में भेजी जाएगी। पहले यह धनराशि कार्यक्रम संपन्न होने के बाद भेज दी जाती थी। अब बायोमेट्रिक उपस्थिति शासन में भेजी जाएगी। इसके बाद डीएम की स्वीकृति पर धनराशि को कन्या के खाते में भेजा जाएगा। सामूहिक विवाह का लाभ लेने वाली कन्याओं को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। समाज कल्याण विभाग द्वारा बायोमैट्रिक उपस्थिति शासन में भेज दी गई है। साथ ही पत्रावली भी तैयार हो गई है। जल्द ही डीएम की अनुमति के बाद शगुन की धनराशि शादी करने वाली कन्या के खाते में भेजी जाएगी।

सामूहिक विवाह में शामिल नवदंपति। ● अमृत विचार

● **317 जोड़ों ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत लिए थे सात फेरे, 40 हजार आयोजन पर हुआ खर्च**

सामूहिक विवाह योजना के तहत 317 जोड़ों की शादी कराई गई थी। बायोमेट्रिक उपस्थित भेजी जा चुकी है। पत्रावली तैयार कर ली है। डीएम की अनुमति के बाद धनराशि शादी करने वाली कन्याओं के खाते में भेज दी जाएगी।
– मीनाक्षी वर्मा, समाज कल्याण अधिकारी

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा भाई उज्जवल सक्सेना दिनांक 25.11.2025 को घर से बिना बताए कहीं चला गया है। तलाश करने पर भी कहीं नहीं मिला है। यदि किसी को इस सम्बन्ध में कोई जानकारी तब कृपया निम्न पते पर सूचित करने का कष्ट करें।

हुलिया : रंग सांवला, उम्र 27 वर्ष, कद 5 फुट 9 इंच, काली जीन्स, नीली शर्ट, नीले जूते पहने है।

रूपक सक्सेना दुर्गा गली मकान नं. 436ए, मढ़ीनाथ, बरेली
मो. 9528615798, 9084593976

15 तक पीएम कुसुम योजना में होंगे आवेदन

बदायूं, अमृत विचार : उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम कुसुम) योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष–2025–26 के तहत सोलर पम्प पर अनुदान के लिए बुकिंग के लिए विभागीय पोर्टल 26 नवंबर से खुला है। विभाग को विभिन्न क्षमताओं के कुल 614 सोलर पंप आवंटित करने का लक्ष्य मिला है। जिसे प्राप्त करने के लिए किसान 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं। 2 एचपी, 3 एचपी, 5 एचपी 7.5 एचपी एवं 10 एच.पी क्षमताओं के सबमर्सिबल पंपों पर केंद्र और राज्य सरकार द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। बुकिंग के समय 5000 रुपये टोकन मनी के रूप में ऑनलाइन जमा करनी होगी।

ऑनलाइन भी भरा जा सकता है गणना प्रपत्र

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● **जिले में चल रहा है एसआईआर का कार्य, 4 दिसंबर अंतिम तिथि**

अमृत विचार: जिले में एसआईआर का काम चल रहा है। जिसकी अंतिम तिथि 4 दिसंबर है। समय कम होने पर प्रशासनिक मशीनरी कार्य को समय पर पूरा कराने के लिए लगी हुई है। लेकिन गणना प्रपत्र को भर नहीं पा रहे हैं। ऐसे लोगों को निर्वाचन आयोग ने सहूलियत दी है। जिन लोगों को बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र नहीं मिल सका है। वह ऑनलाइन प्रपत्र भर सकते हैं।

एसआईआर के प्रथम चरण की अंतिम तिथि 4 दिसंबर है। बीएलओ घरों में गणना फार्म पहुंचा रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारी से लोगों से जल्द से जल्द फार्म भरकर बीएलओ के पास जमा करने की अपील कर रहे हैं। जिन लोगों को बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र नहीं मिल सका है। ऐसे मतदाता ऑनलाइन भी गणना प्रपत्र भर सकते हैं। उप निर्वाचन अधिकारी डॉ. वैभव शर्मा ने बताया कि जिन लोगों को गणना प्रपत्र भरने में दिक्कत हो रही है। ऐसे लोग पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, लेखपाल, बीएलओ आदि से मदद ले सकते हैं। यह कर्मचारी फार्म भरकर आपसे सत्यापन कराने के बाद हस्ताक्षर कराने के बाद जमा कर लेंगे। वैध मतदाता का नाम सूची से नहीं कटेगा। उप निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराया गया गणना फार्म ऑफलाइन के साथ भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर ऑनलाइन भी भरा जा सकता है। कोई भी मतदाता https://voters.eci.gov.in/ पर विगत विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण निर्वाचक नामावली में अपना और संबंधित रिश्तेदारों का नाम देख सकते हैं और गणना प्रपत्र से विवरण उपलब्ध करा सकते हैं। ऑनलाइन गणना प्रपत्र भरने के लिए मतदाता बीएलओ की मदद ले सकते हैं।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–शाहजहाँपुर।
कार्यालय का पता– द्वितीय तल, विकास भवन, शाहजहाँपुर

पत्रांक :– 1183 / ग्र0अ0वि0 / निविदा / 2025–26 दिनांक 19.11.25

निविदा सूचना
ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–शाहजहाँपुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए0,बी0,सी0 एवं डी0 श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिये निविदा दे सकता है :–

01– कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		विधायक निधि क्षेत्र जलालाबाद।				
1	शाहजहाँपुर	सरस्वती विद्या मन्दिर जलालाबाद में कक्ष का निर्माण कार्य।	24.995	50000.00	2354.00	04 माह
	मा0 सदस्य विधान परिषद नोडल जनपद– शाहजहाँपुर (स्वीकृति की प्रत्याशा में)					
2	शाहजहाँपुर	ग्राम अकर्रारसूलपुर वि0ख0 ददरौल में श्री अहिवरन के मकान से संविलियन विद्यालय अकर्रारसूलपुर के सामने होते हुये जलालाबाद–शाहजहांपुर मुख्य मार्ग तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	21.110	42500.00	2354.00	04 माह
3	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में रवीन्द्र वर्मा के मकान से माध्यमिक विद्यालय तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	15.30	30600.00	854.00	04 माह
4	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में चन्द्रभान (जदुवीर के खेत) से कुनेन्द्र के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	17.45	34900.00	854.00	04 माह
5	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में वेदराम के मकान से मिश्रीलाल के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	13.12	26300.00	854.00	04 माह
6	शाहजहाँपुर	ग्राम हथौडा बुजुर्ग विकास खण्ड भावलखेडा में डा0 डी0पी0सिंह महाविद्यालय की वाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।	24.99	50000.00	2354.00	04 माह
		मा0 सदस्य विधान विधान परिषद क्षेत्र शाहजहाँपुर / पीलीभीत				
7	शाहजहाँपुर	ग्राम सैजना विकास खण्ड ददरौल में एक शवदाह ग्रह (अन्त्येष्ठि स्थल) का निर्माण कार्य।	25.99	50000.00	2354.00	04 माह
		विधायक निधि क्षेत्र शाहजहाँपुर				
8	शाहजहाँपुर	वार्ड सं0 18 आदर्शनगर रौजा में गली नं0 21 में 232.00 मी0 सी0सी0 / नाली निर्माण कार्य।	15.40	30800.00	854.00	04 माह
9	शाहजहाँपुर	वार्ड सं0 18 आदर्शनगर रौजा में गली नं0 20 में 220.00 मी0 सी0सी0 नाली निर्माण कार्य।	13.97	28000.00	854.00	04 माह
10	शाहजहाँपुर	ग्राम पैना बुजुर्ग वि0ख0 भावलखेडा में 03 प्लेटफार्म वाला शवदाह गृह का निर्माण कार्य।	13.17	26400.00	854.00	04 माह

02–बेव साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि :– 01.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे से।
03–विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय 01.12.2025 को प्रातः 12.00 बजे से।
04–ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि / समय 01.12.2025 को प्रातः 12.00 बजे से।
05–ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिये अन्तिम तिथि / समय 31.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक।
06–ई0–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 31.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे।
07–टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
08–निविदा की ऑन लाईन वेब साइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
09–निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लाज के अनुसार पृविष्टि / शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।अधिक जानकारी के लिये कृपया वेब साइट https://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें, सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि वह बिड सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भांति पढ लें।

(इं0 सतीश चन्द्र राघवेन्द्रम)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–शाहजहाँपुर
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

UP – 241593 दिनांक: 27/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

कार्यालय उपजिलाधिकारी सदर, लखीमपुर–खीरी

पत्रांक– 545 / मत्स्य पा0प0–नीलामी / विज्ञापन / र0का0 दिनांक– 21.11.2025

विज्ञप्ति

मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा रिट याचिका संख्या–54161 / 2003 इन्द्रपाल बनाम सरकार उ0प्र0 व अन्य में पारित आदेश दिनांक 14–05–2009 व सिविल रिट याचिका संख्या'–18838 / 2012 प्रमोद कहार व अन्य बनाम राज्य सरकार व अन्य में पारित आदेश दिनांक 16–04–2012 एवं राजस्व संहिता 2006 (यथासंशोधित) की धारा 61 के अनुपालन में तहसील लखीमपुर में मत्स्य पालन हेतु उपयुक्त तालाबों का आवंटन नीलामी पद्धति से किये जाने हेतु तहसील मुख्यालय पर शिविर का आयोजन किया गया हैं उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 (यथा संशोधित) में वर्णित नियमों के अनुरूप मछुआ समुदाय, अनुसूचित जाति / जनजाति एवं अन्य व्यक्तियों के मध्य नीलामी पद्धति से तालाबों का 10 वर्षीय पट्टा किया जायेगा। 2 हे0 से बड़े क्षेत्रफल के तालाबों का आवंटन नीलामी पद्धति से पंजीकृत मत्स्यजीवी समितियों के मध्य किया जायेगा। मा0 राजस्व परिषद, लखनऊ के पत्र संख्या– आर0जी0–0211 /जी–5–23आर (रिट) / 2011 दिनांक 16 जुलाई 2013 के अन्तर्गत तालाबों की सूचना नियत प्रारूप पर नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न किये जाने हेतु प्रकाशित की जा रही है, जो निम्नवत् है–

नीलामी का स्थान– तहसील सभाकक्ष लखीमपुर
नीलामी का समय– दोपहर 11 बजे से 3 बजे तक

नीलामी हेतु तालाबों का विवरण

क्र0सं0	ग्राम व परगना का नाम जहां तालाब स्थित है	तालाब / पोखर मीनाशय एवं जल प्रणालियों का विवरण: खसरा सं0	तालाब / पोखर मीनाशय एवं जल प्रणालियों का विवरण: क्षेत्रफल (हे0में)	बोली बोलने के लिये जमानत राशि (आरक्षित बोली धनराशि का 10 प्रतिशत)(रू0में)	नीलामी हेतु नियत तिथि	नीलामी अधिकारी का पदनाम
1	2	3	4	5	6	7
1	मूडा अर्जुन	441/939	0.506	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
2	मूडा अर्जुन	300	0.926	500	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
3	गौरिया भीलम	819	0.202	100	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
4	गौरिया भीलम	122	0.733	350	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
5	गौरिया भीलम	333	0.271	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
6	सिसौरा	430	0.482	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
7	सिसौरा	965	1.181	600	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
8	बंजरिया	248	0.356	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
9	अटकोहना	408	0.304	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
10	चन्दपुरा	286	0.756	750	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
11	मौजमाबाद	282	0.862	450	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
12	अटकोहना सलारपुर	281	0.494	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
13	ज्ञानपुर	184क	0.324	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
14	ज्ञानपुर	254	0.441	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
15	ज्ञानपुर	262	0.316	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
16	ज्ञानपुर	331	0.502	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
17	ज्ञानपुर	250	0.437	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
18	बालूडीह	437	0.223	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
19	ओदरहना	602	0.320	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
20	पिपरा करमचन्द	252	0.223	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
21	लकेसर	319	0.317	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
22	महेवा	295	0.356	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
23	महेवा	172क	0.502	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
24	सुन्दरवल	32मि.	0.259	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
25	सुन्दरवल	439	0.263	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
26	सैदापुर भाऊ	972	0.304	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
27	सैदापुर भाऊ	991	0.441	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
28	मोहम्मदपुर	171	0.441	250	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
29	पन्यौरा	217घ	1.561	800	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
30	ढुसरू	154	0.623	350	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
31	कारीपोखर	385	2.063	2100	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
32	अमिरतापुर	186	0.721	350	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
33	बसैगापुर	332	0.239	150	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला
34	करनपुर	803ख	0.3480	200	16.12.2025	नायब तहसीलदार खीरी पैला

माननीय उच्च न्यायालय के सिविल मिस0 रिट पिटी0 संख्या 39590 / 2014 श्रीमती कौशल्या देवी बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य एवं सिविल मिस0 रिट पिटी0 संख्या 41084 / 2014 शंकर बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में पारित आदेशों के अनुपालन में नीलामी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को नवीनतम आय एवं जाति प्रमाण पत्र (विज्ञापन की तिथि से 6 माह पुराना न हो) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने की पात्रता एवं शर्तेः–

1– नीलामी प्रक्रिया में बोली बोलने की पात्रता एवं शर्तें उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 (यथा संशोधित) में वर्णित सुसंगत प्राविधानों के अनुरूप होगी जो तहसील मुख्यालय एवं राजस्व परिषद के वेबसाइट https://bor.up.nic.in पर उपलब्ध है।
2– राजस्व संहिता नियमावली 2006 के अनुसार 2 हे0 से कम क्षेत्रफल वाले तालाब पट्टा नीलामी की न्यूनतम धनराशि मु0 5,000 /– प्रति हे0 प्रतिवर्ष निर्धारित की गयी है। 2 हे0 से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों के लिये न्यूनतम धनराशि 10,000 /– प्रति हे0 प्रतिवर्ष निर्धारित है।
3– पट्टे की शर्तों एवं नीलामी से सम्बन्धित किसी अन्य प्रकार की जानकारी रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय तहसील लखीमपुर में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। विज्ञापन में वर्णित किसी भी तालाब की आवंटन अवधि शेष होने पर विज्ञापन निरस्त समझा जायेगा।
4– नीलामी होने की स्थिति में प्रतिभाग करने वाले व्यक्ति को जमानत धनराशि बोली बोलने से पूर्व जमा करनी होगी तथा नीलामी सम्पन्न होने के पश्चात नीलामग्रहीता को सर्वोच्च बोली की धनराशि जो तय होगी अर्थात 1 वर्ष का लगान तत्काल जमा करना होगा तथा यही धनराशि प्रतिवर्ष लगान के रूप में जमा करना होगा। नीलाम स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार एवं अन्तिम निर्णय उपजिलाधिकारी लखीमपुर में निहित है। नीलामी शिविर में कोविड–19 प्रोटोकॉल का अनुपालन किया जायेगा।
5– उपरोक्त नीलामी तिथि में जो तालाब अवशेष रह जाते हैं उनकी नीलामी उक्त विज्ञापन के अनुसार प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ मंगलवार को पुनः की जायेगी।

UP – 241604 दिनांक: 27/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

तहसीलदार लखीमपुर
उपजिलाधिकारी लखीमपुर

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली।

पताः– ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल विकास भवन, बरेली।

पत्रांकः–2322 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा–पत्रा0 / बाण्ड क्लर्क / 2025–26 दिनांकः– 12.11.2025

–:: निविदा सूचना द्वितीय आमंत्रण ::–

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली में भवन / सडक निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में पात्र ए0,बी0,सी0,डी0 एवं ई0 श्रेणी के निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य के लिये निविदा जमा कर सकते है।

2– तालिका के अनुसार कार्यो का विवरणः–

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) (GST सहित)	धरोहर धनराशि (रूपये में)	निविदा मूल्य समस्त करों सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	बरेली	शान्ति अग्रवाल सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कालेज रामपुर वाग, बरेली में पियाऊ निर्माण कार्य। (वि0नि0–कैण्ट क्षेत्र)	3.300	6600.00	677.00	03 माह
2	बरेली	पुलिस लाइन बरेली में पुस्तकालय का निर्माण कार्य। (सां0नि0–नगर क्षेत्र)	6.950	13900.00	766.00	03 माह

3. निविदा विक्री की अवधि रू0 दिनांकः– 08.12.2025 से 10.12.2025 तक पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय रू0 दिनांक 11.12.2025 को मध्याहन 12.00 बजे तक
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–बरेली।
6. निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 11.12.2025 अपरान्ह 12:30 बजे
अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड, बरेली।

UP – 241292 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली।

पताः– ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल विकास भवन, बरेली।

पत्रांकः– 2323 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा–पत्रा0 / बाण्ड क्लर्क / 2025–26 दिनांकः– 12.11.2025

–:: निविदा सूचना ::–

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड बरेली में भवन / सडक निर्माण कार्य हेतु ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में पात्र ए0,बी0,सी0,डी0 एवं ई0 श्रेणी के निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य के लिये निविदा जमा कर सकते है।

2– तालिका के अनुसार कार्यो का विवरणः–

क्रम सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) (GST सहित)	धरोहर धनराशि (रूपये में)	निविदा मूल्य समस्त करों सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	बरेली	ग्राम मझौआ हेतराम के मजरा ख्वाजीपुर में शांती राठौर के मकान से विजयवीर के मकान की ओर एवं लिंक गली में नन्हें लाल राठौर के मकान तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	8.090	16200.00	766.00	03 माह
2	बरेली	ग्राम पंचायत सहोडा खुर्द के मजरा इमलिया में भगवान सिंह के मकान से हरपाल सिंह के मकान तक एवं ओमकार लोधी के मकान से शेर सिंह लोधी के माकन तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	4.346	8700.00	677.00	03 माह
3	बरेली	ग्राम पंचायत रियोना सलेमपुर के मजरा सलेमपुर में डामर रोड से मोहित सिंह के घर व कस्तूरी सिंह के घर तक इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	2.890	5800.00	677.00	03 माह
4	बरेली	ग्राम पंचायत विलौआ के जमुनिया में सतीश मिश्रा के घर से डामर रोड की ओर इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	5.703	11500.00	766.00	03 माह
5	बरेली	पउनगला में कृपाल के घर से राजू सिंह के घर की ओर इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	1.100	2200.00	589.00	03 माह
6	बरेली	मेहतरपुर करोड के मजरा फतेहपुर में महावीर के घर से रज्जन के दरवाजे की ओर इण्टरलाकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–भुता)	7.734	15500.00	766.00	03 माह
7	बरेली	ग्राम–भीकमपुर में श्री रामचंद्र पंडित के मकान से श्री जय सिंह के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	3.346	6700.00	677.00	03 माह
8	बरेली	ग्राम भगवानपुर फुलवा में काले रोड़ से श्री अनिल प्रताप सिंह राणा के खेत तक खंड़जा निर्माण कार्य। (वि0नि0–फरीदपुर)	4.921	9900.00	677.00	03 माह
9	बरेली	ग्राम धनतिया विकास खण्ड– फतेहगंज पश्चिमी में शवदाह शेड का निर्माण। (एम0एल0सी0– भोजीपुरा)	3.518	7100.00	377.00	03 माह
10	बरेली	ग्राम न्योधाना विकास खण्ड फतेहगंज पश्चिमी विधानसभा भोजीपुरा में रामकिशन शर्मा की खाली जगह से राजेंद्र मिश्रा के मकान तक सी0सी0 व नाली का निर्माण कार्य। (एम0एल0सी0– भोजीपुरा)	2.170	4400.00	589.00	03 माह
11	बरेली	मोहम्मदपुर जाटव में बरेली नैनीताल मार्ग से चौ0 जितेन्द्र सिंह के खेत तक मिट्टी खडंजा कार्य (एम0एल0सी0– भोजीपुरा) (वि0ख0– भोजीपुरा)	4.087	8200.00	677.00	03 माह
12	बरेली	ग्राम चुबकिया पक्का रोड से गौटिया के स0 मुख्त्यार सिंह के मकान तक मिट्टी खडंजा कार्य (एम0एल0सी0– भोजीपुरा) (वि0ख0– बहेड़ी)	9.342	18700.00	766.00	03 माह
13	बरेली	विकास खण्ड में स्थित पर्यटन स्थल सरोवात्रर लीलौर झील का सौंदर्यरीकरण / पुर्नउद्वार हेतु एक सामुदायिक विश्राम स्थल (गजीबों) का निर्माण कार्य। (वि0नि0–रामनगर)	6.420	12900.00	766.00	03 माह

3. निविदा विक्री की अवधि रू0 दिनांकः– 08.12.2025 से 10.12.2025 तक पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय रू0 दिनांक 11.12.2025 को मध्याहन 12.00 बजे तक
5. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–बरेली।
6. निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 11.12.2025 अपरान्ह 12:30 बजे
अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

UP – 241293 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड, बरेली।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
नलकूप खण्ड द्वितीय बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या–04 / अधि0अभि0 / 2025–26

महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु उ0प्र0 सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के पात्र पंजीकृत निविदादाताओं से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु मुहरबन्द निविदायें दिनांक 09.12.2025 को अपरान्ह 4.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 10.12.2025 को अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में अपरान्ह 12.00 बजे तक उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जायेंगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में यह निविदा अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 05.12.2025 से 09.12.2025 तक सायं 4.00 बजे तक कार्य दिवस में निर्धारित मूल्य देकर कार्यालय अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड द्वितीय से प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित मात्रा	अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	धरोहर धनराशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी चार्ज सहित (रु0 में)	पंजीकृत श्रेणी
1	3	4	5	6	7	8	9
1.	Providing and fixing at foundation and testing of Crab winch manual hand operated 15ton capacity drum dia 355mm,length 1000mm, flange dia 750mm and height 1700mm for Fatehganj Pump canal District Bareilly i/c loading ,unloading and all material , labour and t&p required for proper Completion of work in all respect at Fatehganj East Pump Canal District Bareilly.	As per BOQ	8.34 + जी0एस0टी0 अतिरिक्त	17000.00	30 दिवस	225+ 18% जी0एस0टी0	''ए'' अथवा उच्च श्रेणी ''यांत्रिकी''

UP – 241221 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

(विनोद कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
नलकूप खण्ड–द्वितीय बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सीतापुर / खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर

पत्रांक :– 6214 / 352सी / ई–टेण्डर–सी0खी0 / 2025 दिनाँक 17.11.2025

ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग कार्यों हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्षाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	कार्य का नाम	निर्माण की लागत (लाख में)	अनुरक्षण की लागत (लाख में)	कार्य की लागत अनुरक्षण की लागत का योग (लाख में)	धरोहर धनराषि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	खीरी / नि0ख0–1	गुरुनानकपुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	211.10	9.22	220.32	13.02	2715.00	12 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	ए
2	खीरी / नि0ख0–1	फूलपुर सिरसी गोडियनपुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	233.20	10.72	243.92	14.20	2715.00	12 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	ए
3	खीरी / नि0ख0–1	रामपुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य।	114.40	7.50	121.90	8.10	2715.00	12 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	ए एवं बी
4	खीरी / नि0ख0–1	वजीरपुरवा कोपा मार्ग से मटेही सम्पर्क मार्ग के मध्य छूटी कडी का निर्माण कार्य।	132.00	7.78	139.78	9.00	2715.00	12 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	ए एवं बी

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 05.12.2025 से 15.12.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 15.12.2025 को समय दोपहर बाद 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 15.12.2025 को सायंकाल 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP – 241224 दिनांक: 24/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

(के0के0 झा)
अधिषासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0,
लखीमपुर–खीरी।

(सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर / खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,
सीतापुर

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली। बरेली जबरदस्त तरीके से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उड़ान भर रहा है। कभी सिर्फ फर्नीचर, सुरमा, पतंग और जरी-जरदोजी के लिए पहचाने जाने वाला जिला अब खाद्य पदार्थ, तेल, मैंथा, प्लाईवुड, रसायन समेत तमाम उद्योगों का केंद्र बनता जा रहा है। सरकारी योजनाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण बरेली का औद्योगिक चेहरा लगातार बदल रहा है। 20वीं सदी के शुरुआत में कुछ एक इंडस्ट्री से शुरू हुआ सफर आज 250 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयों तक आ पहुंचा है। इस संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बरेली की औद्योगिक यात्रा उसकी सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी प्रगति की कहानी भी है। हुनर, संसाधन और नवाचार तीनों मिलकर शहर को देष के औद्योगिक नक्शे पर स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

बरेली बन रहा औद्योगिक हबः फर्नीचर, जरी-जरदोजी और कृषि उद्योग से लेकर पेपर, खाद्य पदार्थ, रसायन उद्योग तक की दौड़

बरेलीः परंपरागत उद्यमों से माडर्न उद्योगों तक की उड़ान

बरेली में 1956 में सीबीगंज, 1960 में परसाखेड़ा के अलावा 1964 में भोजीपुरा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए। फरीदुपर रोड पर रजऊ के आसपास निजी रूप से इंडस्ट्रियल एरिया विकसित किया गया। यहां पेपर मिल, खाद्य तेल, प्लास्टिक, प्लॉईवुड समेत कई इकाइयां स्थापित हैं। परसाखेड़ा सबसे बड़ा और व्यवस्थित औद्योगिक क्षेत्र है यहां ब्रेड-बिस्कुट, खाद्य तेल, डिस्टिलरी, कन्फेक्शनरी, कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम, रासायनिक पदार्थ, समेत कई अन्य उद्योग हैं। सीबीगंज और भोजीपुरा में भी छोटे-बड़े कई उद्योग हैं। बरेली में कई रासायनिक और औषधि निर्माण इकाइयां स्थापित हुई हैं। यहाँ बनने वाले साबुन, डिटर्जेंट, दवाइयां और खाद उत्पाद स्थानीय और राष्ट्रीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं।

निजी इंडस्ट्रियल एरिया को बढ़ावा

उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार निजी इंडस्ट्रियल एरिया को प्रोत्साहन दे रही है। प्लेज योजना (प्रमोटिंग लीडरशिप एंड एंटरप्राइज फॉर डेवलपमेंट ऑफ ग्रोथ इंजंस) के तहत निजी जमीन पर औद्योगिक पार्क बनाया जा सकता है। इसमें कई तरह की छूट और सुविधाएं मिलेगी। 10 से 50 एकड़ तक जमीन वाले लोग औद्योगिक प्लेज पार्क बना सकेंगे। इसके लिए प्रति एकड़ 50 लाख का लोन एक प्रतिशत की ब्याज दर पर सरकार जमीन के मालिक को देगी। वह प्लाट बेचकर या किराए पर देकर कमाई कर सकता है। निजी पार्क में उद्योग लगाने के लिए सरकार उद्यमी को भी छूट पर लोन देती है। उद्योगपति विमल रेवाड़ी कहतें है कि रजऊ के आसपास समेत फरीदपुर रोड पर फूड प्रोसेसिंग, पेपर मिल, मोल्डेड फर्नीचर, प्लाईवुड, खाद्य तेल समेत दर्जनों उद्योग निजी जमीनों पर ही लगाए गए हैं। हालांकि यह प्लेज योजना के अंतर्गत इसलिए नहीं क्योंकि उद्योगपतियों ने खुद ही किसानों से जमीन खरीदकर अपनी फैक्ट्रियां लगाई हैं। वह कहते हैं कि यहां बिजली, सड़कों समेत कुछ बुनियादी समस्याएं हैं जिनका निदान जरूरी है। वह कहते है कि सरकार फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के लिए करीब 35 प्रतिशत सब्सिडी पर लोन देती है।

बड़ी फैक्ट्रियों का दौर

एक समय बरेली देश के बड़े उद्योगपतियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। यहां की कत्था फैक्ट्रियां पंजाब, दिल्ली, बंगाल समते अन्य राज्यों तक सप्लाई भेजती थीं। कत्था उद्योग ने बरेली को कृषि-आधारित औद्योगिक केंद्र के रूप में पहचान दी। विमको ने बरेली के औद्योगिक इतिहास में सुनहरा अध्याय जोड़ा। विमको ने आधुनिक मशीनरी, पैकेजिंग और श्रमिक प्रशिक्षण की शुरुआत की। विमको की सफलता ने यह साबित कर दिया कि बरेली में पारंपरिक कारीगरी ही नहीं मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के लिए भी बड़ी संभावनाएं हैं। इसी समय बरेली का औद्योगिक चरित्र बदलने लगा। बरेली की औद्योगिक पहचान में एक और बड़ा नाम है इफको (इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड)। 1988 में आंवला में स्थापित इफको न केवल उर्वरक उत्पादन में क्रांति लाई, बल्कि कृषि के क्षेत्र में जागरूकता, प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक को भी बढ़ावा दिया।

एमएसएमई और आधुनिक औद्योगिक दौर

इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन के चैप्टर चेयरमैन मयूर धीरवानी ने कहा कि आज बरेली सिर्फ बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं है। यहां एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। फर्नीचर, प्लास्टिक, पैकेजिंग, कनफैक्शनरी, बेकरी, हैंडक्राफ्ट, फार्मा से जुड़े सैकड़ों उद्यम चल रहे हैं। "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत ज़री-ज़रदोजी उत्पादों को विश्व बाजार तक पहुंचाया जा रहा है। युवाओं में स्टार्टअप और डिजिटल कारोबार की संस्कृति विकसित हो रही है।

परंपरागत उद्योग

परंपरागत रूप से बरेली का फर्नीचर, सुरमा और जरी जरदोजी पूरे उत्तर भारत में प्रसिद्ध है। सिकलापुर फर्नीचर की बड़ी मंडी है। फर्नीचर के काम में हजारों कारीगर कार्यरत हैं। बरेली की जरी-जरदोजी ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। यहाँ के उत्पाद दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे फैशन केंद्रों तक पहुँचते हैं। यहां से इसे अरब देशों समेत पश्चिम के दशों में निर्यात किया जाता है। सुरमा ने भी बरेली को बड़ी पहचान दिलाई है। एम हसीन हाशमी का सुरमा दृष्टि की बेहतरी के लिए रामबाण माना जाता रहा है। पतंग और मांझा के बिना बरेली की पहचान अधूरी है। बरेली की पतंग आसपास के जिलों के आसमान को भी रंगबिरंगा कर देती है। बरेली का मांझा भरोसे की गारंटी माना जाता है हालांकि चायनीज मांझा ने न सिर्फ यहां के मांझा का रास्ता रोक दिया है बल्कि कामगारों की भी कमर तोड़ दी।

भविष्य की संभावनाएं

भविष्य में बरेली को "रोहिलखंड का औद्योगिक हब" बनाने की दिशा में कार्य चल रहा है। यहाँ फूड प्रोसेसिंग पार्क, फर्नीचर क्लस्टर, और हर्बल उत्पाद इकाइयों की स्थापना प्रस्तावित है। सरकार की यह योजनाएं सफल रहीं, तो बरेली उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक नगरों में शामिल हो जाएगा। दिसंबर में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के संबंध में बरेली को करीब 15 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य मिला है। वे आ जाते हैं तो शहर का औद्योगिक नक्शा ही बदल जाएगा।

औद्योगिक टाउनशिप से मिलेगी रफ्तार

बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) बोर्ड ने शहर के विकास को नई दिशा देने के लिए दिल्ली हाईवे पर औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। कमिश्नर भूपेंद्र एस चौधरी की अध्यक्षता में 93वीं बोर्ड बैठक में औद्योगिक विकास के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके लिए सदर तहसील के रसूला चौधरी और मीरगंज तहसील के भिटौरा नौगवां, फतेहगंज पश्चिमी, चिटौली और रहपुरा जागीर गांवों की लगभग 125 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। टाउनशिप में ट्रांसपोर्ट नगर, लॉजिस्टिक पार्क, वेयरहाउस, इंडस्ट्रियल यूनिट्स, डॉरमेट्री, हॉस्पिटल फैसिलिटी, बैंक, कैफेटेरिया, फायर स्टेशन, सीयूजीएल गैस लाइन, पेट्रोल व सीएनजी पंप, ई-चार्जिंग स्टेशन समेत अनेक सुविधाएं होंगी। योजना में 18, 30 और 45 मीटर चौड़ी सड़कें भी बनाई जाएंगी।

सरकार का सहयोग बना रहा और इसी गति से निवेश जारी रहा तो बरेली अगले कुछ वर्षों में उद्योगों का प्रमुख केंद्र बन जाएगा। हालांकि उद्योगों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, कुशल श्रमिकों की कमी समेत कई समस्याएं चिंता की बात हैं लेकिन समस्याओं से पार पाकर ही उद्योग खड़े किए जाते हैं। सरकार इसी तरह निवेश को बढ़ावा देती रही, तो बरेली को उत्तर प्रदेश का मिनी-इंडस्ट्रियल कैपिटल बनने से कोई नहीं रोक सकता। - **विमल रेवाड़ी**, इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की केंन्द्रीय समिति के सदस्य

1950 के बाद से बरेली के उद्योग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर एमएसएमई की स्थापना हुइ जिसने समय के साथ-साथ अनुधिकता को अपनाया और यूपी के तीन बड़े शहरों में खुद को स्थापित किया। प्रदेश की जीडीपी में बरेली भी बड़ा योगदान दे रहा है। बरेली में बड़ी संख्या में लघु उद्योग लग रहे हैं। राज्य सरकार ने बरेली में फूड प्रोसेसिंग पार्क, फर्नीचर क्लस्टर, और हर्बल उत्पाद इकाइयों की स्थापना के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। हालात इसी तरह सही रहे तो बरेली उत्तर भारत का अगला इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर बन सकता है। - **मयूर धीरवानी**, चैप्टर चेयरमैन, इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन

25 साल पहले इंडस्ट्री एक बुरे दौर गुजरीए उस दौरान कई बड़ी इंडस्ट्री बंद हुई तो कई बंद होने के कगार पर पहुंची। वर्तमान में भोजीपुरा और परसाखेडा जैसे औद्योगिक क्षेत्र का विकास होने के बाद उद्योग तेजी से संभले। बरेली उत्तर भारत का इंडीस्ट्रियल हब बनने के लिए तैयार है। बरेली के उद्योगों का तेजी से विकास होए इसके लिए आवश्यक है कि बरेली के लिए दूसरे बडे.शहरों से उड़ानों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। चैंबर आफ कामर्स उद्यमियों का समस्या के समाधान के लिए हर समय तैयार है।

- राजीव सिंघलए अध्यक्ष, चैंबर आफ कामर्स

निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियां

परसाखेड़ा में स्थापित खाद्य तेल निर्माता बीएल एग्रो भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में है। यह बैल कोल्हू ब्रांड से खाद्य तेल और रिफाइंड ऑयल बनाती है। नरिश ब्रांड के तहत, कंपनी आटा, चावल, दालें और घी जैसे उत्पाद बनाती है। मेवे, पापड़, अचार, मुरब्बा, मसाले और रेडी-टू-ईट उत्पाद भी इसकी सूची में शामिल हैं। रामा श्यामा पेपर मिल भी बड़ी कंपनी है जो 25 वर्षों से क्राफ्ट पेपर बनाती है जिसका उपयोग पैकेजिंग उद्योग, विशेष रूप से कोरोगेटेड बाक्सों और अन्य पैकेजिंग आवश्यकताओं के लिए किया जाता है। खंडेलवाल इडेबल आयल, अशोका फोम, जल-आकाश समेत कई बड़े उद्योग बरेली की औद्योगिक पहचान में चार चांद लगा रहे हैं।

ऐसे बना उद्योगों के लिए माहौल

इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की केंन्द्रीय समिति के सदस्य विमल रेवाड़ी बताते हैं कि सबसे बड़े क्षेत्र परसाखेड़ा में करीब 1997 तक हालात बहुत अच्छे नहीं थे। उद्योग थे लेकिन उद्यम जैसा माहौल नहीं था। जड़ता थी, उड़ान भरने का उत्साह नहीं था। तब परसाखेड़ा नगर निगम के पास था। सड़कें, नालियों समेत इंफ्रास्टक्चर बेहद खराब था। बरसात का पानी फैक्ट्रियों में घुस जाता था। माल खराब हो जाता था। हमारे संगठन के बहुत प्रयासों बाद परसाखेड़ा उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम यूपीसीडा ने ले लिया। इसके बाद बदलाव आया। माहौल बना तो नए उद्यम आए। वह भाजपा सरकार को उद्योगों के लिए संजीवनी मानते हैं। कहते हैं कि अब उद्यमियों से पूछा जाता है कि आपको क्या चाहिए। वह कहते है कि हम चाहते है कि उद्योगों में 35-40 प्रतिषत की ग्रोथ हो। इसके लिए सरकार से कुछ और भी अपेक्षाएं हैं जिसके बारे में संगठन ने बात की है।

यूं हुआ औद्योगिक विकास

1900 से 1960 तक बरेली में कई बड़े उद्योग लग चुके थे। 1919 में इज्जतनगर में इंडियन वुड प्रोडक्ट्स लिमिटेड की स्थापना हुई। यहां बड़े पैमाने पर कत्था निकाला जाता था। 1924 में सीबीगंज में इंडियन टरपेंटाइन एंड रोजिन (आईटीआर) की स्थापना हुई। 1938 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (विमको) लगाई गई। इस कंपनी में बनी माचिस पूरे देश में पसंद की जाती थी। नेकपुर में 1932 में एचआर शुगर फैक्ट्री की स्थापना हुई। 1940 तक बरेली ने अपनी औद्योगिक पहचान मजबूत कर ली थी। 1960 में फतेहगंज पश्चिमी में एशिया की सबसे बड़ी रबर फैक्टरी लगी। इसके बाद समय का ऐसा पहिया घूमा कि उक्त पुराने उद्योग अलग-अलग कारणों से बंद होते रहे। सबसे बड़ा झटका रबर फैक्ट्री बंद होने से लगा। हालांकि तब तक परसाखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया विकसित हो चुका था और नए उद्योग पंख फैलाने लगे थे।

आंखों के रोगों में रामबाण माना जाता है बरेली का सुरमा

सुरमा बरेली वाला

बरेली। बरेली का सुरमा किसी पहचान का मोहताज नहीं। आंखें सुर्ख हो गई हों, पानी आ रहा हो, दर्द कर रही हों या अन्य परेशानी हो... सभी बीमारियों के उपचार में रामबाण माना जाने वाला बरेली का सुरमा दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। भले ही अब इसे आंख संबंधी ड्रॉप और दवाइयों समेत नए-नए सौंदर्य प्रसाधनों से भारी चुनौती मिल रही हो। परंपरागत रूप से अभी भी लोगों का भरोसा सुरमा पर कायम है। बरेली में हाशम परिवार ने 1794 में सुरमा बनाना शुरू किया। 1971 में कारोबार संभालने वाले चौथी पीढ़ी के सदस्य एम हसीन हाशमी ने इसे देश-विदेश में मशहूर किया। अक्टूबर 2021 में उनकी मृत्युं के बाद सुरमा बनाने का कारोबार पांचवी पीढ़ी संभाल रही है।

इन रोगों में लाभकारी : यह आँखों को स्वस्थ रखता है। दृष्टि में सुधार करता है। आँखों को ठंडक और राहत देता है। इसका उपयोग दवा के रूप में भी किया जाता है। मोतियाबिंद, नाखूना, आंखों में जलन, आंख का जाला, पानी आना, लालिमा, पीलापन, कालेपानी जैसी समस्याओं में इसका उपयोग करते हैं। अलग-अलग रोग के लिए अलग-अलग सुरमा इस्तेमाल करते हैं। सुरमा ममीरा नंबर 777, सुरमा ममीरा 500, सुरमा ममीरा 555, सुरमा मोती, सुरमा गुलाब खास, सुरमी के अलावा कई अन्य तरह का सुरमा तैयार किया जाता है।

उर्स के समय बढ़ जाती है मांग : बरेली में सुरमा रेलवे स्टेशनों से लेकर बस अड्डों, बाजारों, गली-मोहल्लों की दुकानों तक पर आसानी से मिल जाता है। बड़ा बाजार, किला रोड, कुतुबखाना, पुराना शहर, सेटेलाइट हर कहीं सुरमा बिकता है। आला हजरत के उर्स में आने वाले देश-विदेश के जायरीन बरेली की निशानी के तौर पर सुरमा खरीदकर ले जाते हैं।

गुणवत्ता ही पहचान : शावेज हाशमी कहते हैं कि सुरमा बनाने का सबसे बेहतरीन तरीका अपनाते हैं जिससे सुरमा बहुत असरदार हो जाता है। सुरमा बनाते वक्त उसकी सामग्री की गुणवत्ता से समझौता नहीं करते। इसीलिए बरेली का सुरमा पूरी दुनिया में पहचान बनाए हुए है। बरेली से करीब 10 किलो सुरमा प्रतिदिन सप्लाई हो रहा है। वह बताते हैं कि उत्तर प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली समेत कई राज्यों में बरेली के सुरमा के कद्रदान हैं। पश्चिम बंगाल में इसकी मांग न के बराबर हैं क्योंकि वहां सुरमा का चलन नहीं है।

ऐसे बनता है सुरमा

करीब 230 सालों से चले आ रहे कारोबार को संभाल रहे पांचवीं पीढ़ी के शावेज हाशमी बताते हैं कि सुरमा बनाने के लिए सऊदी अरब, मिस्र से एक खास पत्थर कोहिनूर मंगाया जाता है। पत्थर को छह महीने गुलाब जल और सौंफ के पानी में डुबोकर रखा जाता है। पत्थर को सुखाकर पीसा जाता है। इसकी 11-12 लेयर उतारी जाती हैं। आखिर में ऐसा हो जाता है कि उंगलियों के पोरों पर भी महसूस न हों। अंतिम चरण में, इसमें सोने, चांदी और बादाम का अर्क मिलाया जाता है। इसमें गुलाबजल, कपूर, ममीरा, पीपल, सौंफ आदि यूनानी एवं आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां भी शामिल की जाती हैं। आखों की अलग अलग बीमारियों के हिसाब से सुरमा तैयार किया जाता है। बताया कि दिन भर में एक आदमी एक-सवा किलो पत्थर पीस पाता है। बाकरगंज में 25 परिवार वर्षों से सुरमा पीसने के काम में लगे हैं। वह बताते हैं कि सुरमा को ड्रॉप में भी लाने का प्रयास कर रहे हैं।

बरेली में जरी जरदोजी के काम में लाखों लोगों को मिला है रोजगार

जरी-जरदोजी... सलमा-सितारों की झिलमिल चुनरिया

बरेली। बरेली परंपरागत रूप से जरी-जरदोजी का गढ़ रहा है। यहां बहुत बड़े पैमाने पर जरी का काम होता रहा है। यह उद्योग शहर की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसमें तीन से चार लाख लोग काम करते हैं। रेशम, कटदाना मोती, कोरा कसाब, तार, नक्शी, नग, मोती, ट्यूब, चनाला, जरकन नोरी, पत्तियां, दर्पण जब किसी कपड़े पर टांके जाते हैं तो मुंह से वाह-वाह निकलता है। जरी जरदोजी के कपड़ों में लहंगे, सूट, साड़ी और गाउन के अलावा सोफों के कवर, कुशन, फ्रिज कवर, जूतियां शामिल हैं, जो स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी बेचे जाते हैं। जरी की कढ़ाई वाले सूट, साड़ियों की मांग दिल्ली, जयपुर, हैदराबाद और पंजाब में सर्वाधिक हैं। अमेरिका, अरब देशों समेत यूरोप के भी कुछ देशों में भी इसकी मांग है।

घर-घर हो रहा काम : जरी-जरदोजी का काम बरेली शहर के साथ आसपास के गांवों और कस्बों में बड़ी संख्या में होता है। बरेली में खासकर पुराना शहर इसका केंद्र है। मोहनपुर ठिरिया, फतेहगंज पश्चिमी, फरीदपुर, बहेड़ी, नवाबगंज में भी बड़ी संख्या में लोग इस काम से जुड़े हैं। पुराना शहर में हजारों घरों में पूरा परिवार अड्डे पर कारचोबी करता दिखाई देता है। घर के कामों से निपटने के बाद महिलाएं-युवतियां इस काम में जुट जाती हैं और परिवार को आर्थिक संबल देती हैं। जरी-जरदोजी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है।

यूं होता है जरी का काम : कपड़े को कढ़ाई के लिए लकड़ी के एक फ्रेम में फिट करते हैं। इसे अड्डा कहा जाता है। कढ़ाई हुक जैसी नोक वाले सुआ या आरी से होती है। दाना, मोती, कटदाना, सलमा, सितारा, दबका, बड़े ध्यान से लगाने पड़ते हैं। कारीगर इतने हुनरमंद हो जाते हैं कि उनकी उंगलियां रेशम, सलमा-सितारों से खेलती लगती हैं। इसके बावजूद नजर हटी और दुर्घटना घटी वाली स्थिति होती है। इतना बारीक काम है कि कारीगरों की आंखों पर समय से पहले चश्मा लग जाता है।

मशीनों ने बढ़ाई मुश्किल

कलीम खां कहते हैं कि पैटर्न बदल रहा है जिसका असर कारोबार पर पड़ा है। कंप्यूटर से डिजाइन और मशीनों से कढ़ाई ने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इससे अड्डों में बहुत कमी आई है जिससे रोजी-रोटी प्रभावित हुई है। वह कहते हैं कि पशमीना शॉल पर जरी की कढ़ाई होती है। एक शॉल की कीमत 30 हजार रुपये तक है। कारीगर को भी अच्छा पैसा मिलता है लेकिन ये शाल आम चलन में नहीं है इसलिए बहुत लाभ नहीं। ऐसे ही कुछ अन्य कपड़े भी हैं जिनसे हमें अच्छा लाभ हो सकता है लेकिन आम लोगों की पहुंच से बाहर होने के कारण हमें आर्डर नहीं मिलते। वह कहते हैं कि जरदोजी के काम में आने वालें कच्चे माल की बढ़ रही कीमतों से भी परेशान हैं। इसके मुकाबले तैयार माल की कीमत में कोई खास बढ़त नहीं हुई।

दूसरे काम तलाश रहे कारीगर

जरी के काम में उस्ताद यूसुफ कारीगर निराशा जाहिर करते हैं। वह कहते हैं कि पहले जरी का काम घर-घर होता था। कोई चार से पांच लाख लोग इस काम में लगे थे। पूरा परिवार अड्डे पर बैठा दिखाई देता था। लेकिन अब वैसे हालात नहीं। अब साड़ियों की मांग कम हुई है। महिलाएं सूट या गाउन पहनती हैं। वैवाहिक आयोजन में लहंगा का चलन है। वे भी मशीनों से तैयार होने लगे हैं। लिहाजा कारोबार पर असर पड़ा है। दिन भर में 300 से 400 रुपये तक अड्डा उतार पाते हैं। इससे घर कैसे चलेगा। बड़ी संख्या में कारीगर ऑटो चलाने लगे या दूसरे काम कर रहे हैं। घरों में महिलाओं के जिम्मे ये काम हो गया है, ज्यादातर पुरुष दूसरे काम करने लगे। यहां के कारीगर अब पंजाब, दिल्ली समेत दूसरे शहरों में काम कर रहे हैं।

जरी के काम में सबसे महत्वपूर्ण खाका

जरी के काम में सबसे महत्वपूर्ण होता है खाका। बटर पेपर पर डिजाइन तैयार कर कपड़े पर छापा जाता है इसके बाद कढ़ाई शुरू की जाती है। खाका कारीगर राजू भाई कहते हैं कि बटर पेपर पर पेंसिल से डिजाइन बनाते हैं। इस डिजाइन को पिन या सुई से छेद कर लेते हैं।

इसके बाद खाका को अड्डे पर लगे कपड़े पर छाप लेते हैं। छापने के लिए खड़िया, मिट्टी के तेल का घोल बनाते हैं। वह कहते हैं कि कंप्यूटर डिजाइन ने मुश्किलें बढ़ाई है। लोग कंप्यूटर से ही डिजाइन का प्रिंट निकलवा लेते हैं। हालांकि बरेली में अभी कंप्यूटर से प्रिंट निकलवाने का काम उतना ज्यादा नहीं है। फिर भी असर पड़ा है।

प्रस्तुति-सुनील संवेदी/आनंद विश्वकर्मा

अगर आप केवल भविष्य के विषय में ही सोचते रहेंगे, तो वर्तमान को भी खो देंगे।
–गुरु गोबिंद सिंह

अंतरिक्षीय अपेक्षाएं

प्रधानमंत्री द्वारा विक्रम–1 ऑर्बिटल रॉकेट का अनावरण भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक निर्णायक मोड़ है। यह पहला अवसर है, जब किसी भारतीय निजी स्टार्टअप द्वारा पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित ऑर्बिटल रॉकेट को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया गया। साफ है कि देश अपने को सरकारी एजेंसी आधारित अंतरिक्ष शक्ति के रूप में सुस्थापित करने के बाद एक बहु-आयामी, नवोन्मेष–संचालित अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के रूप में भी उभर रहा है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाने से वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में छोटे, सूक्ष्म और नैनो उपग्रहों की मांग और उनकी सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले दशक में, हजारों नए उपग्रह लॉन्च होंगे।

छोटे और मध्यम श्रेणी के उपग्रह प्रक्षेपणों के लिए निजी कंपनियों के ऑर्बिटल लॉन्चर इसरो का भार काफी कम कर सकते हैं। यह क्षमता न केवल मिशनों की गति बढ़ाती है, बल्कि इसरो को वैज्ञानिक अनुसंधान पर अधिक ध्यान देने का अवसर भी प्रदान करती है। देश में निजी क्षेत्र को अंतरिक्ष गतिविधियों में प्रवेश देने का निर्णय इसरो के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद सरकार ने इन स्पेस की स्थापना की, निजी कंपनियों के लिए परीक्षण सुविधाएं खोलीं और स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया। इसके परिणामस्वरूप आज सैकड़ों छोटी-बड़ी भारतीय निजी कंपनियां, उपग्रह निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, ग्राउंड–स्टेशन नेटवर्किंग, मिशन प्लानिंग, डेटा एनालिटिक्स तथा लॉन्च सेवाओं तक के अनेक चरणों पर इसरो के साथ मिल कर कार्य कर रही हैं। इसी नयी खुली व्यवस्था का प्रभाव यह है कि आज भारतीय निजी रॉकेट कंपनियां विदेशी उपग्रहों को भी प्रक्षेपित कर रही हैं, विदेशी विश्वविद्यालयों तथा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों के तकनीकी परीक्षण कर रही हैं और वैश्विक बाजार की प्रतिस्पर्धा में अपनी जगह बना रही हैं। इससे भारत विश्व निवेशकों के लिए एक आकर्षक अंतरिक्ष-गंतव्य बनता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में अंतरिक्ष स्टार्टअप में निवेश कई गुना बढ़ा है और यह क्षेत्र अब देश की उभरती 'न्यू स्पेस इकॉनमी' का नया केंद्र बनने लगा है।

सरकार की अंतरिक्षीय अपेक्षा है कि जैसे नासा और स्पेसएक्स जैसी निजी कंपनियां साझेदारी में काम करती हैं, वैसा मॉडल विकसित करे। देश में इस तरह की साझेदारी संरचना संभव है, बशर्ते विनियामक ढांचा अधिक आधुनिक एवं तेजी से निर्णय लेने वाला और प्रतियोगी हो। हमें इस दिशा में कुछ अतिरिक्त कदम भी उठाने होंगे। अंतरिक्ष बीमा को विकसित करना, टेक–टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना, निजी खिलाड़ियों के लिए दीर्घकालिक नीति–स्थिरता सुनिश्चित करना और छोटे–मध्यम उपग्रह बाजार के लिए प्रोत्साहन योजना लागू करना, इस पूरे ईकोसिस्टम को और मजबूत कर सकता है। फिलहाल विक्रम–1 का अनावरण केवल एक रॉकेट की 'मुंह दिखाई' नहीं बल्कि यह भारत के 'नए अंतरिक्ष युग' का उद्घोष है। एक ऐसा युग, जिसमें सरकारी अनुसंधान और निजी नवाचार मिलकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रसंगवश

भारत में जेआरडी टाटा ने शुरू की आठ घंटे की शिफ्ट

29 नवंबर वह दिन है, जब आधुनिक भारत की बुनियाद रखने वाली औद्योगिक हस्तियों में सर्वोपरि, महान उद्योगपति जेआरडी टाटा (जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा) का निधन हो गया था। वे हमारे देश की उन महान शख्सियतों में से एक थे, जिन्होंने उद्योग, विमानन, विज्ञान और सामाजिक कल्याण हर क्षेत्र में देश को एक नई दिशा दी। उनको भारतीय उद्योग जगत में आधुनिकता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। भारत की पहली वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एयरलाइंस (आज की एयर इंडिया) की स्थापना का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। उनकी अगुवाई में टाटा समूह ने न सिर्फ व्यापारिक सफलता हासिल की, बल्कि कर्मचारियों के हित और सामाजिक विकास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जेआरडी टाटा को वर्ष 1992 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। भारत रत्न पाने वाले वह पहले उद्योगपति थे। उन्हें 1955 में पद्म भूषण भी प्रदान किया गया। उन्हें एफएआई गोल्ड एअर मेडल, यूएनओ के एविएशन सम्मान और फ्रांस का लीजन डी'होनूर भी मिला।

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

बहुत कम लोग जानते हैं कि वे भारतीय वायुसेना में 'ऑनरेरी एयर कमोडोर' के पद से सम्मानित किए गए थे, क्योंकि भारत की नागरिक उड्डयन नीति के निर्माण में उनका योगदान असाधारण था। जेआरडी टाटा का एक अनोखा शौक था- पत्र पढ़ना और लिखना। वे हर साल अपने कर्मचारियों के कुछ पत्र खुद पढ़ते और कई का जवाब हाथ से लिखकर देते थे। यह उनकी 'पीपल-फर्स्ट' सोच का आधार था। उन्होंने टाटा समूह के भीतर महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश, कर्मियों के लिए मेडिकल सुविधाएं, कर्मचारियों के प्रॉविडेंट फंड, लाभांश का वितरण, वर्कर्स वेलफेयर स्कीम, वर्कर्स इंश्योरेंस, टाटा स्टील में आठ घंटे की शिफ्ट (भारत में पहली बार), उद्योग में जन-कल्याण मॉडल का नया खाका जैसी व्यवस्थाएं उस समय शुरू कर दी थीं, जब भारत में इनकी कोई कानूनी बाध्यता भी नहीं थी।

वे भारत के पहले लाइसेंस प्राप्त पायलट थे। 1930 में भारत सरकार ने पायलट लाइसेंस जारी करने शुरू किए थे और जेआरडी टाटा लाइसेंस संख्या '1' के साथ भारत के पहले पायलट बने। 1932 में उन्होंने भारत की पहली निजी और वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एअर मेल शुरू की। इसकी पहली उड़ान कराची से मुंबई तक थी, जो स्वयं जेआरडी टाटा ने उड़ाई थी। बाद में यही एयरलाइन 1946 में एअर इंडिया बनी और 1948 में सरकार ने इसे राष्ट्रीय एयरलाइन का दर्जा दिया। सरकारीकरण के बाद भी जेआरडी टाटा लंबे समय तक एयर इंडिया के चेयरमैन रहे।

1938 में मात्र 34 वर्ष की आयु में वे टाटा सन्स के चेयरमैन बने। उनके नेतृत्व में टाटा समूह 13 कंपनियों से बढ़कर 70 से अधिक कंपनियों का विशाल औद्योगिक परिवार बना। उनकी सोच केवल लाभ कमाने तक सीमित नहीं थी, नेशन फर्स्ट (देश पहले) सिद्धांत उनकी हर नीति का आधार था।

वे उद्योग को केवल आर्थिक मशीन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संस्था मानते थे। उनका विचार था कि जब आप कोई उद्योग चलाते हैं, तो आप केवल एक कंपनी नहीं चलाते, बल्कि समाज के जीवन स्तर को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने टाटा समूह को कॉरपोरेट सोशल रेस्पान्सिबिलिटी (सीएसआर) का अग्रदूत बनाया। वास्तव में वे वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति के पैरोकार थे तथा वे भारत में विज्ञान और शोध के बड़े समर्थक थे।

नई श्रम संहिताएं सुधारों की ऐतिहासिक पहल

त्रिवेंद्र सिंह रावत
सांसद, हरिद्वार

चार श्रम संहिताएं भारत में श्रम बाजार का व्यापक, आधुनिक और संतुलित सुधार हैं। इनका लक्ष्य उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना है और दूसरी ओर श्रमिकों को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना है।

भारत के श्रम कानूनों को काफी पुराना माना जाता है। आजादी के बाद से कामगार वर्ग की स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, फैक्ट्री अधिनियम 1881 का अपडेट 1948 प्रभावी रूप से लागू हुए, उस समय की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां आज की तुलना में बिल्कुल भिन्न थी। उस समय देश में असंगठित क्षेत्र का विस्तार काफी बड़ा था, मजदूरों का कानूनी संरक्षण कमजोर था और वेतन निर्धारण के लिए कोई स्पष्ट राष्ट्रीय ढांचा मौजूद नहीं था उस दौर में इन अधिनियमों ने मजदूरों को कानूनी शक्ति दी।

समय के साथ अर्थव्यवस्था के बदलते ढांचे, लगातार बढ़ता औद्योगिकरण, सेवा क्षेत्र का विस्तार, अनौपचारिक श्रम की बढ़ती संख्या, आधुनिक कार्य स्थलों की ज़रूरतें यह स्पष्ट कर रही थी कि 1948 के कानून आज की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी सीमित हैं। इस दिशा में वर्ष 1999 और 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने श्रम कानूनों के सलीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की, जिसका काफी लाभ श्रमिकों को मिला।

इस वर्ष 21 नवंबर से लागू चार श्रम संहिताएं संसद द्वारा पांच-छः वर्ष पूर्व पारित की गई थीं, जिसमें वेज कोड-2019, औद्योगिक संबंध संहिता-2020, सामाजिक सुरक्षा संगीता-2020, व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य एवं कार्य स्थल स्थित संहिता- 2020 दशकों पुराने बिखरे हुए और जटिल श्रम कानून में बदलाव कर उन्हें आज के परिदृश्य के अनुरुप तैयार किया गया था। संसद से पारित होने के उपरांत पिछले पांच वर्षों से लगातार श्रमिक संगठनों और विभिन्न स्टेट होल्डर्स के साथ संवाद एवं चर्चा करने के बाद अब लागू किया जाना एक ऐतिहासिक कदम है। ये चार श्रम संहिताएं स्वतंत्रता के बाद अलग-अलग कालखंड में लगभग 40 से 77 वर्ष पुराने समय में बने 29 कानूनों को आज की तकनीक चलित, सेवा क्षेत्र प्रधान, वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाली अर्थव्यवस्था के अनुरूप तैयार किया गया है।

यह मुख्यतः वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, और व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संहिता हैं, इन संहिताओं से श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्य स्थल और समय पर भुगतान जैसी बुनियादी सुविधाओं की गारंटी सुनिश्चित होगी। इन संहिताओं की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सरलता और एकरूपता है, जिससे नियमों का अनुपालन अधिक पारदर्शी होगा। इससे कर्मचारियों को अपने अधिकार समझने में आसानी होगी और नियोक्ताओं को कानून की अस्पष्टताओं से मुक्ति मिलेगी। नए श्रम सुधार केवल कानूनों में परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि देश के श्रम बाज़ार, औद्योगिक संरचना और सामाजिक सुरक्षा के भविष्य को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास हैं।

इन श्रम सुधारो का प्रभाव संक्षेप में निम्नवत समझा जा सकता है-

1. श्रम कानूनों का सरलीकरण- श्रमिकों के अधिकारों का सुदृढ़ीकरण न्यूनतम वेतन, समान वेतन, समय पर भुगतान जैसे अधिकार अधिक स्पष्ट और लागू करने योग्य बने हैं। ई-पंजीकरण और डिजिटल रिकॉर्ड के कारण पारदर्शिता बढ़ेगी तथा श्रमिकों का शोषण कम होगा। ठेका श्रमिकों, प्लेटफॉर्म व गिग वर्करों को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में प्रावधान किए गए हैं।

2. वेज कोड (वेतन कोड) सामाजिक सुरक्षा संहिता- ईएसआई, ईपीएफओ, मातृत्व लाभ, ग्रेच्युटी जैसी योजनाओं में अधिक श्रमिकों को शामिल करने की व्यवस्था असंगठित क्षेत्र को इसमें शामिल करना, जो भारत के कुल श्रमिकों का लगभग 90% से अधिक है, वे अधिक प्रभावी तरीके से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ सकेंगे।

3. उद्योगों के लिए 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' अनुपालन की प्रक्रियाएं डिजिटल होने से उद्योगों पर प्रशासनिक बोझ घटेगा। निरीक्षण का जोखिम और पारदर्शी सिस्टम भ्रष्टाचार को रोकेगा। इससे निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में मदद मिलेगी।

4. औद्योगिक संबंधों में स्थिरता विवाद समाधान, पुनर्गठन, छंटनी और पुनर्नियोजन से जुड़े प्रावधानों को अधिक स्पष्ट बनाया गया है। स्थायी उद्योगों में स्ट्राइक/लॉकआउट से संबंधित नियमों को संतुलित रूप से व्यवस्थित किया गया है, जिससे उत्पादन बाधित होने की संभावना कम होगी। इससे उद्योग और श्रमिक—दोनों के लिए स्थिर और सुरक्षित वातावरण बनाना आसान होगा।

5. व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर फोकस, हर प्रकार के खतरनाक, निर्माण संबंधी, फैक्ट्री और बहु-प्रतिष्ठान कार्यों में सुरक्षा मानकों पर अधिक स्पष्ट दिशा-निर्देश और आधुनिक तकनीक को वैश्विक मानकों के अनुरूप सुरक्षा नियमों को समाहित किया गया है, इससे मजदूरों के हित सुरक्षित होंगे।

6. असंगठित और नई अर्थव्यवस्था के श्रमिकों को पहचान, गिग वर्कर, प्लेटफॉर्म वर्कर, प्रवासी मजदूर, घरेलू कामगार- इन सबके लिए डेटाबेस, पोर्टल और सुरक्षा योजनाएं सुनिश्चित करने का रास्ता खुलेगा जो भविष्य में काम की बदलती प्रकृति (Digital Economy, App-based Work) के लिए कानूनों के ढांचे से सुरक्षित करेगा।

7. आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में सरल कानून और सुरक्षित श्रमिक से दोगुना लाभ होगा यह रोजगार सृजन, निवेश वृद्धि और उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। यह सुधार भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक होंगे।

चार श्रम संहिताएं भारत में श्रम बाजार का व्यापक, आधुनिक और संतुलित सुधार हैं।

आमने सामने

किसी परिवार में आरक्षण तब तक जारी रखा जाना चाहिए, जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण पिता अपनी बेटी का दान न कर दे और वह उनके साथ रिश्ता न जोड़े। रोटी–बेटी का रिश्ता होने तक सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण जारी रखा जाना चाहिए।
–संतोष वर्मा
आईएएस, मध्य प्रदेश

एक आईएएस अधिकारी द्वारा 'बहन एवं बेटियों' को लेकर की गई टिप्पणी अत्यंत आपत्तिजनक, असंवेदनशील और समाज में अनावश्यक विभाजन पैदा करने वाली है। किसी भी समाज के बहन एवं बेटियों के विरुद्ध ऐसी टिप्पणी विकृत मानसिकता का परिलक्षण है।
–राजेंद्र शुक्ल
डिप्टी सीएम, मध्य प्रदेश

खतरनाक होगा मेहमान पंछियों का फिर न आना

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

प्रवासी पक्षियों का आना शुरू ही हुआ था कि कोई 70 का मृत शरीर झील पर तैरता मिला। कई पीढ़ियों से भारत के जाड़े के मौसम में दूर देश से आने वाले पंछियों के लिए राजस्थान की सांभर झील अचानक कब्रगाह बन गई है।

इस साल प्रवासी पक्षियों के आने का सिलसिला शुरू ही हुआ था कि कोई 70 का मृत शरीर झील पर तैरता मिला। कई पीढ़ियों से भारत में जाड़े के मौसम में दूर देश से आने वाले पंछियों के लिए राजस्थान की सांभर झील अचानक कब्रगाह बन गई है। 2019 में तो यहां हजारों पक्षी मारे गए थे। पिछले साल यहां कोई 200 पक्षियों के मरने का आंकड़ा दर्ज है। इस साल मारे गए पक्षियों की जांच के लिए सैंपल सेंटर फॉर एनिमल डिजीज रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक्स लैब, बरेली को भेजे गए, तो आशंका पुष्ट हो गई कि पक्षियों की मौत का कारण वही एवियन बोटुलिज्म है, जिसके कारण बीते कई सालों से मेहमान परिंदों के लिए सांभर झील कब्रगाह बनती जा रही है।

इस बात की परवाह किसी को नहीं है कि भारत में विदेशी पक्षियों के सबसे बड़े ठिकाने में से एक सांभर झील आने वाले मेहमानों की संख्या लगातार घट रही हैं। वैसे यहां कोई ढाई सौ प्रजाति के पक्षी आते रहे हैं, लेकिन इस बार यह संख्या 110 ही है। शायद कुदरत ने इन बेजुबान जानवरों को संभावित खतरे को भांपने की क्षमता भी दी है, तभी वे झील के नैसर्गिक स्वरूप में हो रही छेड़छाड़ से शायद सशंकित हो रहे हैं। यह सभी जानते हैं कि आर्कटिक क्षेत्र और उत्तरी ध्रुव में जब तापमान शून्य से चालीस डिगरी तक नीचे जाने लगता है, तो वहां के पक्षी भारत की ओर आ जाते हैं। ऐसा हजारों साल से हो रहा है, ये पक्षी किस तरह रास्ता पहचानते हैं, किस तरह हजारों किलोमीटर उड़ कर आते हैं, किस तरह ठीक उसी जगह आते हैं, जहां उनके दादा-परदादा आते थे, विज्ञान के लिए अनसुलझी पहेली की तरह है।

भारत की सबसे विशाल खारे पानी की झील 'सांभर' का विस्तार 190 किलोमीटर, लंबाई 22.5 किलोमीटर है। इसकी अधिकतम गहराई तीन मीटर तक है। अरावली पर्वतमाला की आड़ में स्थित यह झील राजस्थान के तीन जिलों- जयपुर, अजमेर और नागौर तक विस्तारित है। सन् 1996 में 5,707.62 वर्ग किलोमीटर जल ग्रहण क्षेत्र वाली यह झील सन् 2014 में 4700 वर्ग किमी में सिमट गई। चूंकि भारत में नमक के कुल उत्पादन का लगभग नौ फीसदी- 196000 टन नमक यहां से निकाला जाता है, अतः नमक-माफिया भी यहां की जमीन पर कब्जा करता रहता है।

इस विशाल झील के पानी में खारेपन का संतुलन बना रहे, इसके लिए इसमें मैया, रूपनगढ़, खारी, खंडेला जैसी छोटी नदियों से मीठा पानी लगातार मिलता रहता है, तो उत्तर में कांतली, पूर्व में बांदी, दक्षिण में मासी और पश्चिम में लूणी नदी में इससे बाहर निकला पानी जाता रहा है। दीपावली बीतते ही यहां विदेशी मेहमानों के झुंड आने शुरू हो जाते हैं। पक्षियों में एवियन बॉटुलिज़्म नामक रोग मूल रूप से मांसाहारी नभचरों में होता है। यह बीमारी क्लोस्ट्रिडियम बॉट्यूलिज्म नाम के बैक्टीरिया की वजह से फैलती है। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि सांभर झील के जल में लगातार प्रदूषण की मात्रा बढ़ने से भी यह स्थान पक्षियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा है।

पुराने अनुभव बताते हैं कि यहां पर पक्षियों की मौत का एक कारण 'हाईपर न्यूट्रिनिया' भी रहा है। नमकीन जल में सोडियम की मात्रा ज्यादा होने पर, पक्षियों के तंत्रिका तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। वे खाना-पीना छोड़ देतें हैं व उनके पंख और पैर में लकवा हो जाता है। कमजोरी के चलते उनके प्राण निकल जाते हैं। अभी तक तो यही हुआ है कि पक्षियों की प्रारंभिक मौत हाइपर न्यूट्रिनिया से ही हुई। बाद में उनमें एवियन बॉटुलिज़्म के जीवाणु विकसित हुए और ऐसे मरे पक्षियों को जब अन्य पंछियो ने भक्षण किया तो बड़ी संख्या में उनकी मौत हो गई।

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. आबिद आली के मुताबिक साल 2024 की तरह 2025 में त्रासदी का प्रारंभ सांभर के नमक वाले इलाके से हुआ है। झील में प्रवेश करने वाला औद्योगिक अपशिष्ट, जिसमें भारी धातुएं और रासायनिक तत्व होते हैं, पक्षियों की तंत्रिका प्रणाली को प्रभावित करता है। नमक की उच्च सांद्रता से पक्षियों के पंखों पर क्रिस्टल जम जाते हैं, जिससे हाइपोथर्मिया या डूबने से मौत हो जाती है। याद करें सन् 2010 में भी लगभग इसी तरह हुई पक्षियों की मौत के बाद गठित कपूर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर अमल नहीं हुआ।

दो साल पहले भी हाई कोर्ट ने सांभर झील को रामसर साईट घोषित किए जाने के बाद अर्थात 24 मार्च 1990 के बाद इस झील पर दी गई लीज, निर्माण, अवैध कब्जों की जानकारी और झील को अतिक्रमण से बचाने के उपायों की भी जानकारी मांगी है। सरकार ने आधी अधूरी जानकारी दी और झील का पानी और खराब होता गया। सांभर झील के पर्यावरण के साथ लंबे समय से की जा रही छेड़छाड़ भी पक्षियों के यहां से मुंह मोड़ने का बड़ा कारण है। एक तो सांभर साल्ट लिमिटेड ने नमक निकालने के ठेके कई कंपनियों को दे दिए, जो मानकों की परवाह किए बगैर गहरे कुंए और झील के किनारे दूर तक नमकीन पानी एकत्र करने की खाई बना रहे हैं। फिर परिशोधन के बाद गंदगी को इसी में डाल दिया जाता है।

विशाल झील को छूने वाले किसी भी नगर-कस्बे में घरों से निकलने वाले गंदे पानी को परिशोधित करने की व्यवस्था नहीं है और हजारों लीटर गंदा-रासायनिक पानी हर दिन इस झील में मिल रहा है।

सोशल फोरम

आर्किमिडीज की दो हजार साल पुरानी किताब

14 अप्रैल, 1229ः लगभग 800 साल पहले एक भिक्षुक ने कुछ पुराने चर्मपत्रों को साफ करके, उन पर लिखी लिपि को मिटाकर, एक नयी प्रार्थना पुस्तक लिखी थी। उस समय पुस्तकों का ऐसा पुनर्प्रयोग एक आम बात थी। 800 साल के बाद यह पुस्तक वर्तमान के तुर्की में एक डेनिश वैज्ञानिक 'योहान लुडविग' को मिली। पुस्तक के सूक्ष्म निरीक्षण से उन्हें आश्चर्य हुआ, क्योंकि अक्षरों के नीचे मिटाए गए कुछ ऐसे धुंधले इंप्रेशंस थे, जो यह इशारा कर रहे थे कि पुस्तक का संबंध प्राचीन ग्रीस से है। मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजिंग और एक्स-रे तकनीक की सहायता से यह पता चला कि यह पुस्तक वास्तव में कैल्कुलस की मूल अवधारणाओं पर लिखी गई किताब थी, जिसे 2000 साल पहले महान ग्रीक वैज्ञानिक आर्किमिडीज ने लिखा था।

विजय सिंह ठकुराय
ब्लॉगर

अगर उस भिक्षुक ने इस पुस्तक को नष्ट नहीं किया होता तो क्या कैल्कुलस न्यूटन से कई शताब्दी पहले ही खोज लिया जाता? क्या हम ज्ञान-विज्ञान के स्तर पर समय से आगे होते? यकीन के साथ तो नहीं कहा जा सकता, पर यह तय है कि कुछ दुर्योग अपरिहार्य हैं, इतिहास के कुछ पन्ने खो जाना ही शायद नियति का अंग है।

समूचे ब्रह्मांड का आकार निरंतर बढ़ रहा है। प्रति दस लाख प्रकाश वर्ष के क्षेत्र में हर क्षण लगभग 22 किमी का नया 'स्पेस' ब्रह्मांड के आकार में जुड़ जाता है। वर्तमान में हम किसी भी दिशा में ब्रह्मांड के 47 अरब प्रकाश वर्ष लंबे हिस्से को टेलिस्कोप की मदद से देख सकते हैं। इस सीमा का दायरा भविष्य में अधिकतम 62 अरब प्रकाश वर्ष होगा। अर्थात, 62 अरब प्रकाश वर्ष के परे का ब्रह्मांड हमारे लिए सदैव एक रहस्य ही रहेगा। कारण- 62 अरब प्रकाश वर्ष के बिंदु से परे का ब्रह्मांड प्रकाश गति से भी तेज हमसे दूर भाग रहा है। हमने ब्रह्मांड के बारे में आज तक जो जाना, उसका एकमात्र स्त्रोत आसमान में आकाशगंगाओं के रूप में अपनी आभा बिखेरती ये अनंत रोशनियां ही हैं। पर एक समय ऐसा आएगा, जब देखने के लिए क्षितिज पर कुछ होगा ही नहीं। आज से कुछ अरब साल बाद हमारे लोकल ग्रुप की 50 आकाशगंगाएं मिलकर एक महाविशालकाय संयुक्त गैलेक्सी को जन्म देंगी, पर ब्रह्मांड की अन्य समस्त आकाशगंगाएं क्षितिज से ओझल हो चुकी होंगी।

समय का चक्र अटल है। संयोग और दुर्योग घटित होते हैं और समय के कुछ पन्ने हमेशा के लिए खो जाना ही नियति है।

सामयिकी

गुम होते इंसान और खामोश पड़ा तंत्र

रहस्यमय ढंग से गुमशुदा होते लोगों को धरती निगल रही है या आसमान खा रहा है? ये सवाल गुजरे बीते महीनों से चर्चा में है। भारत में गायब लोगों के आंकड़ों में करीब 42 फीसदी का इजाफा हुआ है, जो अपने आप में अचंभित करता है। 'नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो' की रिपोर्ट की मानें तो इस साल पूरे देश में एक लाख 16 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। इजाफे की गति ने ही वैश्विक स्तर पर लापता लोगों के मामले में भारत को दूसरे पायदान पर पहुंचा दिया है। गुमशुदगी में राजधानी दिल्ली अव्वल है, लेकिन अछूता कोई प्रदेश नहीं है। चाहे मैदानी राज्य हों या पहाड़ी? हर जगह से लोग नियमित गायब हो रहे हैं। बरामदगी का आंकड़ा बहुत धीमा है। ये कृत्य निश्चित रूप से बदनामी का ऐसा तमगा है जो किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं है।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तराखंड के हालात तो और भी खराब बताए गए हैं। वहां रोजाना तीन लोग रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे है। उनका रिकवरी रेट भी बहुत कम है। असंख्य लोगों का गायब होना और किसी का सुराग न लगना, अपने आप में चौकाता है। जबकि, वर्षों से निर्धन या अति पिछड़े देशों में गायब लोगों के संबंध में हम सुनते आते थे, जिनमें अफगानिस्तान, बलूच, पाकिस्तान, बाग्लादेश, योगांडा व कुछ अफ्रीकी देश शामिल थे। लोगों के गायब होने खतरा भारत में एकाध दशकों से ज्यादा बढ़ा है। मेघालय, सिक्किम जैसे शांत प्रदेशों तक से लोग लापता हो रहे हैं। वहीं, दिल्ली में इसी साल पिछले मात्र 210 दिनों में आठ हजार के करीब लोग गायब हुए, जिनमें सिर्फ 290 लोग ही खोजे जा सके।

गुमशुदगी को लेकर विभिन्न प्रदेशों की सरकारों से लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा भी अनोखी थ्योरी को सुलझाने में नाकाम है। खोजबीन और तमाम कोशिशों के बावजूद भी उनकी जांच-पड़ताल बेनजीता साबित हो रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद भी लापता लोगों का सिलसिला रुकने के नाम नहीं ले रहा। गुमशुदगी के ताजे आंकड़े एनसीआरबी के अलावा 'जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क' (जिपनेट) ने भी जारी किए हैं, जिनसे न सिर्फ शासकीय महकमों में खलबली है, बल्कि जनमानस में भी डर बैठा है। आंकड़ों में ऐसे अनगिनत नौनिहाल भी हैं, जो या तो पार्कों में खलने गए या टयूशन से पढ़कर वापस ही नहीं आए। बिहार, पंजाब, राज्यस्थान, तेलंगाना, हरियाणा में 2022-23 और 2023-24 के आंकड़ों में 22 फीदसी बढ़ोतरी भी चिंता बढ़ाती है।

गायब व्यक्तियों के प्रस्तुत आंकड़ों में जिपनेट ने एक और बात डरावनी कही है। विक्षिप्त किस्म के और बुजुर्ग वर्ग के जितने भी शव पुलिस को बरामद हुए, उनमें चौंकाने वाली बात ये निकली, उन ज्यादातर शवों में किडनियां गायब मिलीं। ये मामला सीधे-सीधे मानव तस्करी और किडनी गैंग से जुड़ा प्रतीत होता है। समय-समय पर ऐसी खबरें आती भी रहती हैं कि बड़े अस्पतालों में अप्रत्यक्ष रूप से किडनी गिरोह सक्रिए है? जो किडनियों की डिमांड को पूरा करने के लिए बुजुर्गों, मजदूरों, विक्षिप्तों और निर्बलों को टारगेट करते हैं।

देशभर के नामी बड़े अस्पताल इन हरकतों में बदनाम रहे भी हैं। किडनी चोर का बड़ा गैंग कुछ वर्षों पहले एक्सपेज भी हुआ था, जिसके आका को पुलिस ने नेपाल से धरा था। 2024-25 के लापता आंकड़ों में पश्चिम बंगाल और असम के हालात तो और भी डरावने बताए गए हैं। गौरतलब है कि गायब लोगों के मामलों में दिल्ली का आंकड़ा बेहद चिंताजनक है। पहली जनवरी से लेकर 23 जुलाई 2025 के बीच सात हजार 880 लोग गायब हुए हैं। इससे केंद्र सरकार भी चिंतित है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

मेघालय की मनोरम जयंतिया पहाड़ी

मेघालय की राजधानी शिलांग से कोई 275 किलोमीटर दूर पश्चिम जयंतिया हिल्स बेहद ही मनोरम स्थान है। जिले में बेहद ऊंची पहाड़ी पर विराजमान शक्तिपीठ, जहां आम दिनों में तो सन्नाटा रहता है, लेकिन नवरात्र के दौरान यहां भक्तों का बड़ा सैलाब उमड़ता है और फिर रौनक देखते बनती है। पूजा-अर्चना, साधना, अराधना, भजन-कीर्तन और देवी मां के जयकारे के बीच बलि भी अर्पण की जाती है। चार दिन केले के पेड़ की पूजा कर उसे पास की नदी में विसर्जित कर दिया जाता है। वहां की सरकार सहयोग करती है। यहां आध्यात्मिक ऊर्जा महसूस की जा सकती है।

-शैलेश अवस्थी, वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

छह सौ साल पहले राजा ने बनवाया था मंदिर

पुजारी अनिल देशमुख के मुताबिक कोई छह सौ साल पहले यहां राजा धन मनिक का साम्राज्य था। कहा जाता है कि उन्हें सपने में देवी ने दर्शन दिया और बताया कि जयंतिया पहाड़ी पर वह विराजमान हैं, वहां भवन बनवा दें। राजा ने वहां भव्य दुर्गा मंदिर का निर्माण करवाया और पूजा-अर्चना शुरू हो गई। 1987 में केंद्र सरकार ने इसका जीर्णोद्धार करवाया। अथिति गृह, पेयजल और वहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क भी बनवाई। पहाड़ियों के बीच बने इस मंदिर के आसपास का दृश्य बेहद मनोरम है। हरियाली और झरने मनमोहक हैं।

यहां गिरी थी देवी सती की बाईं जंघा

मान्यता है कि इस स्थान पर देवी सती की बाईं जंघा गिरी थी। इसी कारण यह 51 शक्तिपीठ में से एक है। भगवान शंकर जब देवी सती का शव उठाकर ब्रह्मांड में दुखी होकर विचरण कर रहे थे, तो शव के अंग 51 स्थानों पर गिरे और वे स्थान शक्तिपीठ कहलाए। उनमें से एक यह भी है। अमूमन श्रद्धालु असम के गुहावटी में स्थित मां कामाख्या के दर्शन कर लौट जाते हैं, लेकिन इस शक्तिपीठ की जानकारी न होने से यहां तक नहीं पहुंच पाते हैं।

अखंड ज्योति, पूजा-अर्चना और बलि भी

इस मंदिर में नवरात्र में उत्सव के दौरान बलि भी दी जाती है और इसके लिए खासतौर पर स्थान बनाया गया है। भजन-कीर्तन, पूजा, साधना और भंडारा होता है। देवी को अर्पण करने के लिए शृंगार का सामान मिलता है। ताजे फूल तो अमूमन नवरात्र में मिलते हैं। यहां बंगाल और असम के श्रद्धालुओं का जमावड़ा खासतौर पर होता है। यहां देवी दुर्गा के अलावा हनुमान, राम और कृष्ण जी की भी प्रतिमाएं स्थापित हैं। बेहद शांत इस स्थान को ध्यान और अराधना के लिए खास माना जाता है।

इस तरह पहुंच सकते हैं आप

गुहावटी तक ट्रेन या हवाई जहाज तक पहुंच सकते हैं। फिर टैक्सी से 275 किलोमीटर दूर जयंतिया जिले में स्थित इस शक्तिपीठ तक पहुंचा जा सकता है। चाहें तो शिलांग ठहर कर वहां के नजारे देख सकते हैं और फिर वहां से चेरापूंजी भी जा सकते हैं। पहाड़ी तक पक्की सड़क है और वाहन वहां तक जाते हैं।

सारा मोटिवेशनल ज्ञान हुआ फुस्स

जॉब का पहला दिन

अपनी नौकरी के पहले दिन को याद करना ठीक अपनी पहली प्रेमिका को याद करने जैसा है। जब मुझे नौकरी मिली तो उस समय मुझे ऐसा लगा कि मेरी नौकरी मिलने में मेरे हथेली की किसी प्रबल भाग्य रेखा का प्रबल योगदान रहा हो। दरअसल मेरे स्नातक करते ही मुझे नौकरी मिल गई थी और उस समय मेरी उम्र बमुश्किल चौबीस वर्ष थी। मेरे शरीर का भूगोल भी मेरी उम्रानुसार था। यहां उम्रानुसार से मेरा तात्पर्य यह है कि मेरा शरीर आज के सिक्स पैक की तरह या एट पैक की तरह नहीं था, लेकिन ऐसा भी दुबला-पतला नहीं था कि कोई देखते ही मुझे दधीचि कह दे।

खैर! मैंने नौकरी पर जाने से पहले उस समय के सबसे चर्चित मोटिवेशन की किताब लिखने वाले कुछ एक बड़े और चर्चित लेखकों की 'नौकरी पर पहले दिन कैसे जाए' की तीन-चार किताबें बुक स्टॉल से लाकर खूब पढ़ी और इसके गहन अध्ययन के बाद जब मैं नौकरी के पहले दिन समय ऑफिस के गेट पर पहुंचा, तो मेरे सारे किताबी ज्ञान का टॉवर ऐसे ध्वस्त हुआ कि जैसे किसी शहर की अवैध बिल्डिंग को सरकारी आदेश पर बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया गया हो। दरअसल उस किताब के किसी भी पैराग्राफ में यह कही भी नहीं लिखा हुआ था कि जब आप पहले दिन नौकरी पर जाएं तो आपको ऑफिस गेट पर बैठा हुआ गेटमैन जब नीचे से लेकर ऊपर तक आपको ऐसे देखे कि जैसे वह आपका एक्सरे निकाल रहा हो तब ऐसे में आप क्या करें?

खैर! उसके इस तरह के व्यवहार करने के पीछे उसकी अपनी कोई विभागीय गलती नहीं थी। मैं देखने से ही उस समय मिस मैच सा एक नौजवान लग रहा था। यानी उम्र और मेरे शरीर का उस समय पहने हुए शूट से मेल नहीं खा रहा था, जबकि इस शूट को खरीदने और सिलवाने के लिए मैंने शहर के सारे शूट स्पेशलिस्ट के यहां ऐसे यात्रा की कि जैसे कोई आधुनिक विदेशी यात्री ह्वेनसांग भारत में नौकरी पर पहले दिन शूट पहनकर जाने का वर्णन अपनी किसी शूट यात्रा की किताब में करने के लिए के लिए वह भारत की यात्रा पर आया हो। थोड़ी देर बाद मैंने अपनी झिझक छिपाते हुए गेटमैन से कहा कि मैं बैंक की इस शाखा का नया पीओ हूं, तो वह ससम्मान अपनी जगह से उठा और मुझे अपनी निर्धारित सीट पर बिठा आया।

अभी मुझे अपनी कुर्सी पर बैठे कुछ ही देर हुआ था कि एक-एक कर सारे कर्मचारी आकर अपनी-अपनी निर्धारित सीट पर बैठ गए, लेकिन एक बात जो मैंने उन सभी की आंखों में नोट की वह बात उन सभी का हूबहू गेटमैन की तरह ही मुझे अपनी तरफ देखना था। उनके इस तरह से देखने की वजह से मेरी हथेली मेरे लाख प्रयास करने के बावजूद भी थोड़ी बहुत पसीने से भीग चुकी थी, जबकि उस समय ऑफिस का एसी चल रहा था। अभी मैं इस हादसे से दो-चार था ही कि तभी मेरी मेज के पास आकर चपरासी ने जैसे ही कहा कि सर! आपको मैनेजर साहब ने अपनी केबिन में बुलाया है। यह सुनते ही मेरे चेहरे की दिवाल घड़ी जो अभी तक ठीक-ठाक चल रही थी, वह ऐसे हो गई जैसे बारह बजने वाले कांटे पर आकर बिगड़ गई हो।

अब चूंकि मैनेजर साहब ने बुलाया था, तो जाना ही था। सो कुर्सी से उठने से पहले मैंने अपने कंपनग्रस्त पैरों के अघोषित कंपन के प्रभाव को कम करने के लिए मैंने अपने जीवन की पहली बांधी हुई टाई को तीन-चार बार दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे ऐसे खींचा की जैसे इसके खींचने से मेरे आत्मविश्वास का गिरा हुआ प्लेटलेट साढ़े तीन लाख पार कर जाएगा। फिर मैं मैनेजर के केबिन की तरफ ऐसे चल पड़ा कि जैसे सोलह वर्ष के सचिन तेंदुलकर को मैंने पहली बार बैटिंग करने के लिए क्रिकेट मैदान में उतरते हुए टीवी पर देखा था।

मै आई कम इन सर? यस! कम इन। टेक योर सीट। मैं उनके इतना कहते ही कुर्सी पर ऐसे बैठ गया कि जैसे मैं किसी रिमोट से कुर्सी पर उठने और बैठने के लिए ही बना हुआ हूं या बनाया गया हूं। थोड़ी देर बाद उन्होंने मेरी तरफ देखा और चपरासी को बुलाकर उन्होंने मिठाई और नमकीन का ऑर्डर देने के साथ ही उन्होंने चपरासी से कहा कि इसे लेने जाने से पहले सभी को मेरी केविन में भेज दो। जब सभी लोग केबिन में आ गए, तो उन्होंने मेरा सभी से परिचय इतनी आत्मीयता और सहजता से कराया कि जैसे मैं उन सभी का कोई अपना ही हूं। इस बीच मैंने यह भी महसूस किया कि मैनेजर साहब बात में से बात निकालने और बनाने के पूरे सिद्ध पुरुष हो, क्योंकि उनकी हर तीसरी और चौथी बात पर सारा स्टॉप ऐसे हंस रहा था कि उतना तो शायद इस समय टीवी पर आ रहे कपिल शर्मा के लाफ्टर शो को देखने के बाद भी लोग नहीं हंसते होंगे। फिर मुझे थोड़ी देर बाद लगा कि जैसे उन्होंने जान बूझकर अपने हंसने और हंसाने की मात्रा थोड़ी सी कम कर दी हो ताकि उस केबिन में उनके हंसने और हंसाने की वजह से कोई हंसियोचित दुर्घटना न घटित हो जाए। इस बीच मैं कब सहज हो गया इसका मुझे कुछ पता ही नहीं चला। तभी उन्होंने मुझसे मुखातिब होते हुए कहा कि बरखुरदार! उनका बरखुरदार कहने का अंदाज भी बिल्कुल हिंदी सिनेमा के अजीत की तरह था।

उन्होंने मुझे कलम पकड़ाते हुए कहा, "आप अपनी नौकरी के पहले दिन का यह बेशकीमती तोहफा मेरी तरफ से कुबूल करें और यह हमेशा याद रखें, जब हम नौकरी के समय अपनी कुर्सी पर बैठकर इस कलम को खोलते हैं तब हम सभी उम्र नहीं उस नौकरी और उस कुर्सी की जिम्मेदारी होते है। नौकरी में हर दिन हम नया सीखते हैं।" मैं उनकी बातों से समझ गया कि उनकी अनुभवी आंखें यह भांप गई हैं कि अपनी नौकरी के पहले दिन कैसे जाएं? इस पर मैं मोटिवेशन की कोई किताब पढ़कर आया हूं। उनकी वह कलम और मेरे नौकरी पर पहले दिन जाने की वह शूट मेरे जीवन की आज भी एक अनमोल धरोहर है।

-रंगनाथ द्विवेदी, जौनपुर

लव बर्ड्स

घर वालों को मनाने में लग गए दो साल

हम दोनों 2010 में मिले थे। हमने इनकी कॉलोनी में घर शिफ्ट किया था, कुछ समय बाद हमारी दोस्ती हो गई, साथ में बचपन बीता। साथ-साथ खेले, बड़े हुए और हमारी दोस्ती प्यार में बदलने लगी, लेकिन हमारे पास बातचीत करने का कोई प्रमुख जरिया नहीं था। हम एक-दूसरे को पत्र लिखते थे और हमारे कॉमन दोस्त ये पत्र पहुंचाते थे। रास्ते में कभी मुलाकात हो जाने पर थोड़ी-बहुत बात हो जाती थी। कुछ समय बाद मोबाइल फोन मिला, तो फेसबुक पर बात शुरू हुई।

इसी बीच मेरे परिवार का वैष्णोदेवी यात्रा का प्रोग्राम बना। हम दोनों के परिवार साथ में वैष्णोदेवी गए। वहां बहुत एंजॉय किया उसी दौरान हमने अपनी भावनाएं एक-दूसरे से शेयर कीं। मेरी 2019 पढ़ाई खत्म हुई। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव भी आए, जिसमें इन्होंने मेरा साथ दिया। इसी दौरान अचानक 2019 में ही एक दिन ऋषि ने मुझे प्रपोज किया।

मुझे बहुत अच्छा लगा, मैंने स्वीकार कर लिया। सब अच्छा था एक दिन मेरे पापा को पता चल गया, उसके बाद भी हम बात करते थे। हां इतना जरूर था कि बाते पहले से कम हो गई थी। बातचीत में ही हमने तय 2021 में तय किया कि हम दोनों को शादी करनी है। घर वाले तैयार नहीं थे, पर हमने हिम्मत नहीं हारी, एक-दूसरे के प्यार और भरोसे के सहारे घर वालों को मनाने में दो साल निकल गए। अंत में हमारे प्यार की जीत हुई, घर वाले मान गए और 19 अक्टूबर 2023 को हमारी सगाई हुई। उसके एक साल बाद 24 नवंबर 2024 में हमारी शादी हो गई। पांच दिन पहले ही बड़ी धूमधाम से हमने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ मनाई है।

***-नेहा मखीजा और ऋषि पंजवानी**, अयोध्या*

बिजनेस ब्रीफ

भांजु ने खोला टेक्सास में पहला गणित केंद्र

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहे गणित सिखाने वाले मंच 'भांजु' ने अमेरिका में अपना पहला ऑफलाइन शिक्षण केंद्र शुरू किया है। कंपनी के बयान के मुताबिक इस कदम से उसके अंतरराष्ट्रीय विस्तार और दुनिया भर के बच्चों के लिए गणित को दिलचस्प और आसान बनाने में मदद मिलेगी। नया केंद्र टेक्सास के मैकिनी में शुरू किया गया है। भांजु की शिक्षण पद्धति तेज गणित, कहानियों, खेल और एआई टूल्स को मिलाकर मजेदार और तेज गति से गणित सिखाती है। बयान के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कतर, यूएई, अमेरिका सहित दुनिया के 16 देशों में प्रवासी भारतीयों के 50,000 से अधिक बच्चों ने अब तक भांजु के साथ चार करोड़ से अधिक समीकरण हल किए हैं।

बंगाल में एक लाख छात्रों के ऋण स्वीकृत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार की 'छात्र क्रेडिट कार्ड' योजना के तहत एक लाख से अधिक छात्रों के ऋण आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। ममता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उच्च शिक्षा को समर्थन देने के लिए शुरू की गई पहल के तहत छात्र मामूली ब्याज दर पर 10 लाख रुपये तक का कर्ज ले सकते हैं। इस योजना के तहत राज्य सरकार ब्याज पर सब्सिडी देती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह योजना उभरती प्रतिभाओं को उनके शैक्षणिक और करियर लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करती रहेगी। देश या विदेश में पढ़ने वाले छात्रों की पढ़ाई पर पैसे का बोझ कम करने के लिए यह योजना वर्ष 2021 में शुरू की गई थी।

टोरेंट फार्मास्युटिकल्स पर 41 करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय जीएसटी प्राधिकरण ने वस्तु के निर्यात पर गलत 'रिफंड' के लिए टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड पर 41 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। टोरेंट फार्मास्युटिकल्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अहमदाबाद दक्षिण आयुक्त कार्यालय में सामान्य न्यायनिर्णय प्राधिकरण (केंद्रीय जीएसटी) के संयुक्त आयुक्त, ने 41,33,84,165 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश पारित किया है।

जीडीपी आंकड़े सरकार की नीतियों–सुधारों का प्रतिबिंब : मोदी

वृद्धि को बताया उत्साहजनक, कहा- सुधारों को बढ़ावा देना और जीवनयापन आसान बनाना जारी रखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में जोरदार वृद्धि के आंकड़ों को उत्साहजनक बताते हुए कहा कि ये केंद्र सरकार की नीतियों के सुधारों को प्रतिबिंबित करते हैं। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में जीडीपी में सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो छह तिमाहियों में सबसे अधिक है।

मोदी ने एक्स पर लिखा, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर काफी उत्साहजनक है। यह वृद्धि के अनुकूल हमारी नीतियों और सुधारों के असर को दिखाता है। यह देश के लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमिता को भी प्रतिबिंबित करता है। हमारी सरकार सुधारों को बढ़ावा देना और हर नागरिक के लिए जीवनयापन आसान बनाना जारी रखेगी।

- अर्थव्यवस्था की तेज गति दर्शाते हैं ताजा आंकड़े : सीतारमण

सीतारमण ने एक्स पर लिखा, जीडीपी के ताजा आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि और गति को दर्शाते हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि इस वृद्धि दर का कारण सतत वित्तीय अनुशासन, लक्षित सार्वजनिक निवेश और विभिन्न सुधार हैं जिनसे उत्पादकता बढ़ी है और कारोबार की आसानी में सुधार हुआ है।

केंद्रीय वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर अपने पोस्ट के साथ जीडीपी के आंकड़ों वाली सरकारी विज्ञप्ति का लिंक साझा किया है। उन्होंने इस पोस्ट को शीर्षक दिया है, 'भारत की वृद्धि की रफ्तार तेज हुई'। उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि विनिर्माण, निर्माण, रियल एस्टेट तथा पेशेवर सेवा आदि उत्पादकता बढ़ाने और जीवंत आर्थिक वातावरण तैयार करने में योगदान दे रहे हैं। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नीतिगत स्थिरता और निरंतरता का परिणाम है जो दीर्घावधि स्थिरता और वृद्धि को बल दे रहा है।

सेंसेक्स और निफ्टी स्थिरता के साथ बंद

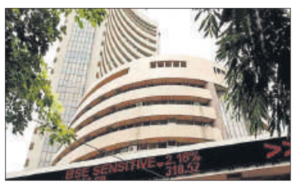

मुंबई। आर्थिक वृद्धि दर के आंकड़े आने के पहले निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बेहद उतार-चढ़ाव वाले कारोबार में लगभग स्थिर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसक्स 13.71 अंक यानी 0.02% गिरकर 85,706.67 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 12.60 अंक यानी 0.05% गिरकर 26,202.95 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही बाजार में दो दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। दोनों सूचकांक बृहस्पतिवार को अपने नए शिखर पर पहुंच गए थे।

सोना-चांदी में तेजी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के कारण शुक्रवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 700 रुपये बढ़कर 1,30,160 रुपये 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत में भी लगातार चौथे दिन तेजी रही और यह 3,000 रुपये मजबूत हुई। 99.5% शुद्धता वाले सोना 700 रुपये बढ़कर 1,29,560 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई।

केंद्र का राजकोषीय घाटा 52.6% पर

सीजीए ने जारी किए अप्रैल से अक्टूबर तक वित्तीय वर्ष के सात महीनों के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 52.6 प्रतिशत हो गया। शुक्रवार को इस संबंध में आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले सात महीनों में सरकार की आय एवं व्यय के बीच का अंतर यानी राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का 46.5 प्रतिशत रहा था।

लेखा महानियंत्रक (सीजीए) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अप्रैल-अक्टूबर के दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 8,25,144 करोड़ रुपये रहा। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए कुल 15.69 लाख करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे का अनुमान लगाया है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 4.4 प्रतिशत होगा। केंद्र की कुल आय अप्रैल-अक्टूबर 2025 की अवधि में 18 लाख करोड़ रुपये रही, जिसमें 12.74 लाख करोड़ रुपये कर राजस्व, 4.89 लाख करोड़ रुपये गैर-कर राजस्व और 37,095 करोड़ रुपये की गैर-ऋण पूंजीगत आय शामिल है। इस दौरान केंद्र से राज्यों को कर हिस्सेदारी के रूप में 8,34,957 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 1,11,981 करोड़ रुपये अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र सरकार का कुल खर्च 26.25 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें से 20 लाख करोड़ रुपये राजस्व व्यय और 6.17 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के रूप में खर्च हुए। राजस्व व्यय में से 6.73 लाख करोड़ रुपये ब्याज भुगतान और 2.46 लाख करोड़ रुपये प्रमुख सब्सिडी पर खर्च किए गए।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.47 अरब डॉलर और घटा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 4.47 अरब डॉलर घटकर 688.10 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार के मूल्य में भारी गिरावट के कारण मुद्रा भंडार में कमी आई है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.69 अरब डॉलर घटकर 560.6 अरब डॉलर रह गईं।आरबीआई ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.67 अरब डॉलर घटकर 104.18 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 8.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.57 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.76 अरब डॉलर रहा।

भारत 7% जीडीपी वृद्धि के साथ उभरते बाजारों की वृद्धि में होगा अग्रणी

मूडीज का दावा

नई दिल्ली। भारत 2025 में सात प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के साथ उभरते बाजारों और एशिया प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि का नेतृत्व करेगा। रेटिंग एजेंसी 'मूडीज रेटिंग्स' ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के घरेलू वृद्धि चालक इसकी आर्थिक मजबूती को बल देते हैं। हालांकि भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता जा रहा है लेकिन फिर भी अधिकतर 'रेटेड' कंपनियों के पास सक्रिय मुद्रा जोखिम प्रबंधन या मजबूत वित्तीय भंडार हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा, भारत उभरते बाजारों और पूरे क्षेत्र में वृद्धि का नेतृत्व करेगा जिसकी जीडीपी 2025 में सात प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज का अनुमान है कि एशिया–प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2026 में औसत 3.4 प्रतिशत पर स्थिर रहेगी। 2025 में इसके 3.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो 2024 में यह 3.3 प्रतिशत थी। मूडीज ने कहा कि भारित औसत के आधार पर उभरते बाजार इस क्षेत्र में जीडीपी की वृद्धि को गति देंगे। इसकी औसत वृद्धि 5.6 प्रतिशत होगी जबकि उन्नत बाजारों में औसत वृद्धि 1.3% रहेगी।

सर्राफा हॉलमार्किंग लागू कर सकती है सरकार

नई दिल्ली। चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू करने के बाद अब सरकार सर्राफा (सोने-चांदी की ईंटें या बार) पर भी हॉलमार्किंग लागू करने पर विचार कर रही है। इससे आभूषण विनिर्माताओं को शुद्ध और प्रमाणित कच्चा माल मिल सकेगा। इसके साथ, उपभोक्ताओं को प्राकृतिक हीरे और प्रयोगशाला में बने हीरे के बीच अंतर समझने के लिए एक ढांचा तैयार करने की योजना भी बनाई जा रही है। इससे इस खंड में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

- प्रयोगशाला में बने हीरे का भी बनाया जा सकता है मानक

हॉलमार्किंग कीमती धातुओं की शुद्धता का प्रमाणीकरण है। जून 2021 से सोने के आभूषणों के लिए यह अनिवार्य है, जबकि एक सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए इसे स्वैच्छिक कर दिया गया है।उद्योग मंडल सीआईआई के कार्यक्रम रत्न एवं आभूषण सम्मेलन में उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि सोने की हॉलमार्किंग को मिली शानदार प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर सरकार ने चांदी की हॉलमार्किंग को स्वैच्छिक किया है। उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि लोगों की प्रतिक्रिया क्या है, रुझान क्या है। हमारे लिए सबसे जरूरी है कि देश में चांदी के आभूषण पहनने वाले उपभोक्ता भी भरोसेमंद उत्पाद खरीदें।

खरे ने बताया कि बाद में चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया जा सकता है। पहले भी 20 साल तक सोने की हॉलमार्किंग स्वैच्छिक ही थी। चालू वित्त वर्ष में अब तक 8.44 करोड़ सोने के आभूषण हॉलमार्क किए जा चुके हैं।

एप्पल नोएडा में खोलेगा पांचवां भारतीय स्टोर

नई दिल्ली। एप्पल ने भारत में पांचवां स्टोर नोएडा में खोलने जा रहा है। कंपनी के बयान के अनुसार, डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में स्थित एप्पल के नोएडा स्टोर का उद्घाटन 11 दिसंबर को किया जाएगा। कहा गया, यह देश में एप्पल के खुदरा विस्तार में एक और उपलब्धि है जो नोएडा में ग्राहकों को एप्पल उत्पादों को जानने एवं खरीदने के नए तरीके प्रदान करता है। साथ ही एप्पल की असाधारण सेवा का व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने का मौका देता है।

सोशल मीडिया पर नाम, पंजीकरण संख्या दिखाना होगा अनिवार्य

सेबी ने दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली। सेबी ने शुक्रवार को प्रस्ताव दिया कि उसके नियंत्रण वाली सभी संस्थाएं और उनके एजेंट (म्यूचुअल फंड वितरक, पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा वितरक आदि) अपने सोशल मीडिया मंच के होम पेज पर अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या स्पष्ट रूप से दिखाएं। इसके अलावा हर वीडियो या कंटेंट के साथ भी यह जानकारी देनी होगी।

यह प्रस्ताव इसलिए आया है क्योंकि सेबी ने पाया कि सोशल मीडिया पर नियमित और गैर-पंजीकृत लोगों का कंटेंट मौजूद है, जिससे निवेशक गुमराह हो रहे हैं। ऐसे में नाम और पंजीकरण संख्या दिखाने से निवेशकों को तुरंत पता चल जाएगा कि कंटेंट किसी अधिकृत संस्था का है या नहीं। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि सोशल मीडिया पर डाला जाने वाला कोई भी 'कंटेंट' पक्के प्रतिफल का वादा न करे, ऐसी कोई बात न कही जाए तो कानूनन प्रतिबंधित हो और निवेशकों में जानकारी की कमी का फायदा उठाने की कोशिश न की जाए।

बौद्धों ने हिंदू कानूनों से मांगी मुक्ति विधि आयोग को भेजा गया मामला

सुप्रीम कोर्ट ने बौद्ध पर्सनल लॉ एक्शन कमेटी की याचिका पर विचार करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विधि आयोग से एक बौद्ध समूह की उस याचिका पर विचार करने को कहा है, जिसमें कहा गया है कि बौद्धों पर भी लागू होने वाले 'हिंदू पर्सनल लॉ' के कुछ प्रावधान धर्म की स्वतंत्रता के साथ उनके मौलिक अधिकारों के भी खिलाफ हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 'बौद्ध पर्सनल लॉ एक्शन कमेटी' की याचिका पर सुनवाई करते हुए विधि आयोग से इसे एक प्रतिवेदन के रूप में मानने को कहा कि कुछ मौजूदा कानूनी प्रावधान बौद्ध समुदाय के मौलिक अधिकारों और सांस्कृतिक प्रथाओं के विपरीत हैं, जिसके मद्देनजर इसमें संवैधानिक और वैधानिक बदलावों की आवश्यकता है।

बौद्ध भी हिंदुओं के लिए बने कानूनों के दायरे में आते हैं, जैसे कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956, हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम, 1956 और हिंदू दत्तक ग्रहण और देखभाल अधिनियम, 1956 द्वारा निर्दिष्ट है। संविधान के अनुच्छेद 25 में बौद्धों, जैनियों और सिखों को इन कानूनों के प्रयोजनों के लिए 'हिंदू' की परिभाषा में शामिल किया गया है। सुनवाई शुरू होने पर सीजेआई ने याचिका में मांगी गई राहत की प्रकृति पर सवाल उठाया।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि बौद्ध एक अलग समुदाय है और यह मुद्दा कई बार उठाया गया है।पीठ ने कहा कि विधि आयोग देश में एकमात्र विशेषज्ञ निकाय है और आमतौर पर इसका नेतृत्व उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश करते हैं। उन्होंने कहा, वे आप जैसे व्यक्ति का स्वागत करेंगे और सहायता प्राप्त करेंगे। विधि आयोग ऐसे संवैधानिक संशोधनों के लिए सिफारिशें कर सकता है। पीठ ने कानून और न्याय मंत्रालय के दिसंबर 2024 के एक पत्र पर गौर किया जिसमें कहा गया था कि 21वां विधि आयोग समान नागरिक संहिता पर अपने विचार-विमर्श में इस मुद्दे पर भी ध्यान दे रहा है और विभिन्न हितधारकों के विचार मांगे गए हैं।

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों को दी अनुमति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ने की अनुमति दे दी हालांकि यह स्पष्ट कर दिया कि परिणाम राज्य के संशोधित अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को चुनौती देने वाले मामले के अंतिम नतीजे पर निर्भर करेंगे। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने बांठिया आयोग की रिपोर्ट के आधार पर ओबीसी के लिए एक नए आरक्षण ढांचे को लागू करने के महाराष्ट्र के फैसले पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने निर्देश दिया, नगर पंचायतों और नगर निगमों के चुनाव होंगे। हालांकि, 40 नगर निगमों और 17 नगर पंचायतों के परिणाम अंतिम फैसले के अधीन रहेंगे। पिछले सप्ताह, उच्चतम न्यायालय ने उन खबरों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी कि उसके पहले के निर्देशों की गलत व्याख्या की जा रही है।

रिपोर्ट की अनदेखी करने पर केरल के राज्यपाल को सुप्रीम फटकार

- कुलपतियों की नियुक्ति का मसला कहा- राज्यपाल अनिश्चितकाल के लिए नहीं रोक सकते मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) सुधांशु धूलिया की ओर से पेश की गई रिपोर्ट पर कार्रवाई में देरी पर शुक्रवार को केरल के राज्यपाल को कड़ी फटकार लगाई। न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश केवी विश्वनाथन की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं और उनसे उम्मीद की जाती है कि वह समिति की सिफारिशों पर बिना किसी और देरी के फैसला लेंगे। राज्यपाल मामले को अनिश्चित काल तक लंबित नहीं रख सकते। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी न्यायाधीश धूलिया की रिपोर्ट की स्थिति की समीक्षा के दौरान की। गौरतलब है कि न्यायाधीश धूलिया को उप कुलपतियों की नियुक्तियों की कानूनी मान्यता और औचित्य की जांच करने का काम सौंपा गया था। पीठ ने कहा कि मामले का समय पर समाधान होना चाहिए, खासकर इसलिए क्योंकि लंबे समय तक अनिश्चितता विश्वविद्यालय के कामकाज पर असर डालती है।

भ्रष्टाचार मामले हस्तांतरित करने की राबड़ी की याचिका पर सीबीआई-ईडी को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ भ्रष्टाचार के तीन मामलों को किसी दूसरे न्यायाधीश को हस्तांतरित करने के अनुरोध वाली उनकी याचिकाओं पर सीबीआई और ईडी से जवाब मांगा।

राबड़ी देवी ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए इन मामलों को दूसरे न्यायाधीश को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की पत्नी राबड़ी देवी के खिलाफ ये तीन मामले ज़मीन के बदले नौकरी और आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम) घोटाला से संबंधित हैं। इनमें से दो मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है, जबकि एक की जांच सीबीआई कर रही है।अदालत ने अगली सुनवाई छह दिसंबर के लिए सूचीबद्ध की है।

सिद्दारमैया सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का एलान

उडुपी। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने शुक्रवार को राज्य में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना की घोषणा की है। पार्टी ने इसका मुख्य कारण राज्य नेतृत्व को लेकर चल रही अंदरूनी कलह के कारण प्रशासनिक विफलता को बताया है।

भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सुनील कुमार ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए, सरकार को 'दुःशासन प्रशासन' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि इस शासन में लगभग 90 प्रतिशत मंत्री विधानसभा अनुपस्थित रहते हैं। कुमार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने खुद को बड़े पैमाने पर मैसूर तक ही सीमित कर लिया है, जबकि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार लगातार नई दिल्ली की यात्रा करते रहते हैं, जिससे व्यवस्था अस्तव्यस्त हो गई है। भाजपा नेता ने कांग्रेस के भीतर शीत युद्ध की ओर भी इशारा किया और कहा कि यह स्थिति अव्यवस्था का स्पष्ट उदाहरण है।

आयोग की पूर्ण पीठ के सामने टीएमसी का दावा– खून से सने हैं सीईसी के हाथ

- पश्चिम बंगाल में एसआईआर के कारण अब तक 40 लोगों की मौत होने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते तृणमूल सांसद।

तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को यहां निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की और दावा किया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अब तक कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त के ''हाथ खून से सने हैं।''

पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर की प्रक्रिया बीच, तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओब्रायन के नेतृत्व में पार्टी के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोकसभा सदस्यों में शताब्दी रॉय, कल्याण बनर्जी, प्रतिमा मंडल, साजदा अहमद और महुआ मोइत्रा तथा राज्यसभा सदस्यों में डोला सेन, ममता ठाकुर, साकेत गोखले और प्रकाश चिक बडाइक थे। ओब्रायन ने बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी ने पांच सवाल उठाए, लेकिन मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने उनका कोई जवाब नहीं दिया। ओब्रायन ने कहा, हमने बैठक की शुरुआत ही यह कहते हुए की कि सीईसी के हाथ खून से सने हैं। हमने पांच सवाल उठाए। इसके बाद करीब 40 मिनट में कल्याण बनर्जी, महुआ मोइत्रा और ममता बाला ठाकुर ने अपनी बात रखी और जो कहना था वो कहा।

उन्होंने कहा, इसके बाद सीईसी ने एक घंटे तक बिना रुके बात की। जब हम बोल रहे थे, तब हमें भी नहीं टोका गया, लेकिन हमें हमारे पांच सवालों में से किसी का भी जवाब नहीं मिला।

दिल्ली : स्कूलों में नर्सरी के प्रवेश मानदंड में घर से दूरी मुख्य कारक

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के निजी स्कूलों ने शुक्रवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नर्सरी दाखिले के लिहाज से अपने मानदंड जारी करना शुरू कर दिया है, जिसमें स्कूल के पते से बच्चे के घर की दूरी सबसे अधिक अंक वाला कारक है और कुछ स्कूलों ने इसे 55 अंक तक दिए हैं।

द्वारका स्थित इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल ने स्कूल से 0-12 किमी के दायरे में रहने वाले आवेदकों को अधिकतम 55 अंक आवंटित किए हैं, इसके बाद 12-15 किमी दूर रहने वालों के लिए 45 अंक तथा 15 किमी से अधिक दूरी के लिए 35 अंक निर्धारित किए गए हैं। स्कूल ने पहले से पढ़ रहे छात्र के भाई-बहन, पूर्व छात्र और कर्मचारियों के बच्चे वाली श्रेणियों के लिए 15-15 अंक निर्धारित किए हैं। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ने चार किमी के दायरे में रहने वाले या स्कूल परिवहन वाले इलाकों में रहने वाले बच्चों के लिए 50 अंक निर्धारित किए हैं। बच्चे की स्थिति श्रेणी के अंतर्गत, स्कूल ने पहले जन्मे बच्चे के लिए 30 अंक और दूसरे जन्मे बच्चे के लिए 20 अंक निर्धारित किए हैं। इसे साथ ही भाई-बहनों, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए 10-10 अंक निर्धारित किए हैं। द्वारका स्थित आईटीएल इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्य सुधा आचार्य ने कहा कि उनके मापदंड भी दूरी, भाई-बहनों को प्राथमिकता, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों पर केंद्रित रहेंगे।

गुजरात में दिल के दौरे से बीएलओ की मौत, विपक्ष ने साधा निशाना

मेहसाणा। मेहसाणा जिले में एसआईआर के लिए बीएलओ के रूप में कार्यरत एक शिक्षक की शुक्रवार तड़के दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। विपक्षी दल कांग्रेस और शिक्षक संघ ने बीएलओ की मौत का कारण अत्यधिक काम का दबाव और सुविधाओं की कमी बताया।

सतलासना थाने के एक उपनिरीक्षक ने बताया, सुदासना गांव निवासी दिनेश रावल (50) की बृहस्पतिवार रात्रि घर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वह सरकारी प्राइमरी स्कूल में शिक्षक थे। जाला ने बताया कि रावल की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें वडनगर के एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दिल का दौरा बताया गया है तथा उनके परिवार ने अभी तक किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। हालांकि, कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने आरोप लगाया कि बीएलओ पर निर्धारित कार्य समय पर पूरा करने का भारी दबाव है। गुजरात राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिग्विजयसिंह जडेजा ने कहा कि उन्हें अन्य शिक्षकों से पता चला है कि रावल बीएलओ संबंधी कार्य के कारण दबाव में थे।

श्री राम की सबसे ऊंची प्रतिमा का हुआ अनावरण

पणजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा में शुक्रवार को भगवान श्रीराम की प्रतिमा का अनावरण किया। गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व में राम की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुनर्जागरण भावी पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऐसे समय भी आए जब गोवा के मंदिरों और स्थानीय परंपराओं को भाषा और सांस्कृतिक पहचान पर दबाव के कारण संकट का सामना करना पड़ा, लेकिन ये परिस्थितियां समाज की आत्मा को कमजोर नहीं कर सकीं, बल्कि उन्होंने इसे और भी दृढ़ बनाया। यह गोवा की अनूठी विशेषता है कि इसकी संस्कृति ने हर बदलाव में अपने मूल स्वरूप को बरकरार रखा है।

निजी स्टार्टअप : अंतरिक्ष में लंबी छलांग

भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में लगभग 250 स्टार्टअप चल रहे हैं जो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इन स्टार्टअप का उद्देश्य भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाने और देश को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाने में मदद करना है।

सरकार ने इन स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें से एक प्रमुख कदम है 1000 करोड़ रुपये के वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना, जो इन स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद करेगा। इसके अलावा, सरकार ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य कार्यक्रमों और पहलों की भी शुरुआत की है।

- **अंतरिक्ष अनुसंधान :** निजी स्टार्टअप्स के लिए अंतरिक्ष अनुसंधान एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें नए प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकसित करने का मौका मिलता है ।
- **उत्पादन :** निजी स्टार्टअप्स के लिए उत्पादन एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें अपने उत्पादों को बाजार में उतारने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने का मौका मिलता है।
- **निर्यात :** निजी स्टार्टअप्स के लिए निर्यात एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें अपने उत्पादों को विदेशी बाजारों में बेचने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने का मौका मिलता है।

निजी स्टार्टअप से देश को लाभ

- **आर्थिक विकास :** निजी स्टार्टअप्स के माध्यम से देश में आर्थिक विकास हो सकता है, क्योंकि वे नए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं।
- **प्रौद्योगिकी में उन्नति :** निजी स्टार्टअप्स प्रौद्योगिकी में उन्नति को बढ़ावा देते हैं, जिससे देश की प्रौद्योगिकी क्षमता में सुधार होता है।
- **अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि :** निजी स्टार्टअप्स अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि को बढ़ावा देते हैं, जिससे देश की अंतरिक्ष क्षमता में सुधार होता है।

सरकार की सहायता

- **आईएन-स्पेस :** सरकार ने आईएन-स्पेस की स्थापना की है, जो निजी स्टार्टअप्स को समर्थन प्रदान करता है।
- **वेंचर कैपिटल फंड :** सरकार ने वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना की है, जो निजी स्टार्टअप्स को वित्तीय समर्थन प्रदान करता है ।
- **उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना :** सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है, जो निजी स्टार्टअप्स को उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रोत्साहित करती है ।

प्रमुख स्टार्टअप

- **कैटालिक्स स्पेस :** इसके स्व-ऑपरेटिंग स्पेस लैब्स आपके विचारों को अंतरिक्ष में ले जाते हैं और उन्हें सुरक्षित वापस लाते हैं।
- **स्काईरूट एयरोस्पेस :** यह स्टार्टअप लॉन्च वाहनों को विकसित कर रहा है जो अंतरिक्ष में सस्ती पहुंच प्रदान करते हैं।
- **पिक्सेल :** यह स्टार्टअप एक उच्च रिज़ॉल्यूशन हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन बना रहा है।
- **न्यू स्पेस :** यह स्टार्टअप अगली पीढ़ी की एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी विकसित कर रहा है ।
- **अग्निकुल :** यह माइक्रो-नैनो सैटेलाइट्स के लिए ऑर्बिटल क्लास रॉकेट बना रहा है।
- **सैटश्योर :** यह सैटेलाइट डेटा से कृषि व जैसे क्षेत्रों में निर्णय लेने की बुद्धिमत्ता देता है।
- **ध्रुव स्पेस :** यह स्पेस आधारित अनुप्रयोगों के लिए एकीकृत समाधान देता है, जिसमें सैटेलाइट, अर्थ स्टेशन, और लॉन्च सेवाएं शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

आईएनएस करमुक ने अभ्यास में लिया भाग

सिंगापुर। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) करमुक सिंगापुर-भारत-थाईलैंड समुद्री अभ्यास में भाग लेकर सप्ताह भर की भागीदारी पूरी करने के करीब है। एसआईटीएमईएक्स का पांचवां संस्करण 23 नवंबर को शुरू हुआ और इस वर्ष सिंगापुर गणराज्य की नौसेना द्वारा आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य समुद्री सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तीनों देशों की नौसेनाओं की सामूहिक क्षमता को मजबूत करना है।

खालिदा जिया की हालत बेहद गंभीर

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की सेहत बेहद गंभीर है। उनके एक करीबी सहयोगी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। खालिदा जिया (80) के सीने में संक्रमण के कारण हृदय और फेफड़े दोनों प्रभावित होने पर उन्हें रविवार की रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सरकारी न्यूज एजेंसी बीएसएस ने बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर के हवाले से कहा कि कल रात चिकित्सकों ने बताया कि जिया की स्थिति बेहद गंभीर है।

रूस-वेनेजुएला में 19 समझौतों पर हस्ताक्षर

मॉस्को। रूस और वेनेजुएला के प्रतिनिधिमंडलों ने शिक्षा, अनुसंधान, युवा नीति, तेल उत्पादन, शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों को कवर करने वाले तीन समझौतों सहित कुल 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देशों ने उच्च स्तरीय अंतर-सरकारी रूसी-वेनेजुएला आयोग की बैठक के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही 15 सहयोग समझौतों पर भी दोनों हस्ताक्षर किए गये हैं। हस्ताक्षर समारोह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें रूस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप प्रधानमंत्री दिमित्री चेर्निशेंको ने किया।

तुर्किये में पोप लियो का गर्मजोशी से स्वागत

इस्तांबुल। पोप लियो 14वें ने तुर्किये की अपनी पहली विदेश यात्रा में कैथोलिक समुदाय को देश में अपनी छोटी आबादी को मजबूत बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस यात्रा का उद्देश्य ईसाइयों को प्रोत्साहित करना और एकता कायम करने के सदियों पुराने प्रयासों को आगे बढ़ाना है। यात्रा के पहले दिन इस्तांबुल में स्थित कैथेड्रल ऑफ द होली स्पिरिट के अंदर पोप के समर्थन में नारे लगे।

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत संतुलन व जिम्मेदारी की आवाज

चाणक्य रक्षा संवाद में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले-हमारा शांति और वार्ता में विश्वास

- राष्ट्र की संप्रभुता, सुरक्षा से कोई समझौता करने को तैयार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत शांति और वार्ता में विश्वास करता है, लेकिन जब राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा की बात आती है, तो वह कोई समझौता नहीं करता। चाणक्य रक्षा संवाद में उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति, प्रौद्योगिकी क्षमताओं और सिद्धांतों का पालन करने वाली विदेश नीति ने इसे बदलते वैश्विक परिवेश में संतुलन और जिम्मेदारी की आवाज़ बना दिया है, और हिंद-प्रशांत तथा ग्लोबल साउथ के देश हमें एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखते हैं।

ग्लोबल साउथ से तात्पर्य ऐसे देशों से है जिनका आर्थिक और औद्योगिक विकास अपेक्षाकृत कम हुआ है। सिंह ने कहा कि भारत जिम्मेदारी की भावना, रणनीतिक स्वायत्तता और सभ्यतागत मूल्यों में निहित आत्मविश्वास के साथ वैश्विक चर्चाओं को आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत शांति और संवाद में विश्वास करता है, लेकिन जब बात लोगों की संप्रभुता और सुरक्षा की आती है, तो हम कोई समझौता नहीं करते। उन्होंने कहा कि भारत ने अग्रणी सुधारों और राष्ट्रों की संप्रभुता के सम्मान तथा नियम-आधारित व्यवस्था के प्रति अपने निरंतर रुख के कारण वैश्विक विश्वास अर्जित किया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हम सुरक्षा और संपर्क को मजबूत करने के लिए सीमा और समुद्री बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। हम नए प्लेटफ़ॉर्म और प्रौद्योगिकियों और ढांचों के माध्यम से अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम गति, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए खरीद प्रक्रियाओं में सुधार कर रहे हैं।आत्मनिर्भरता के माध्यम से, हम एक रक्षा औद्योगिक परिवेश का निर्माण कर रहे हैं जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, उद्योग का समर्थन करता है और बाहरी निर्भरता को कम करता है। सिंह ने कहा कि भारत स्टार्ट-अप, डीप-टेक क्षमताओं और अनुसंधान एवं विकास में निवेश कर रहा है, जो भविष्य के युद्धक्षेत्रों को आकार देंगे। डीप टेक से तात्पर्य उन कंपनियों और स्टार्टअप से है, जो महत्वपूर्ण वैज्ञानिक या इंजीनियरिंग नवाचार, जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग या जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं। रक्षामंत्री ने भारत को नए दौर के लिए तैयार करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि इन सुधारों की बदौलत ही भारत सशक्त, सुरक्षित और विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि जब हम 'सुधार से बदलाव' की बात करते हैं, तो हम सिर्फ़ प्रक्रिया या नीति की बात नहीं कर रहे होते। हम सिर्फ़ मौजूदा हालात में बदलाव की बात नहीं कर रहे होते। हम भारत को एक नए दौर के लिए तैयार करने की बात कर रहे हैं जो इसे सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत में बदल देगा।

नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में चाणक्य रक्षा संवाद 2025 का उद्घाटन करते हुए रक्षामंत्र राजनाथ सिंह। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे।

व्यापक सुधार एक रणनीतिक जरूरत

रक्षा मंत्री ने आतंकवाद सहित विभिन्न क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत बनाने के लिए सेनाओं सहित सभी संस्थाओं में व्यापक सुधारों पर जोर देते हुए कहा है कि ये विकल्प नहीं बल्कि रणनीतिक आवश्यकता है। कहा कि जब हम दुनिया के माहौल और अपने पड़ोस की असलियत को देखते हैं, तो एक बात बहुत साफ़ हो जाती है, हम भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पुरानी व्यवस्था पर भरोसा नहीं कर सकते।

कनाडा में आग, भारतीयों सहित 5 की मौत

ओटावा, एजेंसी

कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन में भीषण आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि उसने प्रभावित परिवार से संपर्क किया है तथा उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्रैम्पटन में हुई विनाशकारी आग की घटना में भारतीय नागरिकों की मौत से हम बहुत दुखी हैं।

वाणिज्य दूतावास शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। सीटीवी न्यूज के मुताबिक आग 19-20 नवंबर की देर रात 2.15 बजे मैकलॉघलिन और रिमेंबरेंस रोड के क्षेत्र में 12 बनस वे पर लगी। आग की घटना में तीन महिलाओं और एक छोटे बच्चे की मौत हो गई। पूरे प्रकरण की जांच ओंटारियो के फायर मार्शल कार्यालय द्वारा की जा रही है। कांस्टेबल टायलर बेल ने बताया कि घटनास्थल पर ही तीन महिलाओं और एक बच्चे सहित चार लोगों की मौत हो गई थी।

हांगकांग में आग मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हुई

हांगकांग। हांगकांग में बहुमंजिला आवासीय इमारत में आग लगने के बाद दमकलकर्मियों द्वारा अब भी इमारत में लोगों की तलाश की जा रही है। परिसर की आठ में से सात इमारतें भीषण आग की चपेट में आ गईं जिसके चलते 128 लोगों की मौत हो गई। हांगकांग की भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने इमारत के मरम्मत कार्य से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार किया है अग्निशमन विभाग के उपनिदेशक डेरेक आर्मस्ट्रांग चान ने बताया कि शुक्रवार को इमारतों से और शव बरामद किए गए जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। पीड़ितों की तलाश अब भी जारी है। बुधवार को 'वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स' की आठ इमारतों में से एक में भीषण आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैलीं और सात इमारतें इसकी चपेट में आ गईं।

श्रीलंका में तूफान दितवा का कहर, 56 लोगों की गई जान

कोलंबो, एजेंसी

चक्रवाती तूफान 'दितवा' ने श्रीलंका में भीषण तबाही मचाई है तथा अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 21 लोग लापता और 14 घायल हुए हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार चक्रवाती तूफान से करीब 50 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक लगातार भारी बारिश और तेज हवाओं से कई जिलों में नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

भारत ने निकटतम समुद्री पड़ोसी के प्रति एकजुटता जताते हुए ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तुरंत राहत सामग्री और महत्वपूर्ण मानवीय सहायता भेजी है। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए भी तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दितवा के कारण हुई तबाही में अपने परिजनों को खोने वाले श्रीलंका के लोगों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं हैं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। बचाव और राहत अभियानों में भारत अपना विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को भी तैनात करेगा।

- मदद के लिए आगे आया भारत राहत सामग्री, दवाएं भेजी

श्रीलंका की सरकार ने केलानी नदी घाटी के कई निचले इलाकों में अगले 48 घंटे के भीतर बाढ़ की आशंका जताते हुए कोलंबो सहित कई क्षेत्रों को अलर्ट पर रखा है। देश के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों में अत्यधिक बारिश हुई है। खराब मौसम के कारण भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बीती रात से 15 उड़ानों को तिरुवनंतपुरम और कोचिन की ओर मोड़ा गया।

अमेरिका करेगा नौसेना के हेलीकॉप्टरों का रखरखाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- 60 रोमियो हेलीकॉप्टरों के लिए 7,995 करोड़ का समझौता

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक प्रगाढ बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के एमएच 60 रोमियो बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए 7995 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता पत्र पर अमेरिका के सैन्य बिक्री कार्यक्रम के तहत रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में शुक्रवार को हस्ताक्षर किए गए।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पांच वर्ष के लिए हुए इस समझौते में कलपुर्जे, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और आवश्यक घटकों की मरम्मत एवं आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा भारत में 'इंटरमीडिएट' स्तर की मरम्मत और आवधिक रखरखाव निरीक्षण सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इन घरेलू सुविधाओं से न केवल भारत की क्षमता-वृद्धि होगी, बल्कि अमेरिका से आपूर्ति पर निर्भरता में कमी आएगी। यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप मानी जा रही है।

कपिल शर्मा के रेस्तरां में गोलीबारी में गैंगस्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हास्य कलाकार कपिल शर्मा के कनाडा स्थित रेस्तरां पर सात अगस्त को हुई गोलीबारी में शामिल एक संदिग्ध गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी बंधु मान सिंह ने घटना में शामिल शूटरों को गोलीबारी के लिए साजो-सामान मुहैया कराया था। उसे पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला कि सिंह ने गोलीबारी के बाद एक कार उपलब्ध कराकर तथा उसके लिए सुरक्षित पार्किंग स्थल की व्यवस्था करके हमलावरों की मदद की थी।

थर्ड वर्ल्ड देशों के प्रवासियों पर लगाएंगे रोक : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका में प्रवेश को लेकर राष्ट्रपति ने की घोषणा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह सभी थर्ड वर्ल्ड देशों से आने वाले प्रवासियों को स्थायी रूप से रोक देंगे और उन विदेशी नागरिकों को देश से बाहर निकाल देंगे जो सुरक्षा के लिए खतरा साबित होते हैं। थर्ड वर्ल्ड शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर गरीब या पिछड़े देशों के लिए किया जाता है।

ट्रंप प्रशासन ने एक अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल द्वारा नेशनल गार्ड के दो सदस्यों पर गोलीबारी की घटना के बाद आव्रजन पर की जा रही कार्रवाई को और तेज कर दिया है। इस गोलीबारी में घायल हुई अमेरिकी सेना की विशेषज्ञ सारा बेकस्ट्रॉम (20) की मौत हो गयी है जबकि अमेरिका वायु सेना के स्टाफ सॉर्जेंट एंड्रयू वोल्फ (24) की हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा कि वह हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आए प्रवासियों को जारी सभी ग्रीन कार्ड की कड़े तरीके से पुनः समीक्षा करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि हालांकि हम तकनीकी रूप से आगे बढ़े हैं लेकिन आव्रजन नीति ने उन उपलब्धियों और बहुत से लोगों की जीवन स्थितियों को कमजोर कर दिया है। मैं सभी 'थर्ड वर्ल्ड' देशों से आने वाले प्रवास को स्थायी रूप से रोक दूंगा ताकि अमेरिकी व्यवस्था पूरी तरह से पुनःसंगठित हो सके। मैं बाइडन (पूर्व राष्ट्रपति) द्वारा लोगों को अवैध रूप से दिए गए प्रवेश को समाप्त कर दूंगा और उन सभी लोगों को देश से बाहर कर दूंगा जो अमेरिका के लिए उपयोगी नहीं हैं।

ग्रीन कार्ड की कठोर समीक्षा का निर्देश

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के निदेशक जोसेफ एडलो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आने वाले प्रत्येक विदेशी नागरिक के ग्रीन कार्ड की पूर्ण और कठोर पुन: समीक्षा का निर्देश दिया है। एडलो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस देश और अमेरिकी जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और अमेरिकी लोग पिछली सरकार की लापरवाही वाली पुनर्वास नीतियों की कीमत नहीं चुकाएंगे। नई नीति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है और यह 27 नवंबर 2025 या उसके बाद दायर किए गए अथवा लंबित सभी अनुरोधों पर लागू होगी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 23.15 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

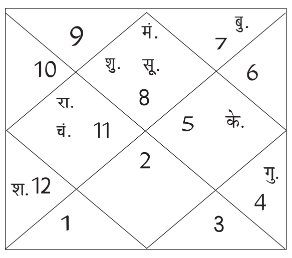

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-पूर्व भाद्रपद 30 नवंबर 02.22 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज व्यवसाय में कुछ धीमापन रहेगा, लेकिन काम में अच्छी गति रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। आप परोपकार के कार्यों में लगे रहेंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

वृष — आज पैतृक व्यवसाय में तेजी आएगी। पुरानी यादें दोबारा ताजा हो सकती हैं। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोग अपनी कूटनीतिक क्षमता का परिचय देंगे। अवसरों का लाभ उठाने में चूक न करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मिथुन — आज बनते कार्यों में रुकावटे आने की आशंका है। मन में नकारात्मक विचार जन्म ले सकते हैं। छोटी बातों को लेकर झगड़ा करने से बचें। अनावश्यक बातों पर विचलित होने से बचें। युवा प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें।

कर्क — आज अपनी दिनचर्या को संतुलित रखें। अवैधानिक कार्यों की ओर आकर्षित होने एवं उनमें रुचि लेने से बचें। आपका मन कुछ अप्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर भी परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक प्रशंसा करेंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। घर के सभी सदस्य आपके ऊपर अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने से आप प्रसन्न होंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज कुछ महत्वपूर्ण अनुबंध होने के योग बन रहे हैं। दिल की बजाय दिमाग से काम लें। परिवार में आपसी प्रेम और स्नेह बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में उच्च पद प्राप्त होगा। रियल एस्टेट से बड़ा धन लाभ होगा। घर में निकट संबंधी और रिश्तेदार आ सकते हैं।

तुला — आज नए व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों के कारण परेशानी होगी। व्यर्थ की गतिविधियों में धन खर्च न करें। खानपान में संयम रखें। नसों में खिंचाव और दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक — आज व्यवसाय में बड़ी डील को लेकर परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। निजी मामलों को लेकर बाहरी लोगों से सलाह न लें। परिवार में कुछ समस्या हो सकती है। शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय रहेंगे।

धनु — आज मांगलिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो सकते हैं। अविवाहित लड़कियों का विवाह तय हो सकता है। व्यवसाय को लेकर बड़ा निर्णय ले सकते हैं। परिजनों के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है।

मकर — आज आवश्यक कार्य लंबित हो सकते हैं। दूसरों के काम में कमियां न निकालें। आप निर्णय लेने में थोड़ी बहुत चूक कर सकते हैं। पति-पत्नी के बीच संबंधों में दबाव महसूस होगा। समय रहते हुए मामलों को सुलझा लें।

कुंभ — आज कारोबारियों के लिए दिन बहुत शुभ है। नौकरीपेशा लोगों को आधिकारिक यात्रा करनी पड़ सकती है। समाज में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन में सुधार होगा। कम समय में उच्चतम गुणवत्ता का कार्य करेंगे।

मीन — आज आपको आराम अवश्य करना चाहिए। नए कार्यों में रूचि लेंगे। पैरों में दर्द की शिकायत हो सकती है। वैवाहिक जीवन में असंतोष का भाव रहेगा। दिनचर्या कुछ अव्यवस्थित हो सकती है। माता-पिता की सेहत का ध्यान रखें।

सुडोकू-175

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
		7			8			
3				1				
							7	
				5				
						3		
			2					
								5

सुडोकू - 174 का हल

1	5	8	2	7	3	9	4	6
4	7	6	9	8	1	2	5	3
3	9	2	6	5	4	1	7	8
8	1	7	4	3	2	6	9	5
9	4	3	5	6	7	8	1	2
2	6	5	8	1	9	4	3	7
6	3	4	1	2	5	7	8	9
7	8	1	3	9	6	5	2	4
5	2	9	7	4	8	3	6	1

भारत को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का सम्मान मिला है, जो एक सच्चे खेल राष्ट्र बनने की हमारी यात्रा में एक सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रत्येक भारतीय खिलाड़ी, खेल प्रशंसक और नागरिक को गर्व से भर देता है।

– नीरज चोपड़ा

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 29 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अंडर-19 एशिया कप में कप्तानी करेंगे आयुष

नई दिल्ली। उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शुक्रवार को आगामी अंडर-19 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान बरकरार रखा गया। टीम में आक्रामक किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है जबकि 12 से 21 दिसंबर तक दुबई में 50 ओवरों के प्रारूप में खेले जाने वाले इस आयु वर्ग के महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए विहान मल्होत्रा को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है।

पुर्तगाल बना फीफा अंडर-17 विश्व चैंपियन

दोहा। पुर्तगाल ने फीफा अंडर-17 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराकर इस आयु वर्ग में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता। बेनफिका के फॉरवर्ड अनीसियो कैब्राल ने 48 देशों के टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को खेले गये खिताबी मुकाबले के 32वें मिनट में मैच का इकलौता गोल किया। इससे पहले इटली ने तीसरे स्थान के मैच में ब्राजील को शूटआउट में 4-2 से हराया जिससे यूरोप की टीमों ने शीर्ष तीन स्थानों पर अपना दबदबा बनाया। मुकाबला बराबरी पर छूटने के बाद गोलकीपर एलेसेंड्रो लोंगोनी ने दो पेनल्टी बचा कर इटली की जीत पक्की की। फीफा अंडर-17 विश्व कप का यह 20वां सत्र है।

कमिंस की वापसी का इंतजार बढ़ा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन में होने वाले दिन-रात्रि एशेज टेस्ट के लिए शुक्रवार को घोषित 14 सदस्यीय टीम में कोई बदलाव नहीं किया जिससे चोटिल कप्तान पैट कमिंस के वापसी का इंतजार और बढ़ गया। कमिंस की गैरमौजूदगी में कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट में आठ विकेट से जीत दिलाई और मेजबान टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से शुरू होगा। कमिंस हालांकि अभ्यास के लिए ब्रिसबेन जाएंगे।

भारतीय टीम को अब सफेद गेंद की क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा

गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा-ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाने पर जोर

रांची, एजेंसी

अभ्यास सत्र के दौरान ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, ऋषभ पंत और नीतीश कुमार रेड्डी। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार से उबरने की कोशिश कर रही भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा कि टीम को अब तुरंत तैयार होकर सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा क्योंकि आत्मविश्वास से भरी मेहमान टीम से मुकाबला करने के लिए लय हासिल करना बेहद जरूरी है। भारत को कोलकाता और गुवाहाटी में दो टेस्ट हारकर 0-2 से शर्मनाक हार मिली है और अब टीम इसी प्रतिद्वंद्वी से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी।

रविवार को होने वाली सीरीज के पहले मैच से पहले मोर्कल ने स्वीकार किया कि टेस्ट से सफेद गेंद के क्रिकेट में तेजी से बदलाव मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन टीम इसके लिए तैयार है। मोर्कल ने जेएससीए स्टेडियम में टीम के पहले अभ्यास सत्र से पहले कहा पिछले दो हफ्ते हमारे लिए निराशाजनक थे लेकिन अब हमें चीजों पर विचार करने के लिए कुछ दिन मिले हैं। उन्होंने कहा अब सबसे जरूरी है कि हम अपनी पूरी ऊर्जा सफेद गेंद की टीम पर लगाएं। पिछले कुछ वर्षों में हम सफेद गेंद के क्रिकेट में अच्छा खेल रहे हैं। मैं आने वाले हफ्तों के लिए उत्साहित हूं। प्रारूप कुछ भी हो, भारत का प्रतिनिधित्व करना अहम है।

मोर्कल ने चेताया कि टेस्ट सीरीज जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी होगी। उन्होंने कहा रंगीन जर्सी और गेंद का रंग बदलना अलग ऊर्जा लाते हैं। लेकिन दक्षिण अफ्रीका लय में है और आत्मविश्वासी टीम हमेशा खतरनाक होती है। हमें अगले एक-दो हफ्तों में मजबूत शुरुआत करनी होगी और पिछले दो हफ्तों को पीछे छोड़ना होगा।

2026 टी20 विश्व कप की तैयारियों की बात पर उन्होंने साफ किया कि यह वनडे सीरीज केवल विश्व कप अभ्यास नहीं है। टी20 विश्व कप की तैयारी अपनी जगह है, लेकिन जब भी आप भारत की जर्सी पहनते हैं तो आप करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मोर्कल ने कहा मेरे लिए फोकस है कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाई जाए। यह तभी होगा जब हम सफेद गेंद से अच्छा और मजबूत क्रिकेट खेलें। उन्होंने यह भी कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का टीम में लौटना उत्साहजनक है। के एल राहुल और ऋषभ पंत को एक साथ खिलाने पर उन्होंने कहा मेरा विभाग सिर्फ गेंदबाजी है। चयन की जिम्मेदारी कप्तान और चयनकर्ताओं की है। मोर्कल ने कहा कि रात में खेले जाने वाले मैचों को देखते हुए रांची की परिस्थितियों का ध्यानपूर्वक आकलन करना होगा।

पंत-राहुल ऑर ऑलराउंडर के चयन पर होंगी नजरें

रांची : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच से पूर्व भारत को चयन से जुड़ी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि एकादश में ऋषभ पंत की जगह पक्की नहीं है जबकि वाशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच अतिरिक्त ऑलराउंडर की जगह के लिए कड़ा मुकाबला है। टीम प्रबंधन जब चयन से जुड़े सवालों का जवाब ढूंढेगा तो सफेद गेंद के सत्र की जरूरतें भी उनके दिमाग में होंगी। संतुलन और यहां की परिस्थितियां काफी हद तक चयन तय करेंगी लेकिन कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिए जाने के साथ सीरीज का पहला मैच चयनकर्ताओं की मध्यावधि योजना की एक झलक दे सकता है। चर्चा का केंद्र यह है कि अगर पंत को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं दी जाती है तो भी क्या वह कप्तान लोकेश राहुल के साथ एकादश में फिट हो सकते हैं। गुवाहाटी टेस्ट में जिस तरह से पंत आउट हुए उसके लिए उनकी काफी आलोचना हुई है लेकिन वह हमेशा से इसी तरह का क्रिकेट खेलते रहे हैं। कप्तान राहुल अगर विकेटकीपिंग करते हैं तो थिंक-टैंक के सामने एक रणनीतिक दुविधा होगी कि क्या वे पंत को मध्य क्रम में सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर खिला सकते हैं? पंत का खेलना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जबकि भारतीय बल्लेबाजी क्रम में अधिकतर बल्लेबाज दाएं हाथ के हैं। दोनों को एक साथ खिलाना नामुमकिन नहीं है लेकिन यह इस पर निर्भर करेगा कि रांची में शाम को ठंडे मौसम में भारत को बल्लेबाजी में कितनी गहराई चाहिए जहां लक्ष्य का पीछा करने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत पड़ सकती है।

श्रीलंका के खिलाफ महिला टी-20 श्रृंखला दिसंबर में

नई दिल्ली, एजेंसी

- विशाखापत्तनम व तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे पांच मुकाबले

कार्यक्रम

1- 21 दिसंबर, विशाखापत्तनम
2- 23 दिसंबर, विशाखापत्तनम
3- 26 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम
4- 28 दिसंबर तिरुवनंतपुरम
5- 30 दिसंबर तिरुवनंतपुरम

भारतीय महिला टीम 21 से 30 दिसंबर तक विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी।

बीसीसीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ निर्धारित मैच दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था। हाल ही में वनडे विश्व कप जीतने के बाद यह भारतीय महिला टीम का पहला मैच होगा।

बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक बोर्ड ने आगामी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। भारत अगले महीने पांच मैचों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा। यह श्रृंखला विशाखापत्तनम में शुरू होगी और शेष मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक भारतीय महिला टीम को इसी दौरान बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भाग लेना था। श्रीलंका की टीम 2016 के बाद पहली बार भारत में कोई द्विपक्षीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज खेलेगी, जिसे मेजबान टीम ने 3-0 से जीता था। भारतीय महिला टीम ने इस साल जुलाई में इंग्लैंड में अपनी पिछली टी20 सीरीज खेली थी। टीम ने श्रृंखला को 3-2 से जीत कर इतिहास रचा था। यह इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टीम की पहली टी20 श्रृंखला जीत थी।

सम्मान

पहले दृष्टिबाधित टी-20 विश्व कप में ऐतिहासिक खिताबी जीत दर्ज करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित नोरा सोलोमन फाउंडेशन ने सम्मानित किया। ● एजेंसी

उन्नति-तन्वी चमकीं, श्रीकांत पहुंचे सेमीफाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- महिला युगल में त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद एवं मिश्रित युगल में हरिहरन - त्रिशा भी अंतिम चार में

अमृत विचार: शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा और देश की राइजिंग बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में स्थान सुरक्षित किया। इसी के साथ महिला युगल में पिछली विजेता त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद के साथ मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन और त्रिशा जॉली भी अंतिम चार में पहुंच गई। वहीं पुरुष एकल में विश्व के पूर्व नंबर वन के.श्रीकांत ने प्रतिद्वंद्वी प्रियांशु राजावत के मैच छोड़ने के चलते सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनकी अब हमवतन मिथुन मंजूनाथ से टक्कर होगी जिन्होंने एक अन्य मैच में शानदार जीत दर्ज की। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल खेले गए। महिला एकल में शीर्ष वरीय भारत की उन्नति हुड्डा व सातवीं वरीय भारत की रक्षिता श्री संतोष रामराज के बीच कड़ी टक्कर हुई। एक घंटा 16 मिनट तक चले इस मैच में उन्नति ने 21-15, 13-21, 21-16 से जीत दर्ज की। वर्ल्ड नंबर 28 उन्नति का पिछले साल सेमीफाइनल में सफर ओलंपिक में दोहरे पदक विजेता पीवी सिंधु के हाथों हार से समाप्त हो गया था। अब वह सेमीफाइनल में चौथी वरीय तुर्किये की नेस्लिहान अरीन से भिड़ेंगी जिन्होंने एक अन्य रोमांचक मैच में भारत की इशारानी बरुआ को 21-19, 13-21, 21-15 से हराया। ओलंपिक पदक विजेता को हराने वाली भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने हांगकांग चीन की लो सिन यान हैप्पी के खिलाफ 21-13, 21-19 से जीत दर्ज की। तन्वी अब पांचवीं वरीय जापान की हीना अकेची से भिड़ेंगी, जिन्होंने तीसरी वरीय चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-8, 21-15 से हराया।

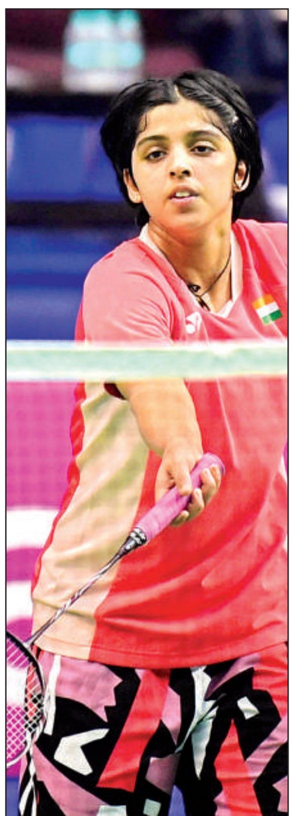

अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के परिणाम

मिश्रित युगल : सातवीं वरीय थाईलैंड की पक्कापोन तीरारतसाकुल व सप्सिरी तेरत्तनाचाईन ने मलेशिया की वी यी हर्न व वानी गोबी को 21-14, 21-11 से हराया।
चौथी वरीय इंडोनेशिया के मरवान फाज़ा व ऐस्युह सलसबीला पुत्रि प्रनाता ने भारत के निथिन एचवी व श्रीनिधि नारायणन को 21-11, 21-12 से हराया।
आठवीं वरीय इंडोनेशिया के देजान फर्डिनानस्याह और बर्नाडिन अनिंदिया वारदाना ने तीसरी वरीय मलेशिया के तियेन सी व लिम चिउ सिएन – मलेशिया को 21-15, 12-21, 21-10 से हराया।

महिला युगल : सातवीं वरीय मलेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन तिंग ने भारत की श्रुति मिश्रा व प्रिया कोंजेंगबम को 21-13, 22-20 से हराया।
दूसरी वरीय चीनी ताइपे की सुंग शुओ-युन और यू चिएन हुई ने चीनी ताइपे की ही लिन जिआओ मिन और वांग यू किआओ को 21-9, 21-10 से हराया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : उप्र ने जम्मू-कश्मीर को 109 रनों से हराया

कोलकाता, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के लिए तीन विकेट लेने वाले उमरान मलिक। एजेंसी

आर्यन जुयाल के लगातार दूसरे अर्धशतक और प्रशांत वीर के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से उत्तर प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में जम्मू-कश्मीर को 109 रन से मात दी।

यह उत्तर प्रदेश की लगातार दूसरी जीत है जिससे टीम आठ अंक के साथ ग्रुप बी तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। गोवा के खिलाफ मैच विजयी 93 रन की नाबाद पारी खेलने के बाद आत्मविश्वास से भरे विकेटकीपर-बल्लेबाज जुयाल ने एक बार फिर आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 40 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 51 रन बनाकर उत्तर प्रदेश को छह विकेट पर 193 रन तक पहुंचाया। जम्मू-कश्मीर के उमरान मलिक तीन विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिन-ऑलराउंडर वीर ने बाद में 20 रन देकर तीन विकेट झटके और महज 10 गेंद में नाबाद 37 रन बनाए जिसमें अंतिम ओवर में तेज गेंदबाज औकिब नबी के खिलाफ 24 रन बनाना शामिल रहा।

इससे पहले कप्तान करण शर्मा (24 रन) और जुयाल ने 73 रन की भागीदारी कर टीम को तेज शुरुआत कराई। उमरान मलिक ने जुयाल को उनके अर्धशतक के तुरंत बाद आउट कर दिया। उत्तर प्रदेश ने 24 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए। लेकिन वीर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने सिद्धार्थ यादव (24 रन) के साथ मिलकर पारी को संभाला और फिर अंतिम ओवर में तूफानी बल्लेबाजी कर मैच की दिशा बदल दी। जम्मू-कश्मीर की शुरुआत बेहद खराब रही और पूरी टीम सिर्फ महज 84 रन पर सिमट गई।

कप्तान शुभम खजूरिया चोट के कारण बल्लेबाज़ी करने नहीं आए। सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल 20 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। लेग स्पिनर विप्रज निगम तीन विकेट और वीर ने मिलकर बल्लेबाजों पर शिकंजा कस दिया।

वहीं, महाराष्ट्र के लिए पृथ्वी साव ने धमाकेदार वापसी करते हुए ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा जबकि आर्शिन कुलकर्णी ने 89 रन बनाए जिसकी बदौलत टीम ने 192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद को आठ विकेट से हरा दिया।

जूनियर विश्व कप : जर्मनी ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराया

मदुरै, एजेंसी

चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में पुरुष हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के शुभारंभ के दौरान कलाकार परफॉर्म करते हुए। एजेंसी

गत चैंपियन जर्मनी ने शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 4-0 से हराकर एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की।

सात बार के चैंपियन जर्मनी की ओर से जस्टस वारवेग ने 19वें और 56वें मिनट में मैदानी गोल दागे जबकि बेन हैशबैक (43वें मिनट) और पॉल ग्लेंडर (44वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर एक-एक गोल किया। पूल ए के पहले मैच में आयरलैंड ने कड़े मुकाबले में कनाडा को 4-3 से हराया। आयरलैंड को 13वें मिनट में लुई रोव से बढ़त दिलाई लेकिन गुरनूर भुल्लर ने 26वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। रोव ने 33वें मिनट में एक और मैदानी गोल दागकर स्कोर 2-1 किया जबकि ग्रेगरी विलियम्स ने 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर आयरलैंड को 3-1 से आगे कर दिया। माइलो थॉम्पसन ने एक और मैदानी गोल दागकर आयरलैंड की बढ़त को 4-1 किया। लेटन डिसूजा ने 48वें और 53वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर कनाडा को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए।

पूल डी के में स्पेन ने मिस्र को 8-0 से हराया, बेल्जियम ने नामीबिया को 12-1 से रौंद दिया। स्पेन की ओर से ब्रूनो एविला ने पेनल्टी कॉर्नर पर तीन गोल दागकर हैट्रिक लगाई जबकि जोसेप मार्टिन ने दो गोल किए।

जिम्मेदारी

स्वीडन के इस पूर्व मुक्केबाज ने 2017 से 2022 तक भारत की पुरुष टीम के साथ बड़े स्तर पर किया था काम

सैंटियागो भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के कोच नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय मुक्केबाजी के पूर्व हाई परफार्मेंस निदेशक (एचपीडी) सैंटियागो नीवा महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में राष्ट्रीय टीम से फिर से जुड़ गए हैं। अर्जेंटीना में जन्मे स्वीडन के इस पूर्व मुक्केबाज ने 2017 से 2022 तक भारत की पुरुष टीम के साथ बड़े स्तर पर काम किया था। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की, जिनमें तोक्यो ओलंपिक में भारत की अब तक की सर्वोच्च भागीदारी और 2019 पुरुष विश्व चैंपियनशिप में दो ऐतिहासिक पदक शामिल हैं।

नीवा ने कहा भारत वापस आकर बेहद उत्साहित हूं। मेरे पिछले कार्यकाल में यहां पांच साल शानदार रहे। मैं इस अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर कुछ बड़ा कर पाएंगे। नीवा के पास दो दशकों से अधिक का उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय कोचिंग अनुभव है। उन्होंने इस भूमिका में मुक्केबाजी जगत में कुछ शानदार परिणाम हासिल किये हैं। भारत के साथ अपने पहले कार्यकाल के बाद उन्होंने हाल ही में बॉक्सिंग ऑस्ट्रेलिया की हाई परफॉर्मेंस इकाई के मुख्य राष्ट्रीय कोच और तकनीकी प्रमुख के रूप में कार्य किया था। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि सैंटियागो की नियुक्ति भारत में महिला मुक्केबाजी लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। उन्होंने कहा सैंटियागो की नियुक्ति महिला मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

वह तकनीकी उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय समझ के साथ हमारी प्रणाली को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा हमारे खिलाड़ियों ने दिखा दिया है कि वे दुनिया के सबसे कठिन मंचों पर भी आगे बढ़ सकते हैं और सैंटियागो के मार्गदर्शन में उनकी प्रगति को देखते हुए हमें विश्वास है कि हम दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर भारत की उपस्थिति और महत्वाकांक्षा को मजबूत करेंगे। नीवा, डी. चंद्रलाल की जगह लेंगे जो कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बने रहेंगे। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक सहित चार पदक जीते हैं।

ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक से आगे ले जाना है नीवा का लक्ष्य

नई दिल्ली : भारतीय महिला मुक्केबाजी के नव नियुक्त मुख्य कोच सैंटियागो नीवा का मानना है कि मौजूदा टीम में काफी प्रतिभा है और उनका लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में कांस्य पदक से आगे बढ़कर इतिहास रचना है। नीवा पहले 2017 से 2022 तक भारत के 'हाई परफॉर्मेंस' निदेशक के तौर पर काम कर चुके हैं जिसमें उन्होंने ज्यादातर काम पुरुष टीम के साथ किया था और अब उन्हें महिला टीम का भविष्य बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। नीवा ने ऑस्ट्रेलिया से पीटीआई को बताया भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम बहुत मजबूत है और मुझे लगता है कि ओलंपिक पदक जीतना बहुत जरूरी है। मैंने सोचा कि महिला टीम में काफी प्रतिभा है तो मैं वहां योगदान देना चाहूंगा ताकि हम लॉस एंजिलिस में इतिहास बना सकें और कांस्य पदक से आगे जा सकें। अब तक सिर्फ तीन भारतीय मुक्केबाजों ने ओलंपिक पदक जीते हैं जिसमें विजेंदर सिंह (2008), एमसी मैरीकॉम (2012) और लवलीना बोरगोहेन (2020) को कांस्य पदक मिले हैं। पेरिस ओलंपिक से भारतीय मुक्केबाज खाली हाथ लौटे थे। उनके मार्गदर्शन में अमित पंघाल ने पुरुषों की विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला और एकमात्र रजत पदक जीता था जबकि तोक्यो ओलंपिक में अब तक सबसे ज्यादा भारतीय मुक्केबाजों की हिस्सेदारी रही थी। वह एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट के 2026 सत्र से पहले जुड़ रहे हैं तो उनके एजेंडे में सबसे पहली चीज चयन नीति को समझना होगा। उन्होंने कहा मुझे यह देखना होगा कि वे किस मॉडल का इस्तेमाल कर रहे हैं और यह कैसे काम करता है। जरूरी बात यह है कि हम सबसे अच्छे मुक्केबाज चुनें। नीवा ने कहा फिर देखना होगा कि चल रहे सभी अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के साथ क्या व्यावहारिक है।